- हिमालयी क्षेत्र में जलवायु अनुकूल सड़क ढांचे का विकास बड़ी चुनौती -12

- जन-धन खातों में 64,000 करोड़ की जमा के साथ शीर्ष पर उत्तर प्रदेश -12

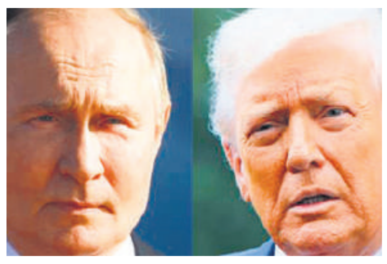

- पुतिन की ट्रंप को चेतावनी, ईरान पर दोबारा हमला किया तो पूरी दुनिया भुगतेगी नतीजा -13

- गेंद को टर्न कराने की कोशिश नहीं कर रहे स्पिनर : मुरलीधरन -14

आज का मौसम
36.0° अधिकतम तापमान
23.0° न्यूनतम तापमान
सूर्योदय 05.32
सूर्यास्त 06.40

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

| कानपुर नगर |

www.amritvichar.com
2 राज्य | 6 संस्करण
लखनऊ ■ बरेली ■ कानपुर ■ मुरादाबाद ■ अयोध्या ■ हल्द्वानी

बैशाख शुक्ल पक्ष पूर्णिमा 10:52 उपरांत प्रतिपदा विक्रम संवत 2083
शुक्रवार, 1 मई 2026, वर्ष 4, अंक 250, पृष्ठ 14 ■ मूल्य 5 रुपये

काले कर्मों से राजमहल सजाने वाले कलंक : योगी

विशेष सत्र में महिला सशक्तीकरण पर योगी का विपक्ष पर वार

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचारः विधानसभा के विशेष सत्र में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को महिला सशक्तीकरण पर चर्चा के दौरान विपक्ष पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि जो लोग "काले कर्मों से राजमहल सजाते हैं, वही इतिहास में कलंक बन जाते हैं" और महिला आरक्षण जैसे महत्वपूर्ण विषय पर बाधा डालकर विपक्ष ने यही भूमिका निभाई है।

मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि लोकसभा में महिला आरक्षण से जुड़े प्रस्ताव को गिराकर समाजवादी पार्टी, कांग्रेस समेत अन्य दलों ने देश और महिलाओं की भावनाओं को आहत किया। उन्होंने कहा कि जब महिलाएं हर क्षेत्र में अपनी क्षमता साबित कर रही हैं, तब उन्हें केवल योजनाओं तक सीमित रखना उचित नहीं, बल्कि नीति-निर्धारण और कानून निर्माण में उनकी भागीदारी सुनिश्चित की जानी चाहिए। सीएम योगी ने कहा कि वर्तमान में संसद में महिलाओं की भागीदारी लगभग 15 प्रतिशत और उत्तर प्रदेश विधानसभा में 11-12 प्रतिशत है। ऐसे में 33 प्रतिशत आरक्षण लागू होने से आधी आबादी को वास्तविक प्रतिनिधित्व मिलेगा और महिला मुद्दों पर प्रभावी निर्णय संभव हो सकेंगे। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में महिलाओं के सशक्तीकरण के लिए उठाए गए कदमों का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि महिला सशक्तीकरण का वास्तविक अर्थ उन्हें आर्थिक, सामाजिक और राजनीतिक रूप से सक्षम बनाना है। इसी उद्देश्य से सरकार ने नारी शक्ति वंदन अधिनियम का समर्थन किया है और इसे लागू करने के लिए प्रतिबद्ध है।

विधानसभा के विशेष सत्र में सदन को सम्बोधित करते योगी।

- सीएम बोले- महिलाओं को वेलफेयर नहीं, अब नीति-निर्धारण में भागीदारी

महिलाओं के श्राप से कांग्रेस की दुर्गति, अब सपा उसी राह पर

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि महिलाओं के साथ किए गए व्यवहार के कारण कांग्रेस की दुर्गति हुई और अब समाजवादी पार्टी भी उसी राह पर बढ़ रही है। उन्होंने सपा-कांग्रेस के आचरण पर सवाल उठाते हुए कहा कि जो दल महिलाओं के सम्मान और अधिकारों के प्रति संवेदनशील नहीं रहे, वे आज राजनीतिक मजबूरी में आरक्षण की बात कर रहे हैं।

सपा का आचरण देख गिरगिट भी शर्म से पानी-पानी

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सपा पर निशाना साधते हुए कहा कि आप लोगों के आचरण को देखकर गिरगिट भी शर्म से पानी-पानी हो जाएगा। संसद में एक रंग और विधानसभा में दूसरा रंग। दिल्ली से लखनऊ पहुंचते ही आप रंग बदल लेते हैं। अब यहां आकर आप 33 प्रतिशत महिला आरक्षण की बात कर रहे हैं, जबकि लोकसभा में इसका विरोध किया था। आपका चेहरा बोलने का कुछ और, और दिखाने का कुछ और है। अनावश्यक मुद्दे उठाकर नैरेटिव बदलने का प्रयास करते रहते हैं, लेकिन पूरा देश आपकी हरकतों को जानता है।

जन्मजात महिला-विरोधी हैं कांग्रेस और सपा

मुख्यमंत्री ने कांग्रेस और समाजवादी पार्टी पर निशाना साधते हुए कहा कि ये दल जन्मजात महिला-विरोधी हैं। उनकी रग-रग में नारी का अपमान भरा हुआ है। जब भी सपा को प्रदेश में सत्ता मिली, महिलाओं पर अत्याचार और क्रूर घटनाओं ने बर्बरता की सारी हदें पार कर दीं। हर व्यक्ति जानता है कि सपा सरकार के समय 'देख सफाई, बिटिया घबराई' जैसे स्लोगन बन गए थे। स्टेट गेस्ट हाउस कांड हो या अन्य महिला संबंधी अत्याचार, इनकी छवि जगजाहिर है।

दोनों सदनों से सपा-कांग्रेस के खिलाफ निंदा प्रस्ताव पारित

- पिछड़े वर्गों के संवैधानिक आरक्षण का समर्थन, लेकिन मजहबी आधार पर विरोध करेगी भाजपा
- वेल में नारेबाजी, पोस्टर और टकराव के बीच दिनभर गरमाया रहा सदन

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचारः उत्तर प्रदेश विधानमंडल के विशेष सत्र में गुरुवार को सियासत अपने चरम पर रही। महिला सशक्तिकरण के मुद्दे पर बुलाए गए इस एकदिवसीय सत्र में सत्ता पक्ष ने समाजवादी पार्टी, कांग्रेस समेत इंडी गठबंधन के दलों के खिलाफ निंदा प्रस्ताव दोनों सदनों से ध्वनिमत से पारित करा लिया। दिनभर चले सत्र में वेल में नारेबाजी, पोस्टर प्रदर्शन और तीखे आरोपों के बीच सदन का माहौल बार-बार गरमाता रहा।

सुबह 11 बजे कार्यवाही शुरू होते ही विधानसभा में हंगामे के बीच मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने निंदा प्रस्ताव रखते हुए कहा कि केंद्र व राज्य सरकार ने महिलाओं को हर क्षेत्र में अवसर दिए हैं, लेकिन उन्हें जनसंख्या के अनुपात में प्रतिनिधित्व अभी नहीं मिल पाया है। उन्होंने कहा कि इसी उद्देश्य से नारी शक्ति वंदन अधिनियम 2023 पारित किया गया, लेकिन संसद में इसके क्रियान्वयन में कांग्रेस-सपा समेत इंडी गठबंधन के दलों ने बाधा उत्पन्न की, जिसकी यह सदन निंदा करता है। इस दौरान सत्ता पक्ष और विपक्ष आमने-सामने आ गए। सपा विधायकों ने प्रधानमंत्री की तस्वीर के साथ विरोध प्रदर्शन किया। इसके जवाब में भाजपा की महिला विधायकों ने पैदल मार्च करते हुए विपक्ष के खिलाफ नारेबाजी की और तख्तियां लेकर सदन में पहुंचीं। हालात इतने तीखे हो गए कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और संसदीय कार्यमंत्री सुरेश खन्ना को अपने विधायकों को शांत कराना पड़ा, विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना को भी कई बार हस्तक्षेप करना पड़ा। अपने समापन वक्तव्य में मुख्यमंत्री ने कहा कि भाजपा सामाजिक न्याय की पक्षधर है और अनुसूचित जाति, जनजाति व पिछड़े वर्गों के संवैधानिक आरक्षण का समर्थन करती रही है, लेकिन मजहबी आधार पर आरक्षण का विरोध करती रहेगी।

लखनऊ :विधान भवन के सामने प्रदर्शन करतीं भाजपा महिला विंग की कार्यकर्ता। ● अमृत विचार

मौलवियों के सामने नाक रगड़ना सपा-कांग्रेस की प्रवृत्ति : योगी

लखनऊ : मुख्यमंत्री योगी ने विधानमंडल का विशेष सत्र शुरू होने से पहले गुरुवार को प्रेसवार्ता में कांग्रेस, समाजवादी पार्टी और इंडी गठबंधन पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि 'मौलवियों के सामने नाक रगड़ना' सपा-कांग्रेस की पुरानी प्रवृत्ति रही है। इनका राजनीतिक चरित्र महिला विरोधी रहा है। नारी शक्ति वंदन अधिनियम के संशोधन का विरोध कर विपक्ष ने एक बार फिर अपनी मानसिकता उजागर की है। इसी के विरोध में निंदा प्रस्ताव लाने और चर्चा के लिए विशेष सत्र बुलाया गया है। सीएम ने शाहबानों प्रकरण का उल्लेख करते हुए कहा कि कांग्रेस समेत विपक्षी दलों का इतिहास महिलाओं के अधिकारों के खिलाफ रहा है।

न्यूज ब्रीफ

एडवोकेट-ऑन-रिकॉर्ड परीक्षा 2027 तक टली

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट में वकालत के लिए अनिवार्य 'एडवोकेट-ऑन-रिकॉर्ड' (एओआर) परीक्षा 2026 को निरस्त कर दिया गया है। अब यह परीक्षा अगले साल आयोजित की जाएगी। गुरुवार को सुप्रीम कोर्ट के परीक्षा सेल ने आधिकारिक नोटिस जारी कर यह जानकारी दी। रजिस्ट्रार और परीक्षा बोर्ड के सचिव द्वारा जारी आदेश के अनुसार, वर्तमान में एडवोकेट्स-ऑन-रिकॉर्ड की कुल संख्या और उनकी कार्यक्षमता को देखते हुए इस साल परीक्षा न कराने का फैसला लिया गया है।

ब्रह्मोस: राजस्व 5200 करोड़ के पार

नई दिल्ली : रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की दिशा में भारत ने एक और बड़ी उपलब्धि हासिल की है। डीआरडीओ के अनुसार, ब्रह्मोस एयरोस्पेस का राजस्व वित्त वर्ष 2025-26 में 5,200 करोड़ रुपये के पार पहुंच गया है। साथ ही, कंपनी को इसी अवधि में 4,000 करोड़ रुपये के दो बड़े निर्यात ऑर्डर भी मिले हैं।

आईसीएसई रिजल्ट: छात्राओं का शानदार प्रदर्शन, 99% से अधिक विद्यार्थी सफल

एक नजर में परिणाम

परीक्षार्थी : 3,62,037
उत्तीर्ण (10वीं) : 2,56,590
उत्तीर्ण (12वीं) : 1,02,414

श्रेणीवार उत्तीर्ण प्रतिशत

श्रेणी	आईसीएसई (10वीं)	आईएससी (12वीं)
सामान्य	99.26%	99.17%
अन्य पिछड़ा वर्ग	99.24%	99.12%
अनुसूचित जाति	98.76%	98.77%
अनुसूचित जनजाति	98.07%	98.84%

नई दिल्ली, अमृत विचार नेटवर्क

भारतीय स्कूल प्रमाण पत्र परीक्षा परिषद (सीआईएससीई) ने गुरुवार को कक्षा 10वीं (आईसीएसई) और 12वीं (आईएससी) के वर्ष 2026 के परीक्षा परिणाम घोषित कर दिए हैं। इस साल भी छात्राओं ने अपनी श्रेष्ठता साबित करते हुए छात्रों की तुलना में बेहतर प्रदर्शन किया है। आईसीएसई में 99.18% और आईएससी में 99.13% परीक्षार्थी उत्तीर्ण हुए हैं।

जारी आंकड़ों के अनुसार, इस वर्ष परीक्षा में शामिल होने वाले कुल 3.6 लाख से अधिक विद्यार्थियों में से अधिकांश ने सफलता हासिल की है। 10वीं में 2,58,721 परीक्षार्थी बैठे थे, जिनमें से 2,56,590 उत्तीर्ण हुए। 12वीं में 1,03,316 परीक्षार्थियों में से 1,02,414 सफल रहे। दोनों ही बोर्ड परीक्षाओं में छात्राओं का उत्तीर्ण प्रतिशत छात्रों से अधिक रहा। 10वीं में 99.46% छात्राएं सफल रहीं, जबकि छात्रों का प्रतिशत 98.93 रहा। 12वीं में 99.48% छात्राओं ने सफलता पाई, जबकि छात्रों का प्रतिशत 98.81 रहा। इस वर्ष आईसीएसई की परीक्षा 67 विषयों में और आईएससी की परीक्षा 45 विषयों में आयोजित की गई थी। आईसीएसई में मात्र 2,131 छात्र अनुत्तीर्ण हुए, वहीं आईएससी में यह संख्या केवल 902 रही।

ओजस्वित बने नेशनल टॉपर

कानपुर। शीलिंग हाउस स्कूल के छात्र के ओजस्वित पसरीचा ने आईएससी (बारहवीं) में सौ फीसदी अंक हासिल कर राष्ट्रीय स्तर पर टॉप किया है। शहर के आजाद नगर निवासी ओजस्वित को इंग्लिश, कंप्यूटर, मैथ और कमेस्ट्री में सौ फीसदी अंक हासिल हुए हैं। ओजस्वित अब इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस में दाखिले के लिए तैयारी कर रहे हैं।

पीएनजी कनेक्शन के साथ एलपीजी रखने वालों पर कार्रवाई की तैयारी में सरकार

नई दिल्ली। सरकार उन पीएनजी उपभोक्ताओं के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने की योजना बना रही है, जिन्होंने अब तक अपना पुराना एलपीजी कनेक्शन वापस नहीं किया है। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय में संयुक्त सचिव सुजाता शर्मा ने गुरुवार को संवाददाता सम्मेलन में यह जानकारी दी।

उन्होंने स्पष्ट किया कि इस कदम का मुख्य उद्देश्य एलपीजी सिलेंडरों के दुरुपयोग को रोकना है। पश्चिम एशिया में जारी संकट के बीच सरकार देश में पाइप्ड नेचुरल गैस (पीएनजी) के उपयोग को तेजी से बढ़ावा दे रही है। आंकड़ों के अनुसार, मार्च से अब तक लगभग 5.78 लाख पीएनजी कनेक्शनों का गैसीकरण किया जा चुका है, जबकि कुल 8.44 लाख कनेक्शनों के लिए बुनियादी ढांचा तैयार है। मंत्रालय के अनुसार, अब तक लगभग 6.47 लाख नए ग्राहकों ने पीएनजी के लिए पंजीकरण कराया है, लेकिन एलपीजी कनेक्शन सरेंडर करने वालों की संख्या 43,050 है। सरकार इस संख्या को काफी कम मान रही है और दोहरे कनेक्शन रखने वालों पर कार्रवाई की तैयारी की जा रही है। संयुक्त सचिव ने कहा कि अभी देशभर में उन घरों का आकलन किया जा रहा है जिनमें पीएनजी के साथ-साथ एलपीजी कनेक्शन भी है। यह आकलन होने के बाद इस तरह के उपभोक्ताओं के खिलाफ कार्रवाई के बारे में निर्णय लिया जाएगा।

सुप्रीम कोर्ट बोला- रेप विक्टिम के अबॉर्शन पर टाइम लिमिट हटाएं

किसी पर अनचाहा गर्भ नहीं थोपा जा सकता, वह बच्ची है... उसे मां मत बनाओ

नई दिल्ली, एजेंसी/ अमृत विचार ब्यूरो

एक 15 साल की बच्ची, जिसे इस वक्त स्कूल की बेंच पर होना चाहिए था, हम उसे मां बनने के लिए मजबूर करना चाहते हैं? उस बच्ची की पीड़ा और अपमान की कल्पना कीजिए, जो लोकलाज के डर से दो बार मौत को गले लगाने की कोशिश कर चुकी है।

उच्चतम न्यायालय ने यह झकझोर देने वाली टिप्पणी करते हुए केंद्र सरकार को कहा कि वह दुष्कर्म पीड़िताओं के लिए गर्भपात कानून में व्यापक बदलाव करे। अदालत ने दोटूक कहा कि बलात्कार जैसी वीभत्स त्रासदी झेल चुकी पीड़िताओं पर 20 या 24 सप्ताह की समय सीमा के बाद भी अनचाहा गर्भ नहीं थोपा जा सकता। न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने एम्स की उस पुनर्विचार याचिका को सिरे से खारिज कर दिया, जिसमें एक नाबालिग की 30 सप्ताह की गर्भावस्था को समाप्त करने के अदालती आदेश पर रोक लगाने की मांग की गई थी। न्यायालय ने स्पष्ट किया कि यदि गर्भपात की अनुमति नहीं दी जाती है, तो पीड़िता को जीवन भर के लिए गहरा मानसिक आघात और असहनीय पीड़ा झेलनी पड़ेगी।

अदालत का कड़ा रुखः 'डॉक्टर सेवा दें, शासक न बनें': सुनवाई के दौरान जब एम्स की ओर से अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल ऐश्वर्या भाटी ने दलील दी कि 30 सप्ताह का भ्रूण अब 'जीवित जन्म' की स्थिति में है और इसे गोद दिया जा सकता है, तो अदालत ने इसे 'अमानवीय' करार दिया। न्यायमूर्ति बागची ने कहा, "नागरिकों के जीवन के फैसले लेना अस्पताल का काम नहीं है।

प्रजनन स्वायत्तता को सर्वोच्च प्राथमिकता : अदालत ने दोहराया कि मां बनने वाली महिला की प्रजनन स्वायत्तता सर्वोपरि है। यदि गर्भपात की अनुमति नहीं दी जाती है, तो पीड़िता को जीवन भर के लिए मानसिक आघात और शारीरिक पीड़ा झेलनी पड़ेगी। एम्स को निर्देश दिया कि वे बच्ची के माता-पिता की काउंसलिंग करें, लेकिन यदि वे गर्भपात पर कायम रहते हैं, तो पूरी प्रक्रिया बिना किसी देरी के पूरी की जाए। अदालत ने याद दिलाया कि यह मामला साधारण नहीं है।

- दुष्कर्म पीड़िताओं के लिए कानून बदले केंद्र, समय सीमा की बेड़ियां खत्म हों: सुप्रीम कोर्ट

अदालत की बड़ी बातें

1. हम एक बच्ची पर मातृत्व थोपकर उसे उस उम्र में मां बनाना चाहते हैं जब उसे पढ़ाई करनी चाहिए।
2. सड़कों पर पहले से ही कई परित्यक्त बच्चे हैं, माफिया सक्रिय हैं। हम एक और अनचाहे जन्म के लिए किसी को मजबूर नहीं कर सकते।"
3. गर्भावस्था के हफ्ते बीत जाने के आधार पर अनुमति न देना 'शारीरिक स्वायत्तता के अधिकार' को निरर्थक बना देता है।"

क्या है वर्तमान गर्भपात कानून

गर्भपात कानून (एमटीपी एक्ट 2021) के तहत 20 सप्ताह तक डॉक्टर की सलाह पर गर्भपात कराया जा सकता है। 20 से 24 सप्ताह तक विशेष श्रेणियों (जैसे दुष्कर्म पीड़िता, नाबालिग, दिव्यांग महिलाएं, या विधवा/तलाकशुदा) के लिए दो डॉक्टरों की अनुमति अनिवार्य है। 24 सप्ताह के बाद गर्भपात की अनुमति नहीं है। केवल तभी संभव है जब राज्य स्तरीय मेडिकल बोर्ड भ्रूण में गंभीर विकृति की पुष्टि करे। यदि मामला दुष्कर्म का है और गर्भ 24 सप्ताह से अधिक का हो चुका है, तो वर्तमान कानून में स्पष्ट प्रावधान न होने के कारण पीड़िताओं को अक्सर हाई कोर्ट या सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाना पड़ता है।

कड़ा रूख

परमाणु ताकत हमारी राष्ट्रीय संपत्ति, खाड़ी में अमेरिका की जगह सिर्फ 'पानी की तह' में : अयातुल्ला मुजतबा खामेनेई

ईरान की दो टूक... परमाणु कार्यक्रम से समझौता नहीं करेंगे

दुबई, एजेंसी

ईरान के नए सर्वोच्च नेता अयातुल्ला मुजतबा खामेनेई ने अमेरिका को सीधी सैन्य और रणनीतिक चुनौती देते हुए परमाणु और मिसाइल क्षमताओं को ईरान की 'अमिट राष्ट्रीय पहचान' करार दिया है। गुरुवार को जारी एक कड़े लिखित बयान में उन्होंने स्पष्ट किया कि ईरान अपनी वैज्ञानिक और रक्षा संपत्तियों से रत्ती भर भी समझौता नहीं करेगा। खामेनेई ने चेतावनी भरे लहजे में कहा कि फारस की खाड़ी में अमेरिकियों के लिए कोई जगह नहीं है और यदि वे दखल देते हैं, तो उनकी जगह केवल 'समुद्र की गहराइयों' (पानी की तह) में होगी।

खामेनेई का यह बयान अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की उस रणनीति को बड़ा झटका माना जा रहा है, जिसमें वे युद्धविराम को स्थायी बनाने के लिए ईरान पर अधिकतम दबाव डाल रहे हैं। खामेनेई ने गर्व के साथ कहा कि देश-विशेष में रहने वाले 9 करोड़ सम्मानित ईरानी, नैनो तकनीक और जैव प्रौद्योगिकी से लेकर परमाणु और मिसाइल क्षमताओं तक को अपनी राष्ट्रीय विरासत मानते हैं।

हथियार-स्तर का संवर्धनः अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए) के अनुसार, ईरान ने 60 प्रतिशत तक यूरेनियम संवर्धन सफलतापूर्वक कर लिया है, जो परमाणु हथियार बनाने के बेहद करीब है। संयुक्त राष्ट्र के परमाणु प्रमुख राफेल ग्रोसी के अनुसार, ईरान का अधिकांश उच्च संवर्धित यूरेनियम इस्फहान परमाणु परिसर के सुरक्षित बंकरों में है, जो हालिया हवाई हमलों के बावजूद सुरक्षित माना जा रहा है।

126 डॉलर के पार पहुंचा कच्चा तेल : युद्धविराम की कोशिशों के बीच होर्मुज जलडमरूमध्य दुनिया का सबसे बड़ा फ्लैशपॉइंट बना हुआ है। अमेरिकी नौसेना ने ईरानी तेल टैंकरों की नाकेबंदी कर रखी है, जिसके जवाब में ईरान ने जलडमरूमध्य से गुजरने वाले जहाजों पर कड़ा नियंत्रण कर लिया है। इस तनाव के कारण ब्रेंट क्रूड 126 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गया है, जो 2022 के बाद का उच्चतम स्तर है। दुनिया के तेल और गैस व्यापार का लगभग 20% इसी मार्ग से गुजरता है। आपूर्ति बाधित होने से अमेरिका और उसके खाड़ी सहयोगियों पर भारी आर्थिक दबाव बढ़ गया है।

अमेरिका मुक्त भविष्य का संकल्प

खामेनेई ने क्षेत्रीय देशों को एकजुट होने का आह्वान करते हुए कहा कि फारस की खाड़ी का भविष्य अमेरिका के बिना लिखा जाएगा। उन्होंने कहा, "ईश्वर की मदद से हम एक ऐसा नया अध्याय शुरू कर रहे हैं, जो बाहरी शक्तियों के हस्तक्षेप से मुक्त होगा।" ईरान ने फिलहाल परमाणु वार्ता को टालने का प्रस्ताव दिया है, जबकि ट्रंप प्रशासन का रुख स्पष्ट है कि वे ईरान को किसी भी कीमत पर परमाणु शक्ति नहीं बनने देंगे।

वर्तमान स्थिति

युद्धविराम की स्थिति : पाकिस्तान की मध्यस्थता में हुआ अस्थायी युद्धविराम फिलहाल बेहद नाजुक स्थिति में है।

आर्थिक मार : अमेरिका में पेट्रोल की कीमतें 4 साल के रिकॉर्ड स्तर पर हैं।

ईरान की मांग : ईरान का कहना है कि वार्ता तभी होगी जब अमेरिका अपनी 'धमकी भरी' नाकेबंदी पूरी तरह हटाएगा।

न्यूज ब्रीफ

संविधान सम्मत नहीं है नारी वंदन प्रस्ताव

अमृत विचार, लखनऊ : उप्र. विधान परिषद में नारी वंदन प्रस्ताव पर चर्चा के दौरान सपा के सदस्य राजेन्द्र चौधरी ने प्रस्ताव का विरोध करते हुए इसे त्रुटिपूर्ण और संविधान सम्मत न होने की बात कही। उन्होंने कहा कि महिला आरक्षण विधेयक 2023 संसद द्वारा सर्वसम्मति से पारित हुआ था, न कि केवल एनडीए सरकार द्वारा। सपा सदस्य ने आरोप लगाया कि भाजपा इस मुद्दे पर भ्रम फैला रही है और वास्तविक आरक्षण लागू करने के बजाय परिसीमन के जरिए राजनीतिक लाभ लेना चाहती है। सपा की विचारधारा को राममनोहर लोहिया से जोड़ते हुए कहा कि पार्टी शुरू से महिला समानता और आरक्षण की पक्षधर रही है।

महिला आरक्षण पर सरकार का समर्थन

अमृत विचार, लखनऊ : बसपा प्रमुख मायावती ने महिलाओं को राजनीति में उचित भागीदारी देने के मुद्दे पर केंद्र और राज्य की पहल का समर्थन किया है। साथ ही उन्होंने महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देने का मामला लंबे समय से संसद और विधानसभाओं में लंबित होने पर चिंता भी व्यक्त की, उन्होंने महिला आरक्षण बिल न पास होने को "अति-दु:खद, दुर्भाग्यपूर्ण और चिंतनीय" बताया है। गुरुवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जारी बयान में बसपा प्रमुख ने कहा कि इस विषय पर उत्तर प्रदेश विधानसभा का विशेष सत्र बुलाया जाना स्वागतयोग्य कदम है। उन्होंने स्पष्ट किया कि बहुजन समाज पार्टी इस पहल का समर्थन करती है और महिला आरक्षण के पक्ष में है।

पॉलीटेक्निक : आवेदन की अंतिम तिथि बढ़ी

अमृत विचार, लखनऊ : संयुक्त प्रवेश परीक्षा परिषद उत्तर प्रदेश द्वारा आयोजित संयुक्त प्रवेश परीक्षा (पॉलीटेक्निक)-2026 के लिए आवेदन की अंतिम तिथि बढ़ा दी गई है। पहले यह तिथि 30 अप्रैल निर्धारित थी, जिसे अभ्यर्थियों के हित में बढ़ाकर अब 10 मई 2026 कर दिया गया है। परिषद के सचिव ने बताया कि अभ्यर्थियों और विभिन्न संस्थाओं की मांग को देखते हुए यह निर्णय लिया गया है। साथ ही आवेदन पत्रों में त्रुटि सुधार की तिथियों में भी बदलाव किया गया है। अब अभ्यर्थी 8 मई से 11 मई 2026 तक अपने आवेदन में संशोधन कर सकेंगे। प्रवेश परीक्षा से जुड़ी विस्तृत जानकारी के लिए अभ्यर्थी परिषद के आधिकारिक पोर्टल पर जाकर या हेल्पलाइन नंबरों पर संपर्क कर सकते हैं। परिषद के अनुसार, प्रदेश में पॉलीटेक्निक की कुल 2,71,093 सीटों के मुकाबले अब तक करीब 3.5 लाख से अधिक अभ्यर्थियों ने आवेदन कर दिया है। साथ ही अभ्यर्थियों को सलाह दी गई है कि वे बढ़ी हुई समय-सीमा का लाभ उठाते हुए समय पर आवेदन करें और आवश्यक सुधार भी निर्धारित अवधि में पूरा कर लें।

धार्मिक स्थलों के लिए 17 परियोजनाएं मंजूर

अमृत विचार, लखनऊ : पर्यटन विभाग ने बुलंदशहर, चंदौली और चित्रकूट में धार्मिक स्थलों के विकास के लिए 997 लाख रुपये की 17 परियोजनाओं को मंजूरी दी है। इन परियोजनाओं का उद्देश्य धार्मिक स्थलों का कायाकल्प कर वहां बुनियादी सुविधाओं को मजबूत करना और पर्यटन को बढ़ावा देना है। बुलंदशहर जिले में 3.15 करोड़ रुपये की पांच परियोजनाएं स्वीकृत की गई हैं। इनमें ऊंचागांव के सिद्ध बाबा (काल भैरव) मंदिर, खुर्जा के बौद्ध महासभा संस्थान, डिबाई के मां आशवर देवी मंदिर, शिकारपुर के शिव मंदिर और अनूपशहर के छोटी माता मंदिर का विकास शामिल है। चंदौली में 4.76 करोड़ रुपये की छह परियोजनाएं मंजूर हुई हैं। इसमें शंकर मंदिर, हनुमान मंदिर और काली मंदिर जैसे प्रमुख स्थलों के विकास के साथ-साथ ग्रामीण पर्यटन को भी बढ़ावा देने की योजना शामिल है। चकिया और चहनिया क्षेत्रों में बहुउद्देशीय सुविधाओं का विकास कर श्रद्धालुओं के लिए बेहतर व्यवस्था तैयार की जाएगी। चित्रकूट में 2.06 करोड़ रुपये की छह परियोजनाओं को स्वीकृति मिली है। पालेश्वरनाथ मंदिर, राम शैया स्थल, वाल्मीकि घाट और महर्षि आश्रम परिक्रमा पथ जैसे स्थलों के विकास से यहां आने वाले श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं मिलेंगी और धार्मिक पर्यटन को नई दिशा मिलेगी। प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने कहा कि सरकार आस्था और विकास को साथ लेकर काम कर रही है।

महिला सशक्तिकरण पर बुलाए गए विधानसभा के विशेष सत्र के दौरान परिसर में विपक्ष के खिलाफ प्रदर्शन करते सत्ता पक्ष के सदस्य।

सरकार के खिलाफ विरोध जताते विपक्षी पार्टियों के सदस्य। अमृत विचार

राजनीतिक शक्ति प्रदर्शन का मंच बना विशेष सत्र

विधानसभा : सत्ता और विपक्ष में सीधा टकराव, तेज रही बयानों की धार, इतिहास से लेकर नीयत तक पर उठाए गए सवाल

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: महिला सशक्तिकरण पर बुलाए गए विशेष सत्र में उत्तर प्रदेश विधानसभा का माहौल गुरुवार को पूरी तरह सियासी टकराव में तब्दील रहा। कार्यवाही शुरू होते ही सत्ता पक्ष और विपक्ष आमने-सामने आ गए।

विशेष सत्र को संबोधित करते हुए उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने कहा कि सपा के लोग महिला सम्मान की बात करते हैं, लेकिन यही लोग थे जब बसपा ने सपा से समर्थन वापस ले लिया था तो सपा के गुंडे स्टेट गेस्ट हाउस में मायावती को सिलिंडर लीक कर जान से मारना चाहते थे। ये लोग अब महिलाओं के सम्मान की बात करते हैं। स्व. फूलन देवी को डाकू बना देने में इन्हीं सपा के लोगों का हाथ था। पंचायती राज मंत्री ओम प्रकाश राजभर ने विपक्ष को घेरते हुए कहा कि कांग्रेस और सपा ने लंबे समय तक सत्ता में रहते हुए महिलाओं को आरक्षण नहीं दिया और अब राजनीतिक कारणों से सवाल उठा रहे हैं। मत्स्य मंत्री संजय निषाद ने बहस को और तीखा करते हुए कहा कि "इतिहास गवाह है कि महिलाओं ने संघर्ष किया, लेकिन कुछ लोग हर दौर में विरोध की राजनीति करते रहे।" उन्होंने विपक्ष

सदन में बोलते मुख्यमंत्री योगी।

पर सामाजिक विभाजन की राजनीति करने का आरोप लगाया। इस बीच सपा के बागी विधायक मनोज पांडेय ने भी विपक्षी दलों पर तीखा तंज कसते हुए कहा कि "मर्यादा भी लौट आए तो कांग्रेस और सपा के आचरण पर शर्माएगी।" उन्होंने आरोप लगाया कि पूर्व में नारी शक्ति को कमजोर करने का काम इन्हीं दलों ने किया। मंत्री बेबी रानी मौर्य ने सदन के विशेष सत्र को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मंशा थी कि महिलाओं को राजनीति में भी अवसर मिले पर सपा-कांग्रेस के कारण ऐसा नहीं हो सका। भाजपा विधायक केतकी सिंह ने कहा कि विपक्ष की ओर से महिला आरक्षण का विरोध करना लोकतंत्र का काला दिन है।

मुद्दा और तेज होने के संकेत

दिनभर चली बहस में साफ दिखा कि महिला आरक्षण का मुद्दा अब केवल विधायी चर्चा नहीं, बल्कि राजनीतिक रणनीति और जनसंदेश का माध्यम बन चुका है। एक ओर सत्ता पक्ष इसे ऐतिहासिक सुधार के रूप में पेश कर रहा है, वहीं विपक्ष इसकी टाइमिंग और क्रियान्वयन पर सवाल खड़े कर रहा है। महिला आरक्षण पर यह विशेष सत्र नीतिगत बहस से ज्यादा राजनीतिक शक्ति प्रदर्शन में बदलता दिखा। आने वाले चुनावी माहौल में यह मुद्दा और तेज होने के संकेत साफ हैं।

सपा-कांग्रेस महिला विरोधी थे और रहेंगे : पूजा पाल

सपा विधायक पूजा पाल ने कहा कि पीएम मोदी ने देश की आबादी को सम्मान दिलाने का प्रयास किया। विपक्ष में बैठे सपा और कांग्रेस जो खुद को महिला हितैषी बताते हैं, यही लोग इसका विरोध करने लगे। ये लोग दिखा रहे कि ये महिला विरोधी थे, हैं और रहेंगे। उस दिन महिलाएं टीवी पर टकटकी लगाकर देख रही थीं, ये वो महिलाएं थी जो गरीब थीं, किचन में काम कर रही थीं, लेकिन जब बिल पास नहीं हुआ तो उनके मन को ठेस पहुंची। उन्होंने माफिया अतीक अहमद को मिट्टी में मिलाए जाने का जिक्र करते हुए सीएम योगी को धन्यवाद दिया।

सपा कांग्रेस के लोग महिलाओं को आगे नहीं बढ़ने देना चाहते हैं। कांग्रेस के प्रमुख परिवार की दो-दो महिलाएं संसद की सदस्य हैं और यूपी के प्रमुख विपक्षी दल के नेता के घर की महिला सांसद है, लेकिन वो गरीब महिलाओं का विरोध करते हैं। पूर्व मंत्री राजा भइया ने कहा कि एक दिन वह भी आ सकता है, जब पुरुषों को आरक्षण मांगना पड़ेगा। इस दौरान विधान सभा अध्यक्ष ने तंज कहा कि बेटा बचाओ अभियान शुरू होगा।

विपक्ष ने भी पलटवार में कोई कमी नहीं छोड़ी। कांग्रेस विधायक आराधना मिश्रा ने सरकार को चुनौती देते हुए कहा कि 2027 के विधानसभा चुनाव में 33 प्रतिशत आरक्षण लागू करने की घोषणा की जाए। सपा विधायक रागिनी सोनकर ने इसे "राजनीतिक दिखावा" बताते हुए कहा कि यदि सरकार गंभीर होती तो बिल लागू करने में देरी नहीं होती। सपा के संग्राम यादव ने मुख्यमंत्री के भाषण को "दोहराव" बताते हुए नई नीति की मांग की। सत्र के दौरान सपा विधायक अतुल प्रधान और राजभर के बीच तीखी नोकझोंक हुई, जिससे माहौल और गरमा गया। विधानसभा अध्यक्ष के हस्तक्षेप के बाद स्थिति सामान्य हो सकी।

सात विधेयकों को राज्यपाल की मंजूरी, सदन पटल पर दी गई जानकारी

अमृत विचार, लखनऊ : प्रदेश विधानसभा में गुरुवार को विधायी कार्यवाही के दौरान नए विधेयकों के पारित होने के साथ-साथ पूर्व सत्र में पारित महत्वपूर्ण प्रस्तावों को राज्यपाल की मंजूरी मिलने की औपचारिक जानकारी भी सदन पटल पर दी गई। सदन की कार्यसूची के क्रमांक-10 के अंतर्गत प्रमुख सचिव ने घोषणा करते हुए बताया कि विधानसभा और विधान परिषद से पूर्व में पारित कई विधेयकों को राज्यपाल की स्वीकृति मिल चुकी है और वे अब अधिनियम का रूप ले चुके हैं। इनमें उत्तर प्रदेश राज्य विश्वविद्यालय (संशोधन) विधेयक 2026, राज्य विश्वविद्यालय द्वितीय संशोधन विधेयक 2026, नगर निगम संशोधन विधेयक 2026, नगर पालिका संशोधन विधेयक 2026, विनियोग विधेयक 2026 तथा राजकोषीय उत्तरदायित्व एवं बजट प्रबंधन (संशोधन) विधेयक 2026 शामिल हैं। इन सभी को फरवरी 2026 के सत्र में विधानसभा व विधान परिषद से पारित कर राज्यपाल के पास भेजा गया था, जहां 24 फरवरी 2026 को स्वीकृति मिलने के बाद ये विधेयक कानून बन गए। सदन में दी गई इस सूचना का उद्देश्य सदस्यों को यह अवगत कराना था कि जिन विधेयकों पर पूर्व में चर्चा कर मंजूरी दी गई थी, वे अब विधिक रूप से लागू हो चुके हैं। यह प्रक्रिया विधानमंडल की औपचारिकता का महत्वपूर्ण हिस्सा मानी जाती है, जिसके तहत पारित विधेयकों की अंतिम स्थिति सदन के समक्ष रखी जाती है।

विधान परिषद में महिला आरक्षण पर गरमाई बहस, निंदा प्रस्ताव पारित

महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए सरकार प्रयासरत : केशव

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : उत्तर प्रदेश विधान परिषद में नेता सदन केशव प्रसाद मौर्य द्वारा प्रस्तुत नारी सशक्तिकरण विरोधियों के आचरण संबंधी निंदा प्रस्ताव को सदन ने ध्वनिमत से पारित कर दिया। सदन की कार्यवाही अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दी।

सभापति कुंवर मानवेन्द्र सिंह की अध्यक्षता में महिला सशक्तिकरण को लेकर गुरुवार को बुलाए गए विशेष सत्र की शुरूआत हुई। नेता सदन एवं उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने 'नारी सशक्तिकरण' विषय पर प्रस्ताव प्रस्तुत किया, जिस पर पांच घंटे की चर्चा निर्धारित की गई। साथ ही प्रमुख सचिव ने वर्ष 2026 के तेरहवें से अठारहवें अधिनियमों की घोषणा की।

चर्चा की शुरुआत करते हुए नेता सदन केशव प्रसाद मौर्य ने की और सरकार की उपलब्धियां गिनाईं। नेता सदन एवं उपमुख्यमंत्री ने जून 1995 में वीआईपी गेस्ट हाउस प्रकरण से शुरुआत की, 2013 में आरोपी तत्कालीन विधायक अरुण वर्मा गैंगरेप पीड़िता की हत्या का जिक्र किया, संदिग्ध परिस्थितियों में होने वाली मौत को लेकर तत्कालीन सपा सरकार को घेरा। बदायूं में सामूहिक दुष्कर्म कर हत्या की घटना, बुलंदशहर में ईंट-भट्टा हत्याकांड फरवरी 2014, जब महिला ने रेप का विरोध किया तो उस भट्ठे के मालिक आस मोहम्मद ने जिंदा जला दिया था, आदि की चर्चा करते हुए समाजवादियों को महिला आरक्षण बिल का विरोधी की संज्ञा दी।

शिक्षक दल के ध्रुव कुमार त्रिपाठी ने कहा कि यह विधेयक समय की मांग है और इसे लागू किया जाना चाहिए। रालोद के योगेश चौधरी ने इसे ऐतिहासिक कदम बताते हुए समर्थन किया। सुभासपा के विछे लाल राम ने महिलाओं को 50 प्रतिशत आरक्षण देने की मांग दोहराई। भाजपा की प्रज्ञा त्रिपाठी ने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि विधेयक का विरोध महिलाओं का अपमान है। भाजपा सदस्य रमा निरंजन और वंदना वर्मा ने भी महिला सशक्तिकरण में सरकारी प्रयासों को रेखांकित किया। राज्य मंत्री प्रतिभा शुक्ला ने भी विधेयक के समर्थन में विचार रखे। इसके अलावा भाजपा के भूपेंद्र चौधरी, सपा के राजेंद्र चौधरी और भाजपा के देवेंद्र प्रताप सिंह ने भी चर्चा में भाग लिया।

दूसरे पहर में जयपाल सिंह व्यस्त की अध्यक्षता में पुनः शुरू सदन की कार्यवाही के दौरान संजय कुमार निषाद, आशीष पटेल, मान सिंह यादव, विजय लक्ष्मी गौतम, हरी सिंह ढिल्लों, अशोक कटियार, अश्वनी त्यागी, संतोष सिंह, नरेन्द्र कश्यप, आकाश अग्रवाल, गोविंद नारायण शुक्ल और लालजी प्रसाद निर्मल सहित कई सदस्यों ने नारी सशक्तिकरण पर अपने विचार रखे।

लोकसभा में पारित बिल लागू हो : सपा

नेता प्रतिपक्ष लाल बिहारी यादव ने महिला विधेयक को अपूर्ण बताते हुए कहा कि प्रदेश में महिला अपराध के मामले अधिक हैं और सरकार इस मुद्दे पर गंभीर नहीं है। महिला सम्मान को "दिखावा" करार दिया। उन्होंने बिना परिसीमन के महिला आरक्षण को तत्काल लागू करने तथा पिछड़े और अल्पसंख्यक वर्ग की महिलाओं को आरक्षण में समुचित भागीदारी सुनिश्चित करने की भी मांग की। सपा सदस्य आशुतोष सिन्हा ने महिला आरक्षण विधेयक की प्रक्रिया का जिक्र करते हुए बताया कि 19 सितंबर 2023 को लोकसभा में पेश होकर 20 सितंबर को पारित, 21 सितंबर को राज्यसभा से मंजूर और 28 सितंबर को राष्ट्रपति की स्वीकृति मिलने के बाद भी अब तक इसे लागू नहीं किया गया।

निधन पर दी गई श्रद्धांजलि

कार्यवाही के दौरान पूर्व सदस्य अरुण कुमार सिंह मुन्ना और आनंद भूषण सिंह बब्बू राजा के निधन पर शोक प्रस्ताव प्रस्तुत किया गया। साथ ही पूर्व सदस्य महेन्द्र यादव और मोहसिना खलील किदवई के निधन पर सदन ने दिवंगत आत्माओं की शांति के लिए मौन रखकर श्रद्धांजलि दी।

पंकज व धर्मपाल ने देखी कार्यवाही

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: महिला आरक्षण के मुद्दे पर बुलाए गए उत्तर प्रदेश विधानसभा के विशेष सत्र के दौरान भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी और संगठन महामंत्री धर्मपाल सिंह ने राज्यपाल दीर्घा में बैठकर कार्यवाही देखी। कार्यवाही के बाद मीडिया से बातचीत में पंकज चौधरी ने विपक्ष, खासकर समाजवादी पार्टी पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि अल्पसंख्यक महिलाओं के नाम पर राजनीति कर सपा अपना "वास्तविक चेहरा" उजागर कर रही है। उन्होंने स्पष्ट कहा कि संविधान धर्म के आधार पर आरक्षण की अनुमति नहीं देता और इसकी मूल भावना समानता व न्याय पर आधारित है।

विधानसभा के विशेष सत्र के दौरान राज्यपाल दीर्घा में बैठे भाजपा नेता।

पंकज चौधरी ने आरोप लगाया कि विपक्ष महिला आरक्षण जैसे गंभीर मुद्दे का भी राजनीतिक लाभ के लिए इस्तेमाल कर रहा है, जबकि भाजपा इसे महिलाओं को निर्णय प्रक्रिया में भागीदारी देने का माध्यम मानती है। उन्होंने कहा कि हर वर्ग की महिलाओं को समान अवसर मिलना चाहिए और यही भाजपा की नीति है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' महिलाओं को राजनीतिक रूप से सशक्त बनाने की दिशा में ऐतिहासिक कदम है। यह केवल कानून नहीं, बल्कि महिलाओं के सम्मान और अधिकार सुनिश्चित करने का संकल्प है।

आयुष कॉलेजों में शुरू होगा सोवा रिग्पा पाठ्यक्रम

2500 वर्ष पुरानी चिकित्सा पद्धति की पढ़ाई को बढ़ावा देगी प्रदेश सरकार

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर उत्तर प्रदेश में आयुष चिकित्सा पद्धतियों को सशक्त बनाने की दिशा में बड़ा कदम उठाया जा रहा है। प्रदेश सरकार आयुष कॉलेजों में 2500 वर्ष पुरानी पारंपरिक चिकित्सा प्रणाली सोवा रिग्पा (अमची) और सिद्ध पद्धति के पाठ्यक्रम शुरू करने की तैयारी में है। इस पहल का उद्देश्य पारंपरिक चिकित्सा को संस्थागत पहचान देना, आधुनिक स्वास्थ्य सेवाओं के साथ समन्वय स्थापित करना और मरीजों को वैकल्पिक उपचार

विकल्प उपलब्ध कराना है।

सरकार की योजना है कि आयुर्वेद, योग, यूनानी, सिद्ध और होम्योपैथी के साथ सोवा रिग्पा को भी मुख्यधारा में शामिल किया जाए। विशेषज्ञों का मानना है कि ये पद्धतियां कैंसर, गठिया, मानसिक रोग और अन्य दीर्घकालिक बीमारियों के पूरक उपचार में प्रभावी भूमिका निभा सकती हैं। प्रमुख सचिव आयुष रंजन कुमार के अनुसार पाठ्यक्रम निर्माण, मानकों के निर्धारण और आवश्यक इंफ्रास्ट्रक्चर को विकसित करने का कार्य तेजी से किया जा रहा है। सरकार की मंजूरी मिलते ही चयनित आयुष कॉलेजों में प्रवेश प्रक्रिया शुरू कर दी जाएगी।

वाराणसी बनेगा हब

वाराणसी में सोवा रिग्पा का प्रमुख केंद्र विकसित किया जाएगा, जो शोध, प्रशिक्षण और उपचार का समेकित हब होगा।

रोजगार के अवसर

इन पाठ्यक्रमों से युवाओं को नए रोजगार मिलेंगे और ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाएं सुलभ होंगी।

क्या है सोवा रिग्पा

* तिब्बती मूल की प्राचीन चिकित्सा पद्धति
* शरीर-मन संतुलन पर आधारित
* जड़ी-बूटियों व प्राकृतिक तत्वों से उपचार

क्या है सिद्ध पद्धति

* दक्षिण भारत की प्राचीन चिकित्सा प्रणाली
* वात, पित्त, कफ संतुलन पर आधारित
* आहार व जीवनशैली पर जोर

लापरवाही | वर्ष 2023-24 से पूर्व मनरेगा में पौधरोपण के कार्य 30 फीसद से कम खर्च में फंसे

जियो टैग नहीं हो पाए 5.41 लाख कार्य

प्रशांत सक्सेना, लखनऊ

* पहले पौधों की खरीद का बना था एस्टीमेट, बाद में मिले नि:शुल्क

अमृत विचार : प्रदेश में वर्ष 2023-24 से पूर्व मनरेगा के तहत कराए गए 5,41,369 कार्यों की जियो टैगिंग नहीं हुई है। इतनी संख्या में आज भी कार्य केंद्र के नरेगा सॉफ्ट पर लंबित हैं। इनमें सबसे ज्यादा कार्य पौधरोपण के बदले नियम के पेंच में फंसे हैं। जिनमें 30 फीसद से कम खर्च हुआ है और जियो टैगिंग इससे अधिक खर्च होने पर पूर्ण होती है।

जिम्मेदार अधिकारी इस प्रगति पर चुप्पी साधे हैं। जबकि, जानकारों की मानें तो वर्ष 2023-24 से पूर्व

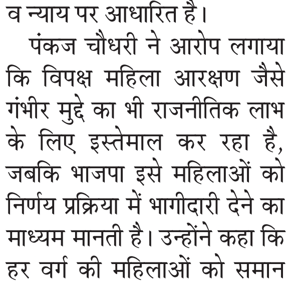

पौधरोपण अभियान के बदले नियम की वजह से पौधों की खरीद नहीं की गई। पौधे वन विभाग से निशुल्क लेकर लगाए गए। इस कारण पहले से बने एस्टीमेट के अनुसार कार्य में खर्च 30 फीसद से कम आया और द्वितीय जियो टैगिंग नहीं हो पाई। दूसरी वजह पौधरोपण के बाद मौके पर उतने पौधे नहीं मिले। इससे दो साल में अनुरक्षण कार्य में खर्च 30 फीसद से कम हुआ। कई कार्य विवाद की वजह से शुरू नहीं हो पाए या विरोध की वजह से बीच में ठप होने से मानकों के पेंच में पोर्टल पर लंबित रह गए। इस मामले पर मनरेगा मुख्यालय के ज्वाइंट कमिश्नर संजय पांडेय से संपर्क किया तो वह स्पष्ट जानकारी नहीं दे पाए।

केंद्र ने बनाई गाइडलाइन, गांव-गांव सत्यापन शुरू

दो से तीन वर्षों में स्थलों पर काफी परिवर्तन हो चुका है। यह भी कह सकते कि उतने पौधे व कार्य नहीं हैं। इस वजह से जियो टैगिंग होना मुश्किल है। ऐसी स्थिति में केंद्र ने कार्य पूर्ण करने के लिए गाइडलाइन बनाकर जारी की है। इस क्रम में गांव-गांव भौतिक सत्यापन शुरू हो गया है। सत्यापन के बाद गांव में बैठकें करके रिपोर्ट के आधार पर जियो टैगिंग करके पोर्टल पर कार्य पूर्ण किए जाएंगे।

इन वर्षों के इतने कार्य लंबित

वर्ष 2024-25 में 1,99,265

वर्ष 2025-26 में 3,29,945

मतदाता सूची में गड़बड़ी का आरोप, सौंपा ज्ञापन

अमृत विचार, लखनऊ: समाजवादी पार्टी ने मतदाता सूचियों में बड़े पैमाने पर गड़बड़ियों का आरोप लगाते हुए मुख्य निर्वाचन अधिकारी को ज्ञापन सौंपकर तत्काल सुधार की मांग की है। प्रदेश अध्यक्ष श्याम लाल पाल ने कहा कि कई विधानसभा क्षेत्रों में मृतक, डुप्लीकेट, स्थानांतरित और अपात्र मतदाताओं के नाम शामिल हैं। सपा ने रायबरेली की हरचंदपुर और बछरावां तथा झांसी की बबीना सीट का हवाला देते हुए कई बूथों पर अनियमितताओं का दावा किया। इसके अलावा बरेली-मुरादाबाद शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र में फार्म-19 जमा न होने का मुद्दा भी उठाया गया। सपा ने निर्वाचन आयोग से संबंधित अधिकारियों को निर्देश जारी कर त्वरित कार्रवाई की मांग की है।

फसल क्षति पर हजारों किसानों को मिली मदद

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

* प्रभावित किसानों को राहत देने का अभियान तेज

अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर प्रदेश में फसल क्षति से प्रभावित किसानों को राहत देने का अभियान तेज कर दिया गया है। खराब मौसम, अग्निकांड, ओलावृष्टि और अतिवृष्टि से प्रभावित किसानों को त्वरित सहायता उपलब्ध कराने के लिए प्रशासन को सक्रिय रहकर नुकसान का आकलन करने और शीघ्र भुगतान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं।

सरकारी आंकड़ों के अनुसार वर्ष 2026-27 में अग्निकांड से 8 जिलों में 111.134 हेक्टेयर फसल प्रभावित हुई, जिसमें 668 किसानों में से 51 को 1.81 लाख से अधिक की राहत दी जा चुकी है। ओलावृष्टि से सबसे अधिक नुकसान हुआ, जहां 13 जिलों में 38,369.72 हेक्टेयर फसल प्रभावित हुई। इसमें 1,07,104 किसानों में से 23,983 किसानों को 14.92 करोड़ से अधिक की सहायता वितरित की गई है। अतिवृष्टि से 9 जिलों में 1,358.678 हेक्टेयर फसल को नुकसान हुआ, जहां 3,920 किसानों में से 1,849 किसानों को 1.09 करोड़ की राहत मिली है। शेष किसानों का आकलन तेजी से किया जा रहा है और उन्हें जल्द सहायता देने की प्रक्रिया जारी है।

न्यूज ब्रीफ

अधिवक्ता को बोलेरो में डाल कर ले गई बांदा पुलिस

कानपुर देहात। सरेराह गुरुवार को अधिवक्ता को बोलेरो में डाल कर ले जाने की घटना से माती रोड इलाके में सनसनी फैल गई। बड़ी संख्या में इलाकाई लोग और अधिवक्ता मौके पर जमा हो गए। लोगों ने बोलेरो को रोकने की कोशिश की मगर वह अधिवक्ता को लेकर चली गई। बाद में पता लगा कि अधिवक्ता ताबिश शम्स के खिलाफ उनकी पत्नी ने दहेज उत्पीड़न तथा अन्य गंभीर धाराओं में मुकदमा कायम कराया था। जनवरी माह में कायम हुए मुकदमे को लेकर बांदा से आई पुलिस ताबिश को ले गई। पुलिस के सादी वर्दी में आने से ज्यादा हड़कंप रहा। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

चीनी लदा ट्रक लूटने में दोषी को सात साल की सजा

कानपुर देहात। मंगलपुर थाना क्षेत्र में करीब 13 वर्ष पूर्व ट्रक के चालक–खलासी के साथ मारपीट कर ट्रक पर लदी चीनी लूट ले जाने के मामले में कोर्ट का फैसला आ गया है। गुरुवार को एडीजे 3 की न्यायालय ने अभियुक्त को दोषसिद्ध करार दिया। उसे सात साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई। साथ ही पांच हजार का अर्थदंड भी लगाया है। घटना के संबन्ध में 2 अगस्त 2013 को मंगलपुर थाने में मुकदमा कायम कराया गया। इसमें मुरारखेड़ा थाना कोतवाली उरई जनपद जालौन के रहने वाले लला उर्फ लाला यादव पुत्र सुरेश यादव पर आरोप था कि साथियों संग मिल कर उसने चालक और खलासी के साथ मारपीट कर चीनी लूटी। जांच के बाद स्थानीय पुलिस ने 21 जनवरी 2014 को कोर्ट में आरोप पत्र दाखिल कर दिया। न्यायालय में पेश किए गए साक्ष्यों व गवाहों के बयानों के आधार पर अभियुक्त लला उर्फ लाला यादव को दोषी ठहराया गया। गुरुवार को न्यायालय ने लला उर्फ लाला यादव 7 वर्ष के कठोर कारावास की सजा व अर्थदंड से दंडित किया। अर्थदंड अदा न करने पर आरोपी को एक वर्ष का अतिरिक्त कारावास की सजा भुगतनी होगी। लला यादव के अन्य साथियों के विरुद्ध पत्रावली न्यायालय में विचाराधीन है।

पलटा ई-रिक्शा, दबकर महिला की मौत

ऑटो ने मारी थी ई-रिक्शा में टक्कर, रनिया की मड़ैया गांव के पास हुआ हादसा

कार्यालय संवाददाता,कानपुर देहात

अमृत विचारः भोगनीपुर कोतवाली क्षेत्र के रनियां की मड़ैया गांव के पास गुरुवार दोपहर एक ऑटो की टक्कर से ई-रिक्शा सवार अधेड़ महिला की मौत हो गई। मृतका की पहचान भोगनीपुर तहसील क्षेत्र के सिथरा रामपुर निवासी मीरा देवी के रूप में हुई है। घटना के बाद मृतका के परिजनों में कोहराम मच गया। सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लिया।

घटना के बारे में सिथरा निवासी विमलेश की पत्नी मंजू देवी ने बताया कि गुरुवार दोपहर वह अपने बीमार बेटे अंशू और सास मीरा देवी के साथ ई-रिक्शा में सवार होकर पुखरायां जा रहीं थी। इस बीच रनियां की मड़ैया गांव के पास पीछे से आ रहे एक ऑटो ने ई-रिक्शा को टक्कर मार दी। इससे वह अनियंत्रित होकर खाई में पलट गया। हादसे में सभी गंभीर रूप से घायल हो गए।

राहगीरों की मदद से सभी घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पुखरायां में भर्ती कराया गया, जहां मौजूद चिकित्सक ने परीक्षण उपरांत मीरा देवी को मृत घोषित कर दिया।

ट्रेन की चपेट में आकर दिव्यांग की थमीं सांसें

कानपुर देहात। भोगनीपुर कोतवाली क्षेत्र के पुखरायां कस्बे में ट्रेन की चपेट में आकर एक अधेड़ व्यक्ति की मौत हो गई। सूचना पर पहुंची रेलवे पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। घटना मंडी मोड रेलवे क्रॉसिंग के निकट हुई। मृतक की पहचान सट्टी थाना क्षेत्र के बसावनपुर गांव निवासी 45 वर्षीय महिपाल सिंह के रूप में हुई है। बताया गया कि गुरुवार दोपहर वह मंडी मोड रेलवे क्रॉसिंग के निकट खंभा नंबर 1288 के 29 से 31 के मध्य रेलवे ट्रैक पार कर रहे थे। इसी दौरान वह लखनऊ से झांसी की ओर जा रही एक्सप्रेस ट्रेन की चपेट में आ गए और उनकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही रेलवे पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा।परिजनों का रो रो कर बुरा हाल था। परिजनों के मुताबिक मृतक महिपाल सिंह दिव्यांग थे।

फंदे से लटका मिला महिला का शव

संवाददाता, रनियां

- रनियां नगर पंचायत के केशव नगर वार्ड का मामला

अमृत विचारः रनियां कस्बे में बुधवार की देर शाम एक महिला का शव घर के अंदर फांसी के फंदे से लटका मिला। जानकारी पर परिवार व आस-पड़ोस के लोगों ने उसे नीचे उतारा व जीवित होने की आस में पीएचसी रनियां ले गए। वहां डाक्टरों ने परीक्षण के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद घर में कोहराम मच गया।

सीमा सिंह सेंगर।

रनियां नगर पंचायत के केशव नगर वार्ड में रहने वाली सीमा सिंह सेंगर के पति राहुल सिंह की करीब 8 वर्ष पहले एक मार्ग दुर्घटना में मौत हो चुकी है। पति की मौत के बाद सीमा अपने सास ससुर व अपने बच्चों के साथ रहने लगी। इधर कुछ दिनों से वह मानसिक रूप से तनाव में रहने लगी। घरवालों ने कई जगह इलाज कराया लेकिन लाभ नहीं मिल पा रहा था। बुधवार की देर शाम सीमा ने घर के कमरें में छत में लगे पंखे के कुंडे में दुपट्टे के सहारे फांसी लगा ली। सास अंदर पहुंची तो बहू को लटकता देख चीख निकल पड़ी।

चीखने-चिल्लाने की आवाज सुन आस-पड़ोस के लोग मौके पर पहुंचे और जीवित होने की उम्मीद पर नीचे उतारकर पीएचसी रनियां ले गए जहां एमरजेंसी ड्यूटी पर तैनात डॉ. विशाल भसीन ने मेडिकल परीक्षण के बाद मृत घोषित कर दिया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पीएम के लिए भिजवाया। इस संबंध में थानाध्यक्ष दिनेश कुमार गौतम ने बताया कि मेमो पर शव का पीएम कराया गया है, मानसिक रूप से तनाव में फांसी लगाने की बात कही गई है।

ई–रिक्शा को टक्कर मारने के बाद खड्ड में गिरी बेकाबू कार

संवाददाता, रसूलाबाद

- हादसे में महिला घायल, कानपुर रेफर की गई

अमृत विचारः गुरुवार की दोपहर रसूलाबाद बिसधन रोड पर जगम्मनपुर धीर के समीप एक तेज रफ्तार कर अनियंत्रित होकर सड़क किनारे खड़े साइकिल रिक्शा को रौंदते हुए खड्ड में जा गिरी। इससे कर में सवार कई लोग घायल हो गए। सूचना पाकर पुलिस उन्हें सीएचसी रसूलाबाद लाई जहां एक महिला की गंभीर दशा के चलते उसे हैलट कानपुर रेफर किया गया है।

रसूलाबाद बिसधन रोड पर जगम्मनपुर धीर गांव के पास गुरुवार को एक तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर सड़क किनारे खड़े साइकिल रिक्शा को रौंदते हुए खड्ड में जा गिरी। कार सवार सभी लोग रूरा मड़ौली के दौलतपुर गांव में एक अंतिम यात्रा में शामिल होने के उपरांत अपने घर खेरवा बिसधन दिन लौट रहे थे। अनियंत्रित कार पहले सड़क किनारे खड़े साइकिल रिक्शा से टकराई और फिर नीचे गड्ढे में जा गिरी। हादसे में खेरवा बिषधन निवासी चालक रोहित 20 पुत्र राजवीर, कमला 60 पत्नी शिवपाल, ऊषा 65 पत्नी अजय पाल, सिरसा कन्नौज निवासी शिवपाल सिंह 65 पुत्र मनफूल सिंह को मामूली चोटें आईं।

खड्ड में गिरी कार। अमृत विचार

हादसे में सुषमा 45 पत्नी जयवीर निवासी खेरवा बिषधन गंभीर रूप से घायल हो गईं। स्थानीय निवासी रेशमा ने बताया कि जिस समय यह हादसा हुआ उस समय उनके बच्चे साइकिल रिक्शा पर खेल रहे थे। संयोगवश वे कुछ देर पहले ही पास की दुकान पर चले गए थे। इससे एक बड़ा हादसा टल गया। घटना की सूचना मिलते ही डायल 112 पीआरबी के चालक अखिलेश और अनिल कुमार मौके पर पहुंचे। उन्होंने घायलों को उपचार के लिए सीएचसी रसूलाबाद भेजा है। सीएचसी में डॉक्टर दिलदार हाशमी ने सुषमा की गंभीर दशा के चलते उसे हैलट कानपुर रेफर किया है।

3 को छह केंद्रों पर होगी जेई परीक्षा

कार्यालय संवाददाता,कानपुर देहात

अमृत विचारः गुरुवार को डीएम कपिल सिंह की अध्यक्षता में उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग लखनऊ द्वारा आयोजित की जा रही अवर अभियंता सिविल (जेई) परीक्षा के आयोजन के संबंध में बैठक हुई। इसमें सेक्टर मजिस्ट्रेट, स्टेटिक मजिस्ट्रेट, केंद्र व्यवस्थापक एवं सह केंद्र व्यवस्थापक सहित संबंधित अधिकारियों ने प्रतिभाग किया। परीक्षा तीन मई को होगी। इसके लिए छह परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं। परीक्षा एक पाली में सुबह 10 बजे से लेकर दोपहर 12:05 बजे तक कराई जाएगी।

कलेक्ट्रेट में जेई परीक्षा की तैयारी बैठक करते डीएम व अन्य। अमृत विचार

परीक्षा के लिए अकबरपुर इंटर कॉलेज, श्री कृष्ण औद्योगिक इंटर कॉलेज (मोहम्मदपुर), श्री रामस्वरूप ग्रामोद्योग इंटर कॉलेज (पुखरायां), आरपीएस इंटर कॉलेज (रूरा), विवेकानंद राष्ट्रीय इंटर कॉलेज (पुखरायां) एवं दयानंद ग्राम औद्योगिक इंटर कॉलेज (बाढ़ापुर) को परीक्षा केंद्र बनाया गया है। जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि सभी परीक्षा केंद्रों का पुनः भौतिक सत्यापन सुनिश्चित किया जाए तथा पेयजल, स्वच्छ शौचालय, विद्युत, पंखे एवं स्वच्छता सहित सभी मूलभूत सुविधाएं सुदृढ़ रखी जाएं, जिससे परीक्षार्थियों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। उन्होंने पुलिस विभाग को प्रत्येक केंद्र पर पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। नकल रोकने हेतु सीसीटीवी एवं वीडियोग्राफी की व्यवस्था के साथ संदिग्ध गतिविधियों पर सतत निगरानी रखने को कहा गया। परिवहन एवं यातायात व्यवस्था के संबंध में जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि परीक्षा केंद्रों के आसपास यातायात सुचारू रखा जाए तथा वाहनों की पार्किंग की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, जिससे जाम की स्थिति उत्पन्न न हो। साथ ही अभ्यर्थियों के आवागमन हेतु पर्याप्त परिवहन साधनों की उपलब्धता भी सुनिश्चित की जाए।

भाई ने फौजी की पत्नी समेत 3 पर लगाया हत्या का आरोप

कार्यालय संवाददाता,कानपुर देहात

- 28 अप्रैल को सुबह संदिग्ध हालात में मिला था फौजी का शव

अमृत विचारः थाना मंगलपुर क्षेत्र के झींझक कस्बे के सुभाष नगर में किराये के मकान में रह रहे एक सैनिक का 28 अप्रैल को संदिग्ध परिस्थितियों में शव मिला। मामले में मृतक के भाई राजेंद्र ने इसे हत्या बताते हुए फौजी की पत्नी सहित तीन लोगों पर गंभीर आरोप लगाए हैं।

दिबियापुर थाना क्षेत्र के मुरली पुरवा निवासी राजेन्द्र प्रताप सिंह ने थाना मंगलपुर में दी गई तहरीर में बताया कि उनके बड़े भाई सुवेन्द्र प्रताप सिंह 34 वर्ष आर्मी में कार्यरत थे। वह अपनी पत्नी और बच्चों के साथ झींझक के वार्ड नंबर 11 सुभाष नगर में किराए के मकान में रहते थे। वह करीब 15 दिन पहले छुट्टी पर घर आए थे। परिजनों के अनुसार, मृतक और उनकी पत्नी के बीच पैसों को लेकर अक्सर विवाद होता रहता था। बताया गया है कि मृतक ने करीब दो माह पहले फंड से लगभग 30 लाख रुपये निकाले थे और एक प्लॉट भी बेचा था। पुलिस को दी गई तहरीर में आरोप लगाया गया है कि 26-27 अप्रैल की रात को शिवेन्द्र प्रताप सिंह को चोट पहुंचाकर हत्या की गई।

घटनास्थल पर कई जगह खून के धब्बे पाए गए। साक्ष्य मिटाने की नीयत से फर्श को धोने का भी आरोप लगाया गया है। भाई ने भाभी निधि देवी, उनके भाई कुलदीप और मामा नवीन समेत अज्ञात लोगों पर हत्या में शामिल होने का शक जताया। आरोप लगाया कि पैसे गायब करने के कारण इस वारदात को अंजाम दिया गया। घटना की सूचना मृतक के साले द्वारा फोन पर दी गई, जिसके बाद परिजन मौके पर पहुंचे। पुलिस ने बताया कि तहरीर आधार पर रिपोर्ट दर्ज की गई है।

खंभे से टकराई कार पांच लोग घायल

शिवलीः शादी समारोह से वापस लौट रहे कार सवार की कार अनियंत्रित हो बिजली के खंभे से टकरा गई। इस हादसे में कार सवार पांच लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायलों को मेडिकल कॉलेज अकबरपुर भेजा है। वहां उनका उपचार चल रहा है

रूरा थाना क्षेत्र के मडौली गांव के रहने वाले कृष्ण कुमार द्विवेदी अपनी पत्नी निधि द्विवेदी, पुत्र कार्तिक व पुत्री आयुषी के साथ कार से बुधवार शाम को एक शादी समारोह में शामिल होने चकरपुर गांव गए थे। कार को मडौली गांव के ही रहने वाले रामकुमार चला रहे थे। शादी समारोह गुरुवार की भोर ढाई बजे के आस पास कार सवार वापस घर लौट रहे थे। अभी वह शिवली क्षेत्र के भुजपुरा गांव के पास ही पहुंचे थे कि तेज रफ्तार कार सड़क के किनारे लगे बिजली के पोल से टकरा गई। टक्कर लगने से कार सवार गंभीर रूप से घायल हो गए।

कार्यालय, नगर पंचायत अशरफपुर किछौछा अम्बेडकरनगर।

पत्रांक– 03/न0पं0कि0/अ0नि0सू0/2026–27 दिनांक– 30.04.2026

अल्पकालिक निविदा सूचना

समस्त फर्मो/ठेकेदारों/दुकानदारों को सूचित किया जाता है कि नगर पंचायत अशरफपुर किछौछा जनपद अम्बेडकरनगर में कायाकल्प योजनान्तर्गत जिलाधिकारी महोदय अम्बेडकरनगर की अध्यक्षता में कार्यचयन अनुमोदन समिति दिनांक 25.03.2026 को आयोजित बैठक में राज्य वित्त आयोग मद अन्तर्गत कराये जाने वाले प्रस्तावित कार्य हेतु निविदाएं आमंत्रित की जाती है। निविदाएं दिनांक 01.05.2026 से दिनांक– 21.05.2026 को समय 02:00 बजे तक आमंत्रित की जाती है तथा निविदा प्रपत्र दिनांक– 01.05.2026 से 21.05.2026 तक समय 02:00 बजे तक नगद शुल्क देकर प्राप्त किया जा सकता है। प्राप्त निविदा दिनांक– 22.05.2026 को सायं 04:00 बजे उपस्थित निविदादाताओं के समक्ष खोली जायेगी, अवकाश पड़ने की दशा में निविदा अगले कार्यदिवस में सायं 04:00 बजे उपस्थित निविदादाताओं के समक्ष खोली जायेगी। विस्तृत जानकारी किसी भी कार्यदिवस में कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है। किसी भी निविदा को बिना कारण बताये स्वीकृत/अस्वीकृत करने का अधिकार अधिशाषी अधिकारी/अध्यक्ष महोदय को होगा, तथा प्रत्येक निविदादाता के साथ धरोहर धनराशि 02 प्रतिशत नकद व राष्ट्रीय बचत पत्र/किसान विकास पत्र/एफ0डी0आर/टी0डी0आर0 जो अधिशाषी अधिकारी नगर पंचायत अशरफपुर किछौछा के नाम बन्धक हो संलग्न करना अनिवार्य होगा।

राज्य वित्त आयोग/नगर निधि:–

क्र0	कार्य का विवरण	अनुमानित लागत (रू0 लाख में)	निविदा मूल्य 18 प्रतिशत जीएसटी सहित	धरोहर धनराशि 02 प्रतिशत	कार्य समाप्ति की अवधि
1	वार्ड रसूलपुर दरगाह में प्राथमिक विद्यालय अशरफपुर किछौछा में दिव्यांग शौचालय का निर्माण कार्य।	3.15	400 +72 = 472	6300	03 माह
2	वार्ड अशरफनगर में कम्पोजिट विद्यालय में दिव्यांग शौचालय का निर्माण कार्य।	3.15	400 +72 = 472	6300	03 माह
3	वार्ड नं0 06 बसखारी पश्चिमी में कम्पोजिट उच्च प्राथमिक विद्यालय में दिव्यांग शौचालय का निर्माण कार्य।	3.15	400 +72 = 472	6300	03 माह
4	वार्ड मलिकपुर में प्राथमिक विद्यालय में दिव्यांग शौचालय का निर्माण कार्य।	3.15	400 +72 = 472	6300	03 माह

–: शर्त :–

1. किसी भी टेस्टिंग पर आने वाले खर्च का वहन ठेकेदार द्वारा किया जायेगा।
2. निविदा स्वीकृत होने की दशा में सम्बन्धित ठेकेदार को शीघ्र अतिशीघ्र अनुबन्ध कराना अनिवार्य होगा।
3. निविदा प्रपत्र के साथ अद्यतन हैसियत प्रमाण पत्र व चरित्र प्रमाण पत्र स्व प्रमाणित छायाप्रति लगाना अनिवार्य होगा।
4. निविदा स्वीकृत होने के पूर्व ठेकेदार को शासनादेश सं0–622/23–12–2012–2 आर्डर/08 टीसी दिनांक–08–08–2012 में निहित निर्देशों के अनुसार कार्य की विभागीय दरों से निविदा 01 से 10 प्रतिशत तक दर कम होने पर 0.6 प्रतिशत प्रति 01 प्रतिशत कमी पर तथा 10 प्रतिशत से अधिक दरों की कमी पर प्रति 01 प्रतिशत की कमी पर 01 प्रतिशत अतिरिक्त सिक्योरिटी / परफॉरमेंस गारण्टी धनराशि देय होगी। उक्त धनराशि अनुबन्ध के समय जमा करने की बाध्यता होगी।
5. निविदादाता का ई0पी0एफ0 में पंजीयन होना अनिवार्य होगा।
6. 100/– रूपये के स्टाम्प पेपर पर स्व–घोषणा पत्र निर्धारित प्रारूप पर संलग्न करना अनिवार्य होगा।
7. निविदा डालने से पूर्व ठेकेदार कार्य स्थल से भली–भांति परिचित हो लें।
8. ठेकेदार द्वारा कार्य स्वीकृत होने पर कार्य स्थल का पंजीयन श्रम विभाग से कराना अनिवार्य होगा।
9. निर्माण कार्यो का भुगतान धन उपलब्धता के आधार पर किया जायेगा।
10. सशर्त निविदा स्वीकार नहीं की जायेगी।

अधिशासी अधिकारी
नगर पंचायत अशरफपुर किछौछा
अम्बेडकरनगर

अध्यक्ष
नगर पंचायत अशरफपुर किछौछा
अम्बेडकरनगर

कार्यालय, नगर पंचायत अशरफपुर किछौछा अम्बेडकरनगर।

पंत्राक– 04/न0पं0कि0/अ0नि0सू0/2026–27 दिनांक– 30.04.2026

अल्पकालिक निविदा सूचना

समस्त फर्मो/ठेकेदारों/दुकानदारों को सूचित किया जाता है कि नगर पंचायत अशरफपुर किछौछा जनपद अम्बेडकरनगर में राज्य वित्त आयोग/नगर निधि मद से निम्नलिखित कार्यो हेतु निविदाएं आमंत्रित की जाती है। निविदाएं दिनांक– 01.05.2026 से दिनांक 21.05.2026 को समय 02:00 बजे तक आमंत्रित की जाती है तथा निविदा प्रपत्र दिनांक 01.05.2026 से 21.05.2026 तक समय 02:00 बजे तक नगद शुल्क देकर प्राप्त किया जा सकता है। प्राप्त निविदा दिनांक 22.05.2026 को सायं 04:00 बजे उपस्थित निविदादाताओं के समक्ष खोली जायेगी, अवकाश पड़ने की दशा में निविदा अगले कार्यदिवस में सायं 04:00 बजे उपस्थित निविदादाताओं के समक्ष खोली जायेगी। विस्तृत जानकारी किसी भी कार्यदिवस में कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है। किसी भी निविदा को बिना कारण बताये स्वीकृत / अस्वीकृत करने का अधिकार अधिशाषी अधिकारी / अध्यक्ष महोदय को होगा, तथा प्रत्येक निविदादाता के साथ धरोहर धनराशि 02 प्रतिशत नकद व राष्ट्रीय बचत पत्र / किसान विकास पत्र / एफ0डी0आर/टी0डी0आर0 जो अधिशाषी अधिकारी नगर पंचायत अशरफपुर किछौछा के नाम बन्धक हो संलग्न करना अनिवार्य होगा।

राज्य वित्त आयोग/नगर निधि:–

क्र0	कार्य का विवरण	अनुमानित लागत (रू0 लाख में)	निविदा मूल्य 18 प्रतिशत जीएसटी सहित	धरोहर धनराशि 02 प्रतिशत	कार्य समाप्ति की अवधि
1	वार्ड नं0 13 रसूलपुर दरगाह में विनोद निषाद के मकान से पूरब राजकुमार के मकान तक सी0सी0 एवं नाली निर्माण कार्य।	6.67	700 +126 = 826	13340	03 माह
2	वार्ड नं0 13 रसूलपुर में वासदेव निषाद के मकान से पूरब सज्जीराम के मकान तक सी0सी0 एवं नाली निर्माण कार्य।	7.72	800 +144 = 944	15440	03 माह
3	वार्ड नं0 04 मलिकपुर में रामनयन पाठक के 3 मकान के उत्तर दिनेश गिरि के मकान तक सी0सी0 एवं नाली निर्माण कार्य।	9.21	1000 +180 = 1180	18420	03 माह
4	वार्ड 04 मलिकपुर में दिनेश मद्धेशिया के मकान से पश्चिम एम0एल0 सेठ के आगे मथुरा प्रसाद के मकान तक सी0सी0 एवं नाली निर्माण कार्य।	9.63	1000 +180 = 1180	19260	03 माह
5	वार्ड नं0 14 में पाण्डेय मेडिकल स्टोर से उत्तर 5 सुरेश अग्रहरि के मकान तक इण्टरलाकिंग एवं नाली निर्माण कार्य।	7.09	800 +144 = 944	14180	03 माह
6	वार्ड नं0 14 में सतीष गुप्ता के मकान से पूरब अभिषेक गुप्ता के मकान होते हुए दयाराम के मकान तक इण्टरलाकिंग एवं नाली निर्माण कार्य।	7.23	800 +144 = 944	14460	03 माह
7	वार्ड नं0 14 में राधेश्याम के मकान से उत्तर 7 अशोक मद्धेशिया के मकान तक इण्टरलाकिंग एवं नाली निर्माण कार्य।	6.18	700 +126 = 826	12360	03 माह
8	वार्ड नं0 14 में तीजू कन्नौजिया के मकान से मनोज के मकान तक इण्टरलाकिंग एवं नाली निर्माण कार्य।	6.95	700 +126 = 826	13900	03 माह
9	वार्ड नं0 12 मखदूमनगर दरगाह भेड़िया में मन्दिर से उत्तर एवं पूरब इण्टरलाकिंग का कार्य।	2.29	300 +54 = 354	4580	03 माह
10	वार्ड वासुदेवनगर में जोगेन्दर के मकान से साधूराम के मकान तक इण्टरलाकिंग व नाली निर्माण कार्य।	4.54	500 +90 = 590	9080	03 माह
11	वार्ड नं0 वासदेवनगर में जगत नरायन के मकान से दक्षिण अमृतलाल के मकान तक इण्टरलाकिंग व नाली निर्माण कार्य।	7.42	800 +144 = 944	14840	03 माह
12	वार्ड नं0 वासुदेवनगर में कमलेश के मकान से उत्तर राजेन्द्र के मकान तक इण्टरलाकिंग व नाली निर्माण कार्य।	8.00	800 +144 = 944	16000	03 माह
13	वार्ड नं0 वासुदेवनगर में जोगिन्दर के मकान से बाबूराम के मकान तक इण्टरलाकिंग एवं नाली निर्माण कार्य।	4.31	500 + 90 = 590	8620	03 माह
14	वार्ड नं0 15 बसखारी मध्य में संतोष के मकान (दुर्गा मन्दिर) से दक्षिण पंकज का मकान होते हुए पूरब तरफ भोलेनाथ के मकान तक सी0सी0 व नाली निर्माण कार्य।	9.19	1000 + 180 = 1180	18380	03 माह
15	वार्ड नं0 13 रसूलपुर में राम उजागिर निषाद के मकान से वासदेव रामदास के मकान होते हुए जगदीश निषाद के मकान तक सी0सी0 का निर्माण कार्य।	7.25	800 + 144 = 944	14500	03 माह
16	वार्ड नं0 10 मखदूमनगर पश्चिमी में नियाज अहमद के मकान से उत्तर मुकेश यादव के मकान तक इण्टरलाकिंग एवं नाली निर्माण कार्य।	7.15	800 + 144 = 944	14300	03 माह
17	वार्ड नं0 06 बसखारी पश्चिमी में ब्लाक के सामने बिठ्ठलापुर मार्ग पर आशुतोष चौधरी के मकान तक 07मी0 12 अदद अक्टागोनल पोल आपूर्ति/अधिष्ठापन का कार्य।	9.58	1000 + 180 = 1180	19160	03 माह

– : शर्त : –

1. किसी भी टेस्टिंग पर आने वाले खर्च का वहन ठेकेदार द्वारा किया जायेगा।
2. निविदा स्वीकृत होने की दशा में सम्बन्धित ठेकेदार को शीघ्र अतिशीघ्र अनुबन्ध कराना अनिवार्य होगा।
3. निविदा प्रपत्र के साथ अद्यतन हैसियत प्रमाण पत्र व चरित्र प्रमाण पत्र स्व प्रमाणित छायाप्रति लगाना अनिवार्य होगा।
4. निविदा स्वीकृत होने के पूर्व ठेकेदार को शासनादेश सं0–622/23–12–2012–2 आर्डर/08 टीसी दिनांक–08–08–2012 में निहित निर्देशों के अनुसार कार्य की विभागीय दरों से निविदा 01 से 10 प्रतिशत तक दर कम होने पर 0.5 प्रतिशत प्रति 01 प्रतिशत कमी पर तथा 10 प्रतिशत से अधिक दरों की कमी पर प्रति 01 प्रतिशत की कमी पर 01 प्रतिशत अतिरिक्त सिक्योरिटी/परफॉरमेंस गारण्टी धनराशि देय होगी। उक्त धनराशि अनुबन्ध के समय जमा करने की बाध्यता होगी।
5. निविदादाता का ई0पी0एफ0 में पंजीयन होना अनिवार्य होगा।
6. 100/– रूपये के स्टाम्प पेपर पर स्व–घोषणा पत्र निर्धारित प्रारूप पर संलग्न करना अनिवार्य होगा।।
7. निविदा डालने से पूर्व ठेकेदार कार्य स्थल से भली–भांति परिचित हो लें।
8. ठेकेदार द्वारा कार्य स्वीकृत होने पर कार्य स्थल का पंजीयन श्रम विभाग से कराना अनिवार्य होगा।
9. निर्माण कार्यो का भुगतान धन उपलब्धता के आधार पर किया जायेगा।
10. सशर्त निविदा स्वीकार नहीं की जायेगी।

अधिशासी अधिकारी
नगर पंचायत अशरफपुर किछौछा
अम्बेडकरनगर

अध्यक्ष
नगर पंचायत अशरफपुर किछौछा
अम्बेडकरनगर

अनुराग हेल्थ केयर प्रा.लि.
•ICU •NICU DIALYSIS
• MODULAR OT
दूरबीन विधि से आपरेशन अब कम खर्च में
सीजीएचएस, मेडीक्लेम व आयुष्मान कार्ड मान्य
117/क्यू/702, शारदा नगर, कानपुर
9889538233, 7880306999

शहर में पहली बार ओजस्वित ने पाए 100 फीसदी नंबर

सीआईएससीई परीक्षा परिणाम में आईएससी (12 वीं) में हासिल किए सबसे अधिक अंक, बने नेशनल टॉपर

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। सीआईएससीई ने गुरुवार को परीक्षा परिणाम घोषित कर दिए हैं। परीक्षा परिणाम में शहर में एक नया रिकॉर्ड बना। इस बार दिल्ली एनसीआर की तर्ज पर शीलिंग हाउस स्कूल के आईएससी (बारहवीं) के छात्र ओजस्वित पसरीचा ने पूरे सौ फीसदी अंक हासिल किए। ओजस्वित ने सौ फीसदी अंक हासिल कर नेशनल टॉपर का भी खिताब अपने नाम किया है। आईएससी की ही छात्रा कृष्टी गुप्ता ने 99.7 फीसदी अंक हासिल किए हैं।

शीलिंग हाउस स्कूल में ओजस्वित पसरीचा का बैंड की धुन पर स्वागत किया गया। स्कूल की ओर से बताया गया कि छात्र को हासिल हुए अंक शहर में एक रिकॉर्ड है। इससे पहले सीआईएससीई की परीक्षा में इतने अंक शहर में किसी भी परीक्षार्थी के नहीं आए हैं। स्कूल की ओर से छात्र व उनके अभिभावक को स्कूल परिसर में बुलाया गया और मुंह मीठा कराया गया।

ओजस्वित का मुंह मीठा कराया गया। अमृत विचार

गणित में शोध करना चाहते हैं ओजस्वित

- ओजस्वित को इंग्लिश, कंप्यूटर, मैथ और केमेस्ट्री में सौ फीसदी अंक हासिल हुए हैं। आजाद नगर निवासी मेधावी छात्र के पिता रजरीश पसरीचा व्यापारी व मां स्मिता शीलिंग हाउस स्कूल में ही शिक्षिका हैं। छात्र अब जेईई एडवांस की तैयारी कर रहा है। छात्र का सपना मैथ में रसर्च करना है। उसने बताया कि उन्होंने सामान्य तैयारी की थी। कोई कोचिंग नहीं पढ़ी। बताया कि परीक्षा हल करते समय प्रश्न के आधार पर उत्तर लिखना बहुत जरूरी है। इसके लिए प्रश्न पूछ क्या रहा है इसे समझना होगा। उत्तर लिखते समय यह भी ख्याल रखना चाहिए कि उत्तर सिर्फ लिखा न जाए वह उत्तर पुस्तिका में दिखना भी चाहिए। इससे अंक अधिक मिलने में आसानी होती है।

पिता के साथ नित्या।

नित्या ने 99.5 फीसदी अंक पाए

शीलिंग हाउस स्कूल की आईएससी (बारहवीं) की छात्रा नित्या कुम्पावत ने 99 .5 फीसदी अंक हासिल किए हैं। जनरलगंज निवासी छात्रा ने बताया कि उनके पिता पंकज कुम्पावत सीए व मां कृति कुम्पावत भी सीए हैं। नित्या ने बताया कि दो सब्जेक्ट इंग्लिश व मैथ में सौ फीसदी अंक मिले हैं। वे भविष्य में खुद को एक अर्थशास्त्री के रूप में देखना चाहती हैं। उन्होंने कोचिंग का सहारा नहीं लिया। जो भी स्कूल में पढ़ाया जाता है उसे ही घर जाकर पढ़ती थी। इसके अलावा यूट्यूब से भी उन्होंने कुछ विषयों के लेक्चर से भी पढ़ाई की थी। उनके पास फोन जरूर है लेकिन वह सीमित ही उपयोग करती हैं।

पिता के साथ मोहम्मद अशनफ।

मेरिट के लिए फोकस रखना जरूरी

- शीलिंग हाउस स्कूल के मोहम्मद अशनफ खान ने आईएससी (बारहवीं) 99 .5 फीसदी अंक हासिल किए हैं। बेकनगंज निवासी अशनफ ने हिंदी व इन्वायरमेंटल साइंस में सौ फीसदी अंक हासिल किए हैं। उनके पिता मोहम्मद रेहान कारोबारी जबकि मां खुशनुमा खान गृहणी हैं। अशनफ ने बताया कि उन्होंने शुरुआत से ही मेरिट फोकस करते हुए तैयारी की थी। इसके लिए वे योजना बनाकर हर विषय को बराबर समय देते थे। उन्होंने बताया कि अच्छे अंक लाने के लिए पूरे साल पढ़ाई में फोकस बनाए रखना बेहद जरूरी है।

प्रतिदिन चार से पांच घंटे नियमित पढ़ाई

- किदवई नगर के आनंद बिहार ब्लॉक की निवासी अनन्या गर्ग ने आईसीएसई (10 वीं) में 99 .8 प्रतिशत अंक हासिल कर क्षेत्र का नाम रोशन किया है। उन्होंने डॉ. वीरेन्द्र स्वरूप एजुकेशन सेंटर, किदवई नगर से पढ़ाई की है। अनन्या के पिता आनंद गुप्ता व्यवसायी हैं, जबकि माता श्वेता गुप्ता गृहिणी हैं। परिजनों के अनुसार, अनन्या प्रतिदिन चार से पांच घंटे नियमित पढ़ाई करती थीं। अपनी सफलता का श्रेय उसने माता-पिता और शिक्षकों को दिया है। अनन्या जेईई एडवांस की तैयारी कर रही है और इंजीनियर बनने का लक्ष्य है।

अनन्या गर्ग।

बिना कोचिंग के यह सफलता पाई

- जूही कला बर्रा के निवासी रिशान सचान ने आईसीएसई (10 वीं) में 99 .4 प्रतिशत अंक हासिल कर अपने माता-पिता का नाम रोशन किया है। उन्होंने डॉ. वीरेन्द्र स्वरूप एजुकेशन सेंटर, किदवई नगर से पढ़ाई की है। उनके पिता आदित्य सचान सर्जन और माता श्वेता सचान चिकित्सक हैं। रिशान की मां श्वेता ने बताया रिशान स्कूल के बाद प्रतिदिन छह से सात घंटे पढ़ाई करता था और उसने बिना कोचिंग के यह सफलता पाई। उसे इंटरनेट से दूर रखा गया, केवल आवश्यक कार्यों के लिए कीपैड फोन दिया गया। रिशान ने डॉक्टर बनने का लक्ष्य रखा है। सफलता का श्रेय अपने अध्यापकों को दिया है।

रिशान सचान।

सिटी ब्रीफ

आज भगवान बुद्ध जयंती मनेगी

कानपुर। शहर में शुक्रवार यानी आज विभिन्न स्थानों व कार्यालय में भगवान बुद्ध जयंती धूमधाम से मनाई जाएगी। कुछ जगहों पर बुद्ध के अनुयायी यात्रा भी निकालते है। नगर निगम ने आदेश जारी किया है, जिसके तहत शुक्रवार को सभी गोश्त व मछली की दुकानें बंद रहेंगी।

बिजली चोरी पकड़ी

कानपुर। केस्को की विजिलेंस टीम ने तीन परिसरों में बिजली चोरी पकड़ी। केस्को मीडिया प्रभारी देवेंद्र वर्मा के मुताबिक गिरजा नगर दुर्गा मंदिर के बगल में गीता शुक्ला, परमट, सिविल लाइंस में सुमित और अभिषेक शुक्ला बिजली चोरी करते पकड़े गए, जिनके खिलाफ टीम ने बिजली चोरी की एफआईआर दर्ज कराई।

यशी सचान।

कोचिंग नहीं, सात से आठ घंटे नियमित पढ़ाई

- जरौली फेस-2 की निवासी यशी सचान ने आईएससी (12वीं) की परीक्षा में 99 .5 प्रतिशत अंक हासिल कर क्षेत्र और परिवार का नाम रोशन किया है। यशी ने द चिन्टल्स स्कूल, रतनलाल नगर से शिक्षा प्राप्त की है। उनकी माता सलोनी सचान सरकारी अध्यापिका हैं, जबकि पिता यादवेन्द्र सिंह सचान भी पूर्व में सरकारी शिक्षक रह चुके हैं। यशी ने बताया कि वह प्रतिदिन सात से आठ घंटे नियमित पढ़ाई करती थीं और 12वीं के लिए किसी कोचिंग का सहारा नहीं लिया। अपनी सफलता का श्रेय उन्होंने स्वयं की मेहनत, माता-पिता के मार्गदर्शन और शिक्षकों के सहयोग को दिया है।

कृष्टि गुप्ता।

पढ़ाई के दौरान मोबाइल फोन से दूरी

- केशव नगर निवासी कृष्टि गुप्ता ने आईएससी (12वीं) परीक्षा में 99 .75 प्रतिशत अंक प्राप्त कर शानदार सफलता हासिल की है। कृष्टि ने अपनी सफलता का श्रेय अपने माता-पिता और शिक्षकों को दिया है। कृष्टि मदर टेरेसा हायर सेकेंडरी स्कूल केशव नगर की छात्रा हैं। उनकी माता आरती गुप्ता गृहिणी हैं, जबकि पिता पवन गुप्ता व्यवसायी हैं। पिता ने बताया कृष्टि प्रतिदिन छह से सात घंटे नियमित पढ़ाई करती थीं और पढ़ाई के दौरान मोबाइल फोन से दूरी बनाए रखी। इससे पहले कृष्टि ने वर्ष 2024 में 10वीं की परीक्षा में 99 .6 प्रतिशत अंक प्राप्त किए थे। उस समय वह उत्तर प्रदेश में दूसरे स्थान पर रही थीं, जबकि कानपुर में उन्होंने प्रथम स्थान हासिल किया था। कृष्टि ने जनवरी में आयोजित जेईई मेंस परीक्षा में भी 89 प्रतिशत अंक प्राप्त किए हैं। वह आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के क्षेत्र में इंजीनियरिंग करना चाहती हैं।

श्रेयांस मिश्रा।

सिविल सेवा में जाएंगे

किदवई नगर के वाई ब्लॉक निवासी श्रेयांश मिश्रा ने सेल्फ स्टडी के बल पर 12वीं की परीक्षा में 99 .75 प्रतिशत अंक हासिल किये हैं। वे मदर टेरेसा मिशन स्कूल, किदवई नगर के छात्र हैं। पिता राजकुमार मिश्रा ऑडिटर हैं, जबकि माता प्रीति गृहिणी हैं। श्रेयांश की मां ने बताया कि वह देर रात तक पढ़ाई करता था। अपनी इस सफलता का श्रेय वह परिवार के सहयोग और अनुशासन को देते हैं। श्रेयांश का सपना आगे चलकर सिविल सेवा में जाकर देश की सेवा करना है।

मेधावी श्रेष्ठी सिंह और अनन्या गर्ग ने पाए 99.80 फीसदी नंबर

कार्यालय संवाददाता,कानपुर

अमृत विचार। सीआईएससीई परीक्षा परिणाम में आईसीएसई (10 वीं) में छात्रा श्रेष्ठी सिंह सिंह ने 99.80 फीसदी अंक हासिल किए हैं। मेधावी छात्रा अनन्या गर्ग ने भी 99.80 फीसदी अंक हासिल किए हैं। श्रेष्ठी सिंह शीलिंग हाउस स्कूल की छात्रा हैं जबकि अनन्या गर्ग डॉ. वीरेंद्र स्वरूप एजुकेशन सेंटर, किदवई नगर की छात्रा हैं। परीक्षा परिणाम में इस बार छात्राओं ने बाजी मारी है।

मेधावी छात्राओं ने बताया कि अपने लक्ष्य को लेकर निश्चित रहीं। स्कूलों में छात्राओं के साथ उनके अभिभावकों को भी बुलाकर सम्मानित किया गया। रियांश सचान डॉ. वीरेंद्र स्वरूप एजुकेशन सेंटर, किदवई नगर 99.40 फीसदी, मो. हन्नान सिद्दीकी शीलिंग हाउस स्कूल के 99.4 फीसदी व आदि अरोड़ा द चिंटल्स स्कूल ने 99.4 फीसदी अंक हासिल किए हैं। इसी तरह इशिता त्रिपाठी द चिंटल्स स्कूल ने 99.2 फीसदी व आयुष अग्रवाल शीलिंग हाउस स्कूल ने 99.2 फीसदी अंक पाए हैं। देवेश बंसल स्वराज इंडिया स्कूल ने 99.2 प्रतिशत व आर्यन अग्रवाल शीलिंग हाउस स्कूल ने 99 प्रतिशत अंक हासिल किए हैं। आरम्या बाजपेई द चिंटल्स स्कूल ने 99 प्रतिशत अंक हासिल किए हैं। अन्य मेधावी छात्र-छात्राओं में अविरल यूपी किराना सेवा समिति ने 99 प्रतिशत व इशिता बाजपेई डॉ.. वीरेंद्र स्वरूप एजुकेशन सेंटर किदवई नगर 99 प्रतिशत अंक हासिल किए हैं।

पापा ने पढ़ाया, अच्छे अंक दिलाए

छात्रा श्रेष्ठी सिंह ने 99 .80 फीसदी अंक हासिल किए हैं। तिलक नगर निवासी मेधावी छात्रा के पिता सत्येंद्र प्रताप सिंह बिजली विभाग में इंजीनियर है। छात्रा की मां प्रियंका सिंह गृहणी हैं। छात्रा ने बताया कि परीक्षा की तैयारी के लिए स्कूल की पढ़ाई काफी है। उसी पढ़ाई को घर पर बेहतर तरह से वे तैयार करती थीं। घर पर उन्हें उनके पिता पढ़ाई कराते थे। पिता की ओर से बताए गए पढ़ाई के तरीकों से बेहतर अंक लाने में सहायता मिली है। इंग्लिंग के पेपर में थोड़ा हड़बड़ा जाने की वजह से अंक 99 आए। जिसकी वजह से सौ फीसदी अंक लाने से वह रह गईं।

परीक्षा के समय पढ़ाई काम आई

शीलिंग हाउस स्कूल के मेधावी छात्र मोहम्मद हन्नान सिद्दीकी ने परीक्षा में अंत समय पर ही तैयारी की। उन्होंने बताया कि इससे उन्हें काफी लाभ मिला। हन्नान ने परीक्ष में 99 .40 फीसदी अंक हासिल किए। चमनगंज निवासी हन्नान के पिता मोहम्मद इमरान सिद्दीकी कारोबारी व मां साबिया सिद्दीकी गृहणी है। हन्नान ने यह भी बताया कि परीक्षा में बेहतर अंक प्रतिशन के लिए अंग्रेजी में बेहतर तैयारी होना जरूरी है।

बोर्ड परीक्षा का तनाव हावी नहीं होने दिया

- शीलिंग हाउस पब्लिक स्कूल के छात्र मयुख अवस्थी ने बोर्ड परीक्षा का तनाव को खुद से दूर रखा। रामबाग निवासी मयुख के पिता सुमित अवस्थी बैक कर्मचारी व मां सीमा अवस्थी गृहणी हैं। मेधावी छात्र ने बताया कि उन्होंने पूरे वर्ष स्कूल के अलावा सिर्फ दो से तीन घंटे ही पढ़ाई की है। परीक्षा की तैयारी के समय सिर्फ इतना ख्याल रखा कि पढ़ाई किसी भी दिन छूटे नहीं। कहा कि परीक्षा में डरने से तनाव होता है उससे पेपर पर असर पड़ता है। सफलता के लिए नियमित पढ़ाई बहुत आवश्यक है। साथ ही मोबाइल से दूरी रखें।

अपराध | आडिट में फर्जीवाड़ा पकड़े जाने पर कंपनी के सह-संस्थापक ने काकादेव थाने में दर्ज कराई रिपोर्ट

सिटीमाल कंपनी के खाते से डेढ़ करोड़ पार

कार्यालय संवाददाता,कानपुर

- **आरोपितों कर्मचारियों ने इन रुपयों से प्लाट,कार खरीदने के साथ ही पत्नी और प्रेमिका के खातों में लाखों जमा कर सट्टा भी खेला**

अमृत विचार। ई-कामर्स कंपनी सिटीमाल के आनलाइन गुल्लक खाते में सेंधमारी करके ओटीपी डालकर बीते छह माह में करीब 1.50 करोड़ रुपये पार करने वाले दो डिलीवरी ब्वाय को पुलिस ने गिरफ्तार किया है।

आडिट के बाद हुए हेरफेर में मामला पकड़ में आने पर कंपनी के सह-संस्थापक काकादेव थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई। जिसके बाद सर्विलांस टीम ने जांच शुरु की तो राजफाश हुआ। आरोपितों ने इन रुपयों से कानपुर देहात के माती में एक प्लाट, कार लेने के साथ ही पत्नी और प्रेमिका के खातों में लाखों रुपये डाले। इतना ही नहीं उन्होंने करीब 40 लाख रुपये का सट्टा भी खेला। पुलिस इस नेटवर्क में शामिल लोगों की तलाश में जुटी है।

डीसीपी सेंट्रल अतुल कुमार श्रीवास्तव ने प्रेसवार्ता के दौरान बताया कि ई-कामर्स कंपनी सिटीमाल के सह-संस्थापक लखनऊ निवासी वरुण रमन ने तहरीर देते हुए कहा कि कंपनी के आनलाइन गुल्लक खाते से करीब 1.50 रुपये पार हो गए हैं। इस पर कार्रवाई करते हुए सर्विलांस और साइबर टीम को लगाया गया। जिसमें पता चला कि रावतपुर गांव के विशाल कनौजिया और मथुरा नगर के राहुल कुशवाहा ने कंपनी के डिलीवरी ब्वाय के रूप में काम करते हुए कंपनी के आनलाइन गुल्लक खाते का ओटीपी हासिल किया था।

इस दौरान उन्होंने छह माह में खाते से 1.50 करोड़ रुपये पार कर दिए। यह रकम विशाल ने अपनी पत्नी ज्योति और प्रेमिका के खातों में ट्रांसफर की। ज्योति के खाते में 40 लाख, प्रेमिका के खाते में 38 लाख, कानपुर देहात के माती में एक प्लाट खरीदने के साथ ही एक कार भी खरीदी।

इतना नहीं दोनों ने इस रकम से 40 लाख रुपये का सट्टा भी खेला जो हार गए। पुलिस ने पनकी स्थित वेयरहाउस के पास से दबिश देकर दोनों को गिरफ्तार कर उनके पास से लैपटाप,टैबलेट 49 हजार रुपये कार और जेवरात भी बरामद किए है। पुलिस इसमें शामिल अन्य लोगों की तलाश भी कर रही है।

www.amritvichar.com
पर भी खबरें पढ़ें

मेधावियों ने मेहनत से बढ़ाया मान, पाया सम्मान

कानपुर। सीआईएससीई के घोषित परीक्षा परिणाम में साल भर मेहनत करने वाले मेधावियों ने शानदार अंक पाकर घर-परिवार, स्कूल और शहर का नाम रोशन किया। सफल मेधावियों ने लक्ष्य बनाकर निरंतर पढ़ाई, रिवीजन, परिजनों के सहयोग और शिक्षकों के मार्गदर्शन के अपनी सफलता का श्रेय दिया। स्कूलों में मेधावियों की सफलता पर मिठाई खिलाकर और ढोल बजाकर जश्न भी मनाया गया। मेधावियों ने भविष्य के अपने सपनों को भी साझा किया।

भव्य अरोड़ा ने 98.8 फीसदी अंक

- कानपुर। स्वराज इंडिया पब्लिक स्कूल के विद्यार्थियों ने सीआईएससीई की ओर से घोषित परिणामों में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। देवेश बंसल ने 99 .2 फीसदी ने सबसे अधिक अंक हासिल किए। अहाना गुप्ता ने 97 .2 फीसदी अंक हासिल किए। बारहवीं में भव्य अरोड़ा ने 98 .8 फीसदी अंक हासिल किए। इस दौरान विद्यालय की निदेशिका प्रेरणा मुसद्दी ने छात्रों को सम्मानित किया।

स्वराज इंडिया स्कूल के मेधावियों ने मनाया जश्न। अमृत विचार

आरजी एकेडमी के सफल छात्र-छात्राएं। अमृत विचार

छात्रों ने किया उत्कृष्ट प्रदर्शन

- **कानपुर।** आरजी एकेडमी के हर्ष साहू ने शानदार प्रदर्शन करते हुए विद्यालय में प्रथम स्थान प्राप्त किया।छात्र के अंकों में इतिहास एवं नागरिक शास्त्र में 99, अर्थशास्त्र 98 व कंप्यूटर एप्लीकेशन 97 अंक हासिल किए हैं। इसी तरह छात्र केशव प्रसाद, मन्नत विशाल, अवनीश शुक्ला, ज्योतिल गुप्ता, केशव राजपूत ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है।

छात्रों ने हासिल की सफलता

- केडीएमए वर्ल्ड के छात्र-छात्राओं ने 12वीं में वंश गौतम 97 .4 फीसदी, सारांश रस्तोगी 97 फीसदी, गिरिराज 96 .4 फीसदी अंक हासिल किए हैं। इसी तरह 10वीं में समर्थ भाटिया ने 96 .8 फीसदी, सृष्टि शुक्ला 95 .4 फीसदी, सानवी गंगवार 95 .2 फीसदी अंक हासिल किए हैं।

सौ फीसदी परिणाम रहा

- सरदार पटेल पब्लिक स्कूल जूही बर्रा का प्रदर्शन उत्कृष्ट रहा। विद्यालय में आईसीएसई व आईएससी में इस वर्ष सौ फीसदी रहा। दसवीं की छात्रा साक्षी यादव ने 87 फीसदी अंक हासिल किए। इसी तरह बारहवीं में कर्णिका ने 83 फीसदी अंक हासिल किए।

सौ फीसदी रिजल्ट

- स्वीट एंजल्स इंटरनेशनल स्कूल सनिगवां आईएससी का परिणाम सौ फीसदी रहा। आईएससी में अध्यान गुप्ता ने 97 .95 फीसदी अंक हासिल किए है। आईसीएसई में हेमंत यादव ने 91 .8 फीसदी अंक हासिल किए। चेयरमैन आलोक कुमार ने सभी को सम्मानित किया। प्रधानाचार्य शालिनी मिश्रा रहीं।

मेधावी हुए सम्मानित

- कानपुर एसजे एजुकेशन सेंटर हंसपुरम के मेधावियों ने परीक्षा में बेहतर प्रदर्शन किया है। स्कूल में दसवीं में शिरीष तिवारी ने 98 फीसदी, माहिका शुक्ला ने 95 फीसदी अंक हासिल किए हैं। इसी तरह बारहवीं में शुभ गुप्ता ने 96 फीसदी, तन्मय शुक्ला ने 94 फीसदी अंक हासिल किए हैं। इस दौरान प्राचार्य देवेश अवस्थी, अनिल कटियार, अभिषेक श्रीवास्तव, अरुणा सिंह व अमित शुक्ल ने मेधावियों को सम्मानित किया।

मेधावियों का सम्मान किया

- मदर टेरेसा मिशन हायर सेकेंड्री स्कूल का परीक्षा परिणाम शत प्रतिशत रहा। आईएससी में छात्र श्रेयांश मिश्रा ने 99 .75 फीसदी अंक हासिल किए। हितेषा पाल ने 98 .5 फीसदी, अभिषेक चतुर्वेदी को 98 .25 फीसदी अंक मिले। आईसीएसई में रुद्र प्रताप को 98 फीसदी, अनन्या तिवारी ने 97 .8 फीसदी अंक हासिल किए। प्रधानाचार्य डॉ. वीना साइलस, प्रबंधक यशराज साइलस व उपप्रधानाचार्य दीक्षा साइलस ने मेधावियों को सम्मानित किया।

गगन श्रीवास्तव के 97 फीसदी अंक

- एक्मे पब्लिक स्कूल का जारी परीक्षा परिणाम में गगन श्रीवास्तव के 97 फीसदी व अंश कटियार ने 96 फीसदी अंक आसिल किए हैं। इसी तरह मोटवानी ने 95 फीसदी अंक हासिल किए हैं। आईएससी के वैष्णवी ने 98 फीसदी वैष्णवी केसरी ने 95 फीसदी अंक हासिल किए हैं। संस्थापक एसडी मिश्र ने निदेशिका रंजना मिश्रा ने सभी मेधावियों को सम्मानित किया।

प्रत्यक्ष राठौर के 98.8 फीसदी अंक

- यूनाइटेड पब्लिक स्कूल सिविल लाइंस में दसवीं में प्रत्यक्ष राठौर ने 98 .8 फीसदी अंक, तेजश्व गुप्ता ने 98 फीसदी, शुभांशी जायसवाल ने 97 .6 फसीदी अंक हासिल किए। इसी तरह बारहवीं में दर्शिका सिह ने 95 .5 फीसदी अंक व इशी गुप्ता को 92 .25 फीसदी अंक हासिल किए।

स्कूल का बेहतर प्रदर्शन

- भगवती एजुकेशन सेंटर के परीक्षा परिणामों में बारहवीं में अपेक्षा धीमान ने 96 फीसदी व श्रुति शुक्ला ने 95 फीसदी अंक हासिल किए है। इसी तरह दसवीं में स्नेहा भारती 95 फीसदी व अंतरा यादव ने 93 फीसदी अंक हासिल किए हैं।

ह्रदेश सिंह के 96 फीसदी अंक

- डॉ बृजकिशोरी दुबे मेमोरियल विद्यालय के जारी परीक्षा परिणाम में आईसीएसई में ह्रदेश सिंह के 96 फीसदी अंक व साश्वत तिवारी ने 95 .8 फीसदी अंक हासिल किए है। इसी तरह आईएससी की अंतिमा श्रीवास्तव ने 95 फीसदी अंक हासिल किए हैं।

तन्मय मिश्रा के 97.25 फीसदी नंबर

- सेंट थॉमस स्कूल के परीक्षा परिणामों में शानदार सफलता हासिल की। इस दौरान बारहवी में तन्मय मिश्रा ने 97 .25 फीसदी व रिद्धिम शर्मा ने 97 .25 फीसदी अंक हासिल किए। इसी तरह दसवीं की छात्रा अधरिका गुप्ता ने 96 .6 व आराध्य बाजपेई ने 96 .6 फीसदी अंक हासिल किए। इस दौरान फादर थॉमस कुमार ने मेधावियों को सम्मानित किया।

मेधावी हुए सम्मानित

- मदर टेरेसा हायर सकेंडरी स्कूल केशव नगर में आईसीएसई में वंशिका शर्मा ने 97 .6 फीसदी, परिधि ओमर ने 94 .6 फीसदी अंक हासिल किए। इसी तरह आईएससी में कष्ठी गुप्ता ने 99 .75 फीसदी अंक हासिल किए हैं। देवांशी यादव ने 95 .5 फीसदी अंक हासिल किए हैं। प्रधानाचार्या रेनू सिंह, जगजीत सिंह, विनीत शुक्ला, योगेश अवस्थी, पूनम गुप्ता ने मेधावियों को सम्मानित किया।

मेधावियों को दी बधाई

- गुरु हरराय अकादमी के जारी परीक्षा परिणाम में दसवीं में आद्या मिश्रा के 97 फीसदी, सुनिश्का वर्मा को 97 फीसदी अंक मिले। 12 वीं में आराध्य जायसवाल ने 97 .25 फीसदी आदि जायसवाल ने 95 .25 फीसदी अंक हासिल किए हैं। विद्यालय में 90 फीसदी से अधिक अंक हासिल करने वाले मेधावियों की संख्या सर्वाधिक रही। प्रबंधक मनमोहन सिंह व प्रधानाचार्य मोनिका गुप्ता ने बधाई दी।

कामद का उत्कृष्ट प्रदर्शन

- कामद सन साइन स्टार एकेडमी का उत्कृष्ट प्रदर्शन रहा। विद्यालय में दसवीं के मेधावी समीर सेंगर के 95 फीसदी, हर्ष दिवाकर के 95 फीसदी अंक हासिल किए। इसी तरह बारहवी के परीक्षार्थियों ने सौ फीसदी सफलता हासिल की। इस दौरान चेयरमैन अखिलेश शुक्ल ने सभी को सम्मानित किया।

अमोद शुक्ला ने 97.4 फीसदी अंक हासिल किए

- मर्सी मेमोरियल स्कूल किदवई नगर में मेधावियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। दसवीं के विद्यार्थियों में शुभम अग्रवाल ने 98 फीसदी व अमोद शुक्ला ने 97 .4 फीसदी अंक हासिल किए। इसी तरह बारहवीं में कनक अग्रवाल ने 98 .75 फीसदी अंक हासिल किए।

मेधावियों का हुआ सम्मान

- ऑल ब्राइट ग्लोबल स्कूल जरौली के दसवीं के आराध्या द्विवेदी ने 96 फीसदी, नक्ष्य गुप्ता ने 95 फीसदी, कैश्तब बाजपेई ने 95 फीसदी अंक हासिल किए। स्कूल के प्रबंधक शिवराम सिंह, रवींद्र प्रताप सिंह व प्रधानाचार्य दिव्या मिश्रा ने मेधावियों को सम्मानित किया।

10वीं के होनहार

डॉ. वीरेन्द्र स्वरुप एजुकेशन सेंटर

अभिरती बाजपेई	इशिता बाजपेई	अध्रीका द्विवेदी	अहस्कर निगम
98%	99%	98.8%	98.8%

मर्सी मेमोरियल स्कूल, किदवई नगर

शुभ अग्रवाल	अमोघ शुक्ला	निष्ठा अवस्थी	अराध्य गुप्ता
98%	97.4%	97.2%	96.4%

गुरु हर राय एकेडमी

शनिष्का वर्मा	अध्या मिश्रा	जैनेब	देव मकिन
96.8%	96.8%	96%	96%

यूनाइटेड पब्लिक स्कूल ,सिविल लाइंस

प्रत्यक्ष राठौड़	तेजस्व गुप्ता	शुभांशी जायसवाल	रिद्मिा गुप्ता
98.8%	98%	97.6%	96.8%

स्वराज इंडिया पब्लिक स्कूल, काकादेव

देवेश बंशल	अभिराज प्रताप सिंह	स्वर्णिम गुर्जर	श्रेयांश चौहान
99.2%	98.4%	98.4%	98.0%

मदर टेरेसा मिशन हायर सेकेण्ड्री स्कूल

रुद्र प्रताप	अनन्या तिवारी	श्रेया यादव	ओशियन गुप्ता
98%	97.8%	97.6%	97%

सेन्ट एलॉयाशियस हाई स्कूल, कैंट

पुष्कर गुप्ता	अयुष्मान सिंह	अभय पाल	अनिरुद्ध चौधरी
98.2%	96.8%	96.6%	96.4%

यूपी किराना सेवा समिति, किदवई नगर

अविरल यादव	उत्कर्ष केसरवानी	कुशाग्र शुक्ला	कौस्तुभ द्विवेदी
99%	97.6%	96.4%	96%

केडीएमए वर्ल्ड, केशवपुरम

समर्थ भाटिया	सृष्टि शुक्ला	सान्वी गंगवार
96.8%	95.4%	95.2%

सनशाइन पब्लिक स्कूल ,केशवपुरम

सैयद मो. उजैर	रुद्रांश त्रिपाठी	रेनुका सिंह
98%	95%	97%

सिटी ब्रीफ

नशे के धंधे को लेकर चकेरी में फिर फायरिंग

चकेरी। काजीखेड़ा लाल बंगला में मादक पदार्थ की बिक्री के विवाद में एक बार से फिर से फायरिंग का मामला सामने आया है। इलाके के दो आरोपितो ने फायरिंग कर इलाके में दहशत फैला दी है। पुलिस ने एक पीड़ित की तहरीर पर दो आरोपितो के खिलाफ हत्या के प्रयास का मामला दर्ज किया है। इससे पहले भी उक्त स्थान में फायरिंग हो चुकी है। काजीखेड़ा लाल बंगला निवासी जितेंद्र कटियार उर्फ चानू की तहरीर के अनुसार बीती 28 अप्रैल की रात को वह खाना खाने के बाद इलाके में टहल रहे थे। तभी इलाके के साहिल उर्फ गंजू और मुन्ना ने बिना किसी बात के उनपर फायर झोंक दिया। जिसमें वह बाल बाल बच गए। क्षेत्रीय लोगों का कहना है कि इससे पहले भी ककरीब डेढ़ साल पहले इलाके में मादक पदार्थ की बिक्री को लेकर फायरिंग हुई थी। इस बार भी इसी बात को लेकर फायरिंग हुई है। थाना प्रभारी अजय प्रकाश मिश्र ने बताया कि आरोपियों की तलाश की जा रही है।

चाइनीज मांझे की चपेट में आकर छात्र का जबड़ा कटा

चकेरी। रेलबाजार के खपरा मोहाल पुल पर कोचिंग से घर लौट रहे इंटर का छात्र चाइनीज मांझे की चपेट में आ गया। छात्र के दाएं तरफ के जबड़े की खाल काट गई। आधा दर्जन से ज्यादा टांके लगे हैं। रेलबाजार के मीरपुर कैंट निवासी 17 वर्षीय रोहन इंटर का छात्र है। बीते बुधवार की शाम को रोहन अपने दोस्त के साथ साइकिल से घर लौट रहा था। तभी खपरा मोहाल पुल पर अचानक रोहन चाइनीज मांझे की चपेट में आया। जिससे उसके दाएं तरफ के जबड़े की खाल कट गई। रोहन लहुलुहान होकर सड़क पर गिर गया। उसका दोस्त राहगीरों की मदद से उसे पास के निजी अस्पताल ले गया। रोहन के करीब आधा दर्जन से ज्यादा टांके लगे हैं। वहीं सूचना पाकर अस्पताल पहुंचे परिजन उपचार के बाद रोहन को घर ले गये।

साइबर ठगी रैकेट में चार बैंकों के मैनेजर, डिप्टी मैनेजर गिरफ्तार

साइबर ठगों को म्यूल खाते उपलब्ध कराते थे, बैंक एजेंट समेत कई अन्य भी दबोचे

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। साइबर ठगों को म्यूल खाते मुहैया कराने वाले तीन युवकों समेत चार बैंकों के मैनेजर, डिप्टी मैनेजर व अन्य को बर्रा पुलिस ने अरेस्ट कर लिया है। पुलिस कमिश्नर रघुबीर लाल ने घटना का खुलासा करते हुए बताया कि गिरोह साइबर ठगी, डिजिटल अरेस्ट और फर्जी फर्म बनाकर ठगी की रकम ट्रांसफर कराते थे। अक्टूबर 2025 में नवीं मुंबई में डिजिटल अरेस्ट कर 58 करोड़ की ठगी के बाद गुजैनी निवासी शुभम के खाते में 2.5 करोड़ रुपए भेजे थे। इसी तरह देश में 17 अन्य हुए साइबर क्राइम में भी शुभम के खाते का इस्तेमाल हुआ था। बर्रा पुलिस के पास एनसीआरपी पोर्टल से अलर्ट आया था। शुभम की खाते की जांच कर उससे पूछताछ की गई तो उसने बताया कि बर्रा-7 निवासी राजवीर ने 25 लाख का लोन दिलाने के नाम पर नौबस्ता स्थित फिनो बैंक में खाता खुलवाया था। पुलिस नौबस्ता पहुंची, लेकिन फिनो बैंक की कोई जानकारी नहीं मिली। पुलिस कमिश्नर ने बताया कि खाते फ्रीज कराने की जानकारी बैंककर्मी साइबर ठगों तक पहुंचाते थे, जिसपर ठग खाते से रकम निकाल लेते थे।

पुलिस कमिश्नर ने घटना का खुलासा करते हुए बताया कि पिछले दिनों ऑनलाइन गेमिंग एप के जरिए ठगी करने वाले गिरोह का खुलासा पुलिस ने किया था, जिसमें वरुण विहार, बर्रा 8 निवासी तनिष गुप्ता का नाम प्रकाश में सामने आया था। पुलिस की जांच में सामने आया कि तनिष के संबंध संजय और राजकुमार वर्मा से हैं, जो ठगी का की रकम हवाला के जरिये व्हाइट करने का काम करते थे।

पुलिस कमिश्नर ने बताया कि कानपुर में गिरोह का सरगना बर्रा सात निवासी राजवीर सिंह यादव है, जो कि फरार है। राजवीर ठगों को म्यूल अकाउंट मुहैया कराता था, जिसमें ब्लिंकिट में डिलीवरी बॉय वरुण विहार निवासी सोनू शर्मा के खाते में 67 करोड़ का ट्रांजेक्शन किया था। सोनू का अकाउंट फर्जी सिस्को कॉमर्स इंडिया कंपनी के नाम पर रजिस्टर्ड था। सोनू के खाते में 93 लाख रुपये मिले है, जिन्हें होल्ड करा दिया गया है। पुलिस कमिश्नर ने बताया कि राजवीर को आगरा का अनचित गोयल हैंडल करता था। अनचित के ड्राइवर सतीश पांडेय के नाम आगरा के एसबीआई बैंक में राजाराम ट्रेडर्स के नाम से फर्जी फर्म रजिस्टर्ड है, उसके खाते में 53 करोड़ का ट्रांजेक्शन पाया गया है। वहीं टैटू बनाने वाले गोविंद नगर 5-ब्लॉक निवासी साहिल विश्वकर्मा के खाते में एक करोड़ का ट्रांजेक्शन मिला है। पुलिस कमिश्नर ने बताया कि चार माह में ठगों ने 125 करोड़ की ठगी की है। सोनू, सतीश व साहिल को ठगी की रकम का 10 प्रतिशत कमीशन मिलता था, उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया है।

राजवीर सिंह फिनो बैंक में फाइनेंस का काम करता था, जिस कारण वह कई बैंक कर्मियों के संपर्क में था। आवास, उद्यम सर्टिफिकेट व सरकारी योजनाओं का लाभ दिलवाने के नाम पर खाते खुलवाता था। इसके बाद खातों में आई रकम को राजवीर ट्रस्ट के खातों में और हवाला के जरिए देश के विभिन्न राज्यों में भेजता था। पुलिस कमिश्नर ने बताया कि ठगी की रकम खातों में भेजने पर ट्रस्ट रकम का 30 प्रतिशत हिस्सा लेते थे, इसके बाद 10 प्रतिशत हिस्सा राजवीर अपने साथ काम करने वालों के लिए रखता था, शेष 60 प्रतिशत रकम ठगों को दे दी जाती थी। पुलिस की जांच में कर्नाटक के अफजलपुर के जामिया इस्लामुल बन्नत ईसी ट्रस्ट का नाम सामने आया है, जिसमें डिजिटल अरेस्ट के 30 करोड़ रुपये भेजे गए थे। इसके साथ ही खातों से भारी रकम का ट्रांजेक्शन कर महाराष्ट्र, गुजरात समेत देश के विभिन्न प्रदेशों में ठगी की रकम भेजी जाती थी, जिसका 10 से 20 प्रतिशत कमीशन लिया जाता था। पुलिस को राजवीर सिंह की लोकेशन छत्तीसगढ़ के पास मिली है।

जानिए बैंककर्मी किस तरह करते थे ठगों की मदद

- पुलिस ने स्वरूप नगर स्थित सीएसबी बैंक के ब्रांच मैनेजर गुजैनी निवासी अमित कुमार, कन्नौज के एक्सिस बैंक में ऑपरेशन हेड (सीनियर मैनेजर) के रूप में कार्यरत बहराइच के आगापुर गांव, थाना जरवलरोड निवासी धर्मेंद्र सिंह, कन्नौज के एक्सिस बैंक में डिप्टी मैनेजर रसूलाबाद के गांव रतनपुर निवासी अमित सिंह, यूनिटी स्मॉल फाइनेंस बैंक में पीआर मैनेजर कल्याणपुर के साहब नगर निवासी आशीष कुमार व बैंक एजेंट वरूण विहार निवासी तनिष गुप्ता को पुलिस ने अरेस्ट कर लिया है। साइबर ठगी से संबंधित खातों की जानकारी होने पर जब पुलिस बैंकों में होल्ड एप्लीकेशन देती थी, तो पकड़े गए बैंककर्मी ठगों को जानकारी दे देते थे। जिस पर खाते होल्ड होने से पहले ठग ज्यादा से ज्यादा रकम निकाल लेते थे। पुलिस कमिश्नर ने बताया कि सीएसबी बैंक के खाते होल्ड पर लगवाने के दौरान प्रति घंटे 4 से 5 लाख की रकम निकाली गई थी। 14 दिन में 90 लाख रुपए का खाते से लेनदेन किया गया, जिसकी खाताधारक को जानकारी नही है। इसके साथ ही बैंककर्मियों की मिलीभगत से ठग फर्जी जीएसटी फर्म का रजिस्ट्रेशन करा कर करंट अकाउंट खुलवाते थे, जिससे पैसों की लेनदेन की लिमिट ज्यादा मिल सके। खाते खुलवाने के बाद एटीएम, चेकबुक, पासबुक फर्जी एड्रेस पर भेज दिया जाता था, एड्रेस पर कोई न मिलने पर पार्सल वापस आ जाता था। जिसके बाद बैंककर्मी डिलीवरी बॉय को फोन कर चेकबुक, पासबुक और एटीएम ठगों के हैंडओवर करा देते थे। ठगी से मिली रकम का 5 से 10 प्रतिशत हिस्सा बैंककर्मियों जाता था।

- चार महीने में ठगों ने 125 करोड़ की ठगी की

इन बैंकों की पाई गई संलिप्तता

- पुलिस की जांच में यूपी ग्रामीण बैंक, जम्मू-कश्मीर बैंक, सीएसबी बैंक, यूनिटी स्मॉल फाइनेंस बैंक, एक्सिस बैंक, महाराष्ट्रा ग्रामीण बैक, यूको बैंक, सिटी यूनियन बैंक की संलिप्तता सामने आई है। इसके साथ ही पकड़े गए आरोपियों के पास 24 फर्जी जीएसटी फर्म, 16 म्यूल अकाउंट, 22 फर्जी सिम कार्ड, 9 मोबाइल मिले हैं।

मेट्रो के 50 फीट गहरे गड्ढे में गिरा युवक

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। जूही थाना क्षेत्र के मिलेट्री कैम्प इलाके में टीपी नगर मेट्रो साइट पर वेंटीलेटर चैम्बर में गिरने से नौबस्ता धरीपुरवा निवासी 18 वर्षीय युवक करीब 50 फीट गहरे गड्ढे में गिर गया। शोर मचने पर पहुंची पुलिस और राहत टीम ने हाइड्रा क्रेन की मदद से कड़ी मशक्कत के बाद युवक को बाहर निकाला और अस्पताल भिजवाया। युवक के हाथ पैर में चोट आई है लेकिन हालत खतरे से बाहर बताई जा रही है।

कृष्णा।

पुलिस के अनुसार गड्ढे की लम्बाई चौड़ाई करीब 20 फीट और गहराई 50 फीट से अधिक बताई जा रही है। जिसमे चारों तरफ सीमेंटेड दीवारें बनी हैं। उपरी हिस्से से करीब 3 फिट बाउंड्री है। वेंटीलेटर चैम्बर में अचानक गिरने से युवक सीधे गहरे गड्ढे में जा गिरा। जिससे इलाके में अफरा तफरी मच गई। पुलिस और राहत टीम ने हाइड्रा क्रेन मंगाई और त्वरित रेस्क्यू से युवक को सुरक्षित बाहर निकाला। फिर एंबुलेंस से उसे अस्पताल भेजा गया। पूछताछ में पीड़ित ने बताया कि वह गड्ढे की बाउंड्री पर बैठकर सिगरेट पी रहा था। तभी संतुलन बिगड़ने से नीचे गिर गया। उसकी पहचान नौबस्ता धरीपुरवा निवासी कृष्णा पुत्र अनिल कुमार के रूप में हुई। जूही इंस्पेक्टर केके पटेल ने बताया कि युवक को सकुशल निकाल लिया गया है और हालत स्थिर है। वहीं मेट्रो जनसंपर्क अधिकारी पंचानन मिश्रा के मुताबिक इसमें मेट्रो की लापरवाही नहीं है बल्कि यह अनाधिकृत रूप से प्रवेश करने का मामला है।

चोरी करने के इरादे से घुसा था युवक

- कानपुर मेट्रो के जनसंपर्क अधिकारी पंचानन मिश्रा ने बताया कि प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, स्थानीय युवक द्वारा निर्माणाधीन स्थान पर मेट्रो संपत्ति को चोरी करने के इरादे से अनधिकृत प्रवेश किया गया था, जिस दौरान वह मेट्रो के शाफ्ट पिट में उतरने के बाद निकल नहीं पाया। उल्लेखनीय है कि इस क्षेत्र में पहले भी इस तरह की शिकायतें सामने आ चुकी हैं। मेट्रोकर्मियों ने उसे सीढ़ी से बाहर निकाला और निकट पुलिस चौकी के पुलिस कर्मी उसे साथ ले गए। मेट्रो का वहां निर्माण कार्य अंतिम चरणों में है और शाफ्ट या पिट को बंद किया जा रहा है।

उधना-मधुबनी विशेष अनारक्षित ट्रेन चलेगी

कानपुर। रेलवे प्रशासन ने यात्रियों की सुविधा के लिए उधना (गुजरात के सूरत में) से मधुबनी तक विशेष अनारक्षित ट्रेन चलाने की घोषणा की है। इस गाड़ी में स्लीपर 17 एवं पार्सल के 2 डिब्बे होंगे। गाड़ी संख्या 09151 उधना से प्रत्येक बुधवार एवं शुक्रवार को चलेगी। गाड़ी संख्या 09152 मधुबनी से प्रत्येक गुरुवार एवं शनिवार को संचालित होगी। उत्तर मध्य जोन के जनसंपर्क अधिकारी अमित सिंह ने बताया कि उधना से 1,6,8,13,15,20,22, 27 व 29 मई एवं 3,5,10,12,17,19,24 व 26 जून को चलेगी। गाड़ी संख्या 09152 मधुबनी से 2,7,14,21,23,28, 30 मई एवं 4,6,11,18,20,25 जून को संचालित होगी।

उद्यमियों की समस्याओं के लिए हर शुक्रवार को बैठक

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- डीएम ने गैर हाजिर अधिशासी अभियंता का वेतन रोका

अमृत विचार। जिला उद्योग बंधु एवं जिला व्यापार बंधु की बैठक हुई जिसमें जल निगम के अधिशासी अभियंता प्रवीण यादव बिना अनुमति अनुपस्थित रहे जिससे जिलाधिकारी ने उनका एक दिन का वेतन रोकने के निर्देश दिये। उद्यमियों की समस्याओं के समाधान के लिए प्रत्येक शुक्रवार को संबंधित विभागों के साथ बैठक करें और समस्याओं का तत्काल निस्तारण करें।

गुरुवार को सरसैया घाट स्थित नवीन सभागार में जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह की अध्यक्षता में बैठक हुई जिसमें जनपद के औद्योगिक एवं व्यापारिक क्षेत्रों से जुड़ी सड़क, बिजली, पानी, स्ट्रीट लाइट सहित अन्य महत्वपूर्ण समस्याओं की समीक्षा की गई। जिलाधिकारी ने कहा कि निवेश मित्र पोर्टल पर लंबित प्रकरणों का निस्तारण करें। आवास विकास विभाग के 03 लंबित प्रकरणों की जानकारी उपलब्ध न कराने पर संबंधित अधिकारी के विरुद्ध आवास आयुक्त को पत्र लिखने के निर्देश दिए गए। आईआईए द्वारा दादा नगर से विजय नगर मार्ग को गड्ढा मुक्त कराने की समस्या उठाई। जिलाधिकारी ने बताया कि सुप्रीम कोर्ट के आदेशानुसार जिला हाईवे टास्क फोर्स का गठन किया जा रहा है जिसके माध्यम से एनएचएआई द्वारा अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की जाएगी।

बिजली कटौती व स्मार्ट मीटर पर सपाई नाराज

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। अघोषित बिजली कटौती और स्मार्ट मीटर की गड़बड़ियों के खिलाफ सपा पदाधिकारी व कार्यकर्ता केस्को मुख्यालय पहुंचे और एमडी सैमुअल पॉल को ज्ञापन दिया। कार्यालय के बाहर नारेबाजी की।

सपा के प्रतिनिधिमंडल ने कहा कि भीषण गर्मी में बिना किसी पूर्व सूचना के लगातार बिजली कटौती की जा रही है, जिससे आम जनता परेशान है। रात भर बिजली गुल रहने से लोगों को काफी परेशानी हो रही है। नगर अध्यक्ष हाजी फजल महमूद ने कहा कि स्मार्ट मीटर तेज गति से चल रहे हैं, जिससे उपभोक्ताओं पर अत्यधिक आर्थिक बोझ पड़ रहा है। कहीं सुनवाई नहीं हो रही है। मांग है कि अघोषित बिजली कटौती पर तत्काल पूर्ण प्रतिबंध लगाया जाए और स्मार्ट मीटर की व्यवस्था को पूर्णतः बंद किया जाए। इस दौरान प्रदेश सचिव केके शुक्ला, महासचिव संजय सिंह सेंगर, वरिष्ठ उपाध्यक्ष शैलेंद्र यादव, नंदलाल जयसवाल, नरेंद्र सिंह, रजत मिश्रा, दीपक खोटे, शादाब आलम, राजेश गोंड कश्यप,कीर्ती अग्निहोत्री, सिंपल सिंह,वीरु पासवान, रजत यादव,सचिन सिंह, हरिकेश यादव,अमित मिश्रा, राजेंद्र जयसवाल,आशिष यादव,इशरत इराकी,सलाम इदरीसी रहे।

केस्को एमडी को ज्ञापन सौंपते सपा नेता। अमृत विचार

वीआईपी रोड पर रफ्तार के कहर ने ले ली बुजुर्ग की जान

कानपुर। वीआईपी रोड पर एक बार फिर तेज रफ्तार वाहन का कहर देखने को मिला। बुधवार देर रात वीआइपी रोड पर सड़क पार कर रहे 80 वर्षीय बुजुर्ग को तेज रफ्तार वाहन रौंदते हुए भाग निकला। हैलट में डाक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस घटनास्थल पर लगे सीसी फुटेज से आरोपित चालक की तलाश में जुटी है।

ग्वालटोली के खलासी लाइन जालिम सिंह का अखाड़ा निवासी 80 वर्षीय सरजू प्रसाद हजारिया एल्गिन मिल में काम करते थे। परिवार में पत्नी माया देवी हैं। उनके दो बेटे राजेश व राकेश की एक साल पहले मौत हो चुकी है। पौत्र अमन ने बताया कि बाबा सरजू प्रसाद रोज की तरह बुधवार देर रात खाना खाने के बाद टहलने के लिए निकले थे। वह वह रिवर साइड पावर हाउस (आरपीएच) चौराहे के पास पहुंचे ही थे, तभी गीनपार्क की ओर से आ रहे तेज रफ्तार वाहन ने उनको कुचल दिया और मौके से भाग निकला। ग्वालटोली थाना प्रभारी मानवेंद्र सिंह ने बताया कि घटनास्थल के आसपास लगे सीसी कैमरों के फुटेज खंगाले जा रहे हैं। रिपोर्ट दर्जकर चालक की तलाश की जा रही है।

24 घंटे में अविनाश हुए कार्यसमिति से बाहर

विशेष संवाददाता,कानपुर

- पूर्व में पार्टी विरोधी गतिविधियों के कारण दिखाया गया बाहर का रास्ता

अमृत विचार। भाजपा उत्तर जिले में नवनियुक्त 50 सदस्यों की कार्यसमिति से अविनाश शुक्ला की 24 घंटे के भीतर ही छुट्टी कर दी गई। जिला कार्यसमिति की घोषणा के बाद से कई सदस्यों की नियुक्तियां सवालों के घेरे में हैं। शिकायत है कि कुछ ऐसे लोग जगह पा गए हैं, जिनकी पार्टी में कोई खास भूमिका कभी नहीं रही। कुछ विवादित चेहरे भी हैं। कुछ ऐसे लोग भी जगह पा गए हैं, जो सिर्फ अपने राजनीतिक आकाओं के ही इर्द-गिर्द नजर आते हैं और फोटो वायरल करके भौकाल गांठते हैं। पार्टी के लिए इनका योगदान शून्य है। सालों से ठंडे पड़े लोगों को भी जगह मिलने से सवाल उठ रहे हैं।

भाजपा उत्तर जिला कार्यसमिति को लेकर सवाल यह भी उठ रहा है कि जातीय संतुलन नहीं बनाया गया है, ब्राह्मणों को ज्यादा तरजीह दी गई है। ऊपर तक शिकायत हुई कि पार्टी विरोधी गतिविधियों में लिप्त रहे अविनाश शुक्ला को सदस्य बना दिया गया है। इसी के बाद उन्हें बाहर का रास्ता दिखा दिया। पार्टी सूत्र बताते हैं कि अब कार्यसमिति की नए सिरे से समीक्षा की जा रही है। कुछ और सदस्यों की छुट्टी हो सकती है। मीडिया प्रभारी अनुराग शर्मा ने बताया कि अविनाश पूर्व में पार्टी विरोधी कार्यों में लिप्त रहे थे, इसलिए उन्हें हटाया गया है।

कुछ तो सक्रिय सदस्य ही नहीं

- चर्चा है कि कार्यसमिति में कुछ ऐसे भी चेहरे मनोनीत कर दिए गए हैं, जो सक्रिय सदस्य तक नहीं हैं। यह भी तथ्य है कि अमूमन सक्रिय सदस्यों को ही जिला कमेटी और कार्यसमिति में ओहदा दिया जाता है, लेकिन इसकी अनदेखी हुई है। नियम है कि 100 सदस्य बनाने पर कार्यकर्ता को सक्रिय सदस्य बनाया जाता है। पूर्व में कांग्रेस से जुड़े रहे और अब एक विधायक के साथ सिर्फ फोटो वायरल करके भौकाल बनाने वाले साउथ सिटी के एक सदस्य के नाम पर भी आपत्ति है जो फील्ड में कभी नहीं दिखाई देते।

बुनियादी सुविधाओं के अभाव में 500 उद्योग इकाइयों पर संकट

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- समस्याओं से जूझ रहे कानपुर के उद्योग, इंडियन इंडस्ट्रीज एसोसिएशन ने जताई चिंता

अमृत विचार। इंडियन इंडस्ट्रीज एसोसिएशन ने कानपुर के गिरते औद्योगिक परिदृश्य पर गंभीर चिंता व्यक्त करते हुए कहा है कि बुनियादी सुविधाओं के अभाव में लगभग 500 उद्योग इकाइयों पर संकट गहराता जा रहा है।

गुरुवार को इंडियन इंडस्ट्रीज एसोसिएशन (आईआईए) द्वारा "मंथन" के अंतर्गत शारदा नगर स्थित एक होटल में बैठक की जिसमें शहर के प्रमुख उद्यमियों ने सहभागिता की। संचालन संस्था के महामंत्री हर्षल अग्रवाल ने किया। अध्यक्ष श्री आरके अग्रवाल ने उद्योगों से जुड़ी समस्याओं एवं उनके समाधान के लिए संस्था द्वारा किए जा रहे प्रयासों पर प्रकाश डाला। मुख्य अतिथि अंजनीश प्रताप सिंह, उपायुक्त, जिला उद्योग एवं उद्यम प्रोत्साहन केंद्र, कानपुर ने विभिन्न औद्योगिक योजनाओं, सब्सिडी एवं प्रोत्साहन नीतियों की विस्तृत जानकारी दी। संस्था के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष सुनील वैश्य ने कानपुर के गिरते औद्योगिक परिदृश्य पर गंभीर चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि "बुनियादी सुविधाओं के अभाव में कानपुर का उद्योग लगातार पिछड़ता जा रहा है, जबकि अन्य शहर तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। उन्होंने इस्पात नगर एवं व्यापार नगर का उदाहरण देते हुए बताया कि यहां संचालित 400-500 उद्योग पिछली बरसात में जलभराव के कारण बुरी तरह प्रभावित हुए थे। 42 करोड़ रुपये की स्वीकृति मिलने के बावजूद अबतक न तो नालों का निर्माण हुआ और न ही सड़कों का। यदि बरसात से पहले कार्य पूरा नहीं हुआ, तो इन उद्योगों के बंद होने की स्थिति बन सकती है। संस्था के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष तरुण खेत्रपाल, आलोक अग्रवाल, आर.के.अग्रवाल, जय हेमराजानी, दिनेश बरासिया, मनमोहन राजपाल, विक्रांत अग्रवाल, विशाल नड्डा व विवेक निगम आदि मौजूद रहे।

राष्ट्रीय लोक अदालत 9 मई को

कानपुर : जनपद में आगामी 9 मई 2026 को आयोजित होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत की तैयारियों के संबंध में गुरुवार को महत्वपूर्ण बैठक हुई जिसकी अध्यक्षता अपर जिला जज सुभाष सिंह एवं नोडल अधिकारी राष्ट्रीय लोक अदालत रश्मि सिंह ने की। बैठक में राष्ट्रीय लोक अदालत के सफल आयोजन को लेकर विभिन्न बिंदुओं पर विस्तृत चर्चा की गई। इस दौरान मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रदीप कुमार शुक्ला एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव अभिनव तिवारी सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि फर्म M/s- VINEET KUMAR GUPTA AND ASSOCIATES, 117/143 'Q' Block, Sharda Nagar, Kanpur Nagar, U.P. 208025 का साझीदार फर्म का पंजीयन रजि0सं0-KAP/0020769 पर दिनांक 03.03.2020 में हुआ था। फर्म की भागीदारी डीड दिनांक 17.03.2020 के अनुसार फर्म में श्री अनिल तिवारी, श्री सुधीर कुमार व श्री विनीत कुमार गुप्ता साझीदार थे। संशोधित भागीदारी डीड दिनांक 27.03.2026 के अनुसार साझीदार श्री अनिल तिवारी बालिग पुत्र श्री योगेन्द्र नाथ तिवारी निवासी फ्लैट नं0 802, टावर-3, एमराल्ड गार्डन, कानपुर नगर, उ0प्र0 208002 स्वइच्छा से पृथक हो गये हैं। अब फर्म में श्री सुधीर कुमार व श्री विनीत कुमार गुप्ता साझीदार हैं। फर्म का पता अब 117/143B, 'Q' Block, Sharda Nagar, Kanpur Nagar, U.P. 208025 कर दिया गया है।

पार्टनर - सुधीर कुमार

आक्रोश — एक हजार से अधिक कर्मचारियों ने रखी अपनी बात

नगर निगम में निजीकरण के विरोध में नारेबाजी व धरना

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। नगर निगम मुख्यालय में गुरुवार को दोपहर दो बजे करीब एक हजार कर्मचारी एकत्र हुए और निजीकरण के विरोध में धरना प्रदर्शन किया और जमकर नारेबाजी की। कर्मचारियों का यह प्रदर्शन करीब तीन घंटे तक चला, जिसमे उन्होंने अपनी विभिन्न मांगों को रखा।

संघर्ष समिति के नेताओं ने कहा कि नगर निगम प्रशासन मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के आदेश की अवेहलना कर रहा है। एक तरफ मुख्यमंत्री आउटसोर्स सेवा निगम का गठन कर कर्मचारियों को लाभ देने का आदेश दे चुके है और दूसरी तरफ नगर निगम प्रशासन निजीकरण कर पांच हजार आउटसोर्स सफाई कर्मचारियों को निविदा आमंत्रित कर निजी कंपनी को सौंपने का टेंडर खोलने का मन बना चुका है। नगर आयुक्त से वार्ता का अनुरोध किया गया, लेकिन वह वार्ता के लिए आज तक नहीं तैयार हुए। 14 मई को दोबारा आम सभा की जाएगी। समस्याओं का समाधान नहीं हुआ तो 11 मई से 13 मई तक काला फीता बांधकर आम कर्मचारी विरोध करेंगे। 14 मई को आमसभा में उसी दिन से कार्य बहिष्कार का नारा दे दिया जाएगा।

निजीकरण के विरोध में नगर निगम मुख्यालय में धरना-प्रदर्शन करते कर्मचारी। अमृत विचार

- 14 मई को आमसभा में होगी कार्य बहिष्कार की घोषणा

इस दौरान जयपाल सिंह, रमाकांत मिश्र, हरिओम वाल्मीकि, विनोद रावत, धीरज गुप्ता, कमरुद्दीन,अजीत बाघमार, मुन्ना हजारिया, उस्मान अली शाह, मुकेश वाल्मीकि, पिंटू चौधरी, अखिलेश सिंह, बृजलाल भारती, मुन्ना गंगोत्री, सुधाकर मिश्रा, नीलू निगम, मुन्ना पहलवान, नरेंद्र खन्ना, रामगोपाल चौधरी, धर्मेंद्र , रमेश अंबेडकर, रामगोपाल समुद्र, पवन कौशल आदि रहे।

कार्यालय कलेक्टर/ लाइसेंस प्राधिकारी, जनपद कानपुर नगर

पत्रांक: 216/ जि0आ0अधि0/का0न0/ दैनिक व्यवस्थापन /2026-27 दिनांक: 29 अप्रैल 2026

विज्ञप्ति

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि लगातार 02 बार आफर मांगने के पश्चात् भी दैनिक आधार पर व्यवस्थापन हेतु कोई भी आफर प्राप्त नहीं हुआ है। तत्पश्चात् राजस्वहित में आबकारी नीति वर्ष 2026-27 के प्राविधानों के अनुपालन में वर्ष 2026-27 की ई-लाटरी के चतुर्थ चरण के पश्चात अव्यवस्थित देशी शराब की 45 फुटकर दुकानों, कम्पोजिट शॉप की 05 दुकानों, मॉडल शॉप की 01 दुकानों एवं भांग की 04 दुकानों को राजस्वहित में निर्धारित देयताओं पर अधिकतम 20 प्रतिशत कम पर दिनांक 01.05.2026 से 14 दिवस या नियमित व्यवस्थापन, जो पहले हो, तक के लिये दैनिक आधार पर संचालन कराया जाना है।

इच्छुक आवदेकों द्वारा वर्ष 2026-27 हेतु निर्धारित बेसिक लाइसेंस फीस / लाइसेंस फीस से अधिकतम 20 प्रतिशत क्रम देयताओं को आधार मानकर दैनिक आधार पर बेसिक लाइसेंस फीस / लाइसेंस फीस के सापेक्ष आफर प्रस्तुत किये जा सकेगें। दिनांक 01.05.2026 को समय दोपहर 12:00 बजे अपरान्ह तक आफर बन्द लिफाफे में कार्यालय जिला आबकारी अधिकारी कानपुर नगर मे जमा किये जायेगें तथा प्राप्त आफर आवेदकों के समक्ष दिनांक 01.05.2026 को समय दोपहर 12:30 बजे जिला आबकारी अधिकारी कानपुर नगर द्वारा कार्यालय जिला आबकारी अधिकारी कानपुर नगर में खोले जायेंगे। सर्वोच्च आफर दाता के पक्ष में दैनिक लाइसेंस फीस के भुगतान एवं 14 दिन के निर्धारित एम0जी0क्यू0 पर दुकान उक्त अवधि या नियमित व्यस्थापन होने तक (जो पहले हो) के लिये दैनिक आधार पर व्यवस्थित की जायेगी। निर्धारित तिथि तक/ई-लाटरी के चतुर्थ चरण के पश्चात् किसी दुकान पर आवेदन प्राप्त न होने की स्थिति में अगले कार्य दिवस से उक्त निर्धारित देयताओं के सापेक्ष दैनिक आधार पर दुकान संचालन हेतु विज्ञापन प्रकाशन की तिथि से अगले 14 दिवसों तक समय अपरान्ह 12:00 बजे तक आवेदन किया जा सकेगा। विस्तृत जानकारी कार्यालय जिला आबकारी अधिकारी / सम्बन्धित क्षेत्रीय आबकारी निरीक्षक से प्राप्त की जा सकेगी।

नोट:- ऑफर के साथ दुकान की आवेदित बेसिक लाइसेंस फीस का 10 प्रतिशत धनराशि के बराबर धरोहर धनराशि का बैंक ड्राफ्ट एवं ऑफर चयन की स्थिति में नियमानुसार आगणित बेसिक लाइसेंस फीस/लाइसेंस फीस का नियमानुसार प्रतिभूति धनराशि (न्यूनतम रू0 5000/-) जमा करना अनिवार्य होगा। इस सम्बन्ध में अन्य विवरण / सूचना कार्यालय जिला आबकारी अधिकारी, कानपुर नगर से प्राप्त की जा सकती है।

(राजेश सिंह)
जिला आबकारी अधिकारी
कानपुर नगर

(जितेन्द्र प्रताप सिंह)
कलेक्टर / लाइसेंस प्राधिकारी
कानपुर नगर

सिटी ब्रीफ

अनुभव को मिठाई खिलाते परिवारीजन।

अनुभव ने बढ़ाया विद्यालय और परिवार का मान

चौबेपुर। गुरुवार को घोषित हुए आईसीएसई हाई स्कूल परीक्षा परिणाम में क्षेत्र के सरायं छीतम गांव निवासी पूर्व प्रधान नरेंद्र शुक्ला के बेटे अनुभव शुक्ला ने 95 फ़ीसदी अंक अर्जित कर अपने विद्यालय व परिवार का नाम रोशन किया है। वेंडी स्कूल नारामऊ का छात्र अनुभव अपनी इस सफलता का श्रेय विद्यालय के शिक्षकों व माता-पिता को देते हैं। अनुभव ने बताया कि वह आगे चलकर इंजीनियर बनना चाहते हैं। विद्यालय के शिक्षकों व परिवारीजनों ने बधाई देकर उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

सेवानिवृत्ति पर एडीओ पंचायत को दी विदाई

बिल्हौर। विकास खण्ड ककवन में तैनात सहायक विकास अधिकारी (पंचायत) राकेश दीक्षित के सेवानिवृत्त होने पर गुरुवार को ब्लॉक परिसर में भावपूर्ण विदाई दी गई। अधिकारियों और कर्मचारियों ने उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। इस दौरान मुख्य रूप से उपस्थित ककवन ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि विनय यादव ने एडीओ पंचायत को माल्यार्पण कर और स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। इसके पश्चात ब्लॉक के समस्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने स्मृति चिह्न भेंट किया। विनय यादव ने कहा कि उन्होंने ईमानदारी और समर्पण के साथ अपना काम किया। वहीं, ग्राम विकास अधिकारी राजकिशोर यादव ने उन्हें एक सच्चा पथप्रदर्शक बताया। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित वक्ताओं ने दीक्षित के सरल, सौम्य और सहयोगी स्वभाव की सराहना की। सचिव बाबू सिंह, जगभान सिंह, केबी सिंह समेत कई सहयोगियों ने उनके साथ बिताए गए अनुभवों को साझा किया और उनके योगदान को अविस्मरणीय बताया। इस अवसर पर मुख्य रूप से शिवश्याम, आशुतोष यादव, निशांत वर्मा, अनूप, मीनाक्षी, रामलखन, सज्जन सहित ब्लॉक का समस्त स्टाफ और गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। अंत में राकेश दीक्षित ने सभी का आभार व्यक्त किया।

सूबेदारगंज से खातीपुरा के लिए 3 मई से विशेष ट्रेन

कानपुर। रेल प्रशासन ने सूबेदारगंज से खातीपुरा के मध्य ग्रीष्मकाल विशेष गाड़ी का संचालन करने की घोषणा की है। उत्तर मध्य जोन के जनसंपर्क अधिकारी अमित सिंह ने बताया कि सूबेदारगंज से 04129 प्रत्येक रविवार, मंगलवार, शुक्रवार को 3 मई से 7 जून तक चलेगी। इसी प्रकार खातीपुरा से गाड़ी संख्या 04130, प्रत्येक सोमवार, बुधवार, शनिवार को 4 मई से 8 जून तक चलेगी। गाड़ी संख्या 04129 सूबेदारगंज से रात 9 बजे रवाना होगी। गोविंदपुरी रात 00 .10 बजे, इटावा रात 2 बजे, टूंडला भोर 4 बजे, ईदगाह आगरा भोर 4 .55 बजे, भरतपुर प्रातः 6 बजे, खातीपुरा प्रातः 9 .40 बजे पहुंचेगी। गाड़ी संख्या 04130 खातीपुरा से सायं 6 .30 बजे रवाना होगी। गोविंदपुरी प्रातः 7 .10 बजे सूबेदारगंज पूवार्ह्न 11 बजे पहुंचेगी।

साबरमती-गोविंदपुरी हावड़ा विशेष ट्रेन आज

कानपुर। रेल प्रशासन द्वारा यात्रियों को सुविधा प्रदान कराने के लिए ग्रीष्मकालीन एकतरफा विशेष ट्रेन चलाने की घोषणा की है। ये ट्रेन 1 मई को साबरमती से चलेगी और गोविंदपुरी (कानपुर): होते हुए हावड़ा तक जाएगी। गाड़ी संख्या 09403 साबरमती से सायं 6 बजे रवाना होगी। अजमेर रात 1.55 बजे, जयपुर भोर 4 .20 बजे, भरतपुर प्रातः 7 .50 बजे, ईदगाह आगरा प्रातः 9 .30 बजे, टूंडला 10 .50 बजे, इटावा दोपहर 12 .05 बजे, गोविंदपुरी दोपहर 2 .10 बजे पहुंचेगी।

नगर आयुक्त ने किया निरीक्षण

कानपुर। नगर आयुक्त अर्पित उपाध्याय ने वीआईपी रोड से लाल बंगला और जेके-1 से जलसा गेस्ट हाउस तक सीएम ग्रिड फेज-2 में बन रही सड़क का निरीक्षण किया। इस 2.6 किलोमीटर लंबी सड़क का निर्माण गंगा इन्फ्राटेक प्रा .लि . द्वारा किया जा रहा है। सड़क पर सात मीटर चौड़ी व्हाइट टॉपिंग रोड बनाने का प्रावधान है। नगर आयुक्त को सड़क में कुल 5200 मीटर के सापेक्ष तीन किलोमीटर वाटर लाइन, सीवर लाइन, स्टार्म वॉटर, ड्रेनेज पाइप सातवें का कार्य पूरा मिला।

ट्रांसगंगा सिटी पुल:इसी माह पूरी होगी टेंडर प्रक्रिया

कंपनी अप्रोच रोड व फुटपाथ बनाने संग दो वर्ष तक करेगी रखरखाव

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

4.2 किमी लंबा होगा वाई आकार का पुल

03 वर्ष निर्माण कार्य पूरा करने की समय सीमा

420 मीटर लंबी बनेगी पुल के लिए अप्रोच रोड

02 सप्ताह में पूरी कर ली जाएगी टेंडर प्रक्रिया

644.14 करोड़ रुपये परियोजना की कुल लागत

- भैरोघाट और धोबीघाट के पास चिह्नित स्थलों से नगर निगम जल्दी ही शुरू करेगा अतिक्रमण हटाने का काम

अमृत विचार। गंगा बैराज मार्ग पर स्थित ट्रांसगंगा सिटी को शहर से जोड़ने के लिए गंगा नदी पर फोरलेन पुल निर्माण का काम जल्दी ही धरातल पर उतारने की तैयारी पूरी होती दिख रही है। उप्र राज्य सेतु निगम ने 29 अप्रैल तक टेंडर मांगे थे। अब अगले दो हफ्तों टेंडर प्रक्रिया पूरी करके इसी माह के अंत तक पुल का निर्माण करने वाली कंपनी फाइनल कर दी जाएगी। पूरी परियोजना की लागत 644.14 करोड़ रुपये है, जिसे तीन वर्ष में पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। ठेकेदार कंपनी अप्रोच रोड और फुटपाथ बनाने के साथ निर्माण कार्य पूरा होने के बाद अगले दो वर्ष तक पुल का रखरखाव भी करेगी।

वीआईपी रोड से ट्रांस गंगा सिटी को जोड़ने वाला वाई आकार का फोरलेन पुल 4.2 किमी लंबा होगा। इसमें दो लेन पुल ट्रांसगंगा सिटी से जलकल कैंपस तथा दो लेन का समानांतर पुल ट्रांसगंगा सिटी से भैरोघाट तक बनाया जाना है। सेतु निगम ने नगर निगम से भैरोघाट और जलकल कैंपस (धोबीघाट) पर भूमि जल्दी उपलब्ध कराने को कहा है, ताकि टेंडर प्रक्रिया फाइनल होने के बाद निर्माण कार्य शुरू कराया जा सके। इन दोनों घाटों पर जमीन के साथ आवासों का भी अधिग्रहण किया जाना है। सेतु निगम ने नगर निगम से परियोजना के लिए चिह्नित स्थलों से अतिक्रमण और निर्माण हटाने को भी कहा है। यहां फोरलेन पुल के लिए करीब 420 मीटर लंबी अप्रोच रोड बनायी जानी है।इस पुल का निर्माण कार्य पूरा होने से शहर में ट्रैफिक का दबाव कम होगा और ट्रांसगंगा सिटी के लिए आसान आवागमन उपलब्ध हो जाएगा। इसके साथ ही शहर से लखनऊ जाने वालों को भी अतिरिक्त मार्ग की सुविधा मिलेगी। इस पुल के निर्माण के लिए बीते दस साल से कवायद की जा रही थी। पहले इसे सरसैयाघाट से बनाने की योजना थी। दो माह पहले प्रदेश सरकार ने कैबिनेट बैठक में वीआईपी रोड से कनेक्टिविटी देने के लिए रानीघाट और धोबीघाट होते हुए पुल की डिजाइन के साथ बजट की मंजूरी प्रदान की थी। योजना के मुताबिक पुल निर्माण के लिए रानीघाट पंपिंग स्टेशन के पास स्थित 33 आवासों को स्थानांतरित किया जाएगा।

अतिकुपोषित बच्चों को बाल संजीवनी मिलेगी

कार्यालय संवादाता, कानपुर

- गर्भवती को आटा और बेसन से बनी बर्फी दी जाएगी

अमृत विचार। मई से आंगनबाड़ी केंद्रों में कच्चा राशन की जगह रेसिपी आधारित अनुपूरक पुष्टाहार मिलने लग जाएगा। अप्रैल से नई व्यवस्था लागू हुई है। उत्तर प्रदेश ऐसा करने वाला देश का पहला राज्य बन गया है। जहां रेडी टू ईट पुष्टाहार मिल रहा है। मार्च में बांटा गया पुष्टाहार कच्चा राशन था जोकि बंद हो गया है। रेडी टू ईट रेसिपी बच्चों के साथ गर्भवती और धात्री महिलाओं को भी दिया जाएगा। अनुपूरक पुष्टाहार फेस रिकग्निशन सिस्टम के तहत दिया जाना है। अब पोषाहार का ऑफलाइन वितरण अमान्य कर दिया गया है। नैफेड के जरिए आंगनबाड़ी केंद्रों तक आपूर्ति की जाएगी। सरकार ने अलग अलग आयु वर्ग के बच्चों और महिलाओं के लिए अलग भोजन तय किया है। अतिकुपोषित बच्चों को पौष्टिक आहार दिया जाएगा। इसमें 06 माह से 01 वर्ष तक के बच्चों को पौष्टिक हलवा को आरोग्य पोषण नाम से दिया जाएगा, 01 से 03 वर्ष तक के बच्चों को पौष्टिक हलवा जिसका नाम बाल संजीवनी है दिया जाना है। वहीं, 03 से 06 वर्ष तक के बच्चों को पौष्टिक हलवा व पौष्टिक दलिया दिया जाएगा।

गर्भवती व धात्रियों को मिलेगा मातृ सम्पूर्ण आहार

- नई व्यवस्था के तहत गर्भवती व धात्री महिलाओं को आटा और बेसन से बनी बर्फी दी जाएगी। जो मिठाई के प्रकार की ही होगी। इसी के साथ इन्हें दलिया-मूंग दाल की खिचड़ी (नमकीन में) दी जाएगी। इसी भोजन को मातृ सम्पूर्ण आहार नाम दिया गया है। 6 माह से 1 वर्ष तक के बच्चों को आटा बेसन का मीठा हलवा जो शिशु अमृत के रूप में दिया जाएगा। 01 से 03 वर्ष तक के बच्चे को भी आटा बेसन का मीठा हलवा शिशु आहार के रूप में दिया जाएगा। वहीं, 03 से 06 वर्ष तक के बच्चों को बाल पुष्टिकर के रूप में आटा बेसन का मीठी बर्फी, दलिया-मूंग-सोया की खिचड़ी दी जाएगी।

कच्चे राशन की जगह नैफेड से लाभार्थियों को रेडी टू ईट रेसीपी दी जाएगी। अप्रैल से ही वितरण होना था लेकिन मई से वितरण शुरू कराया जाना है।

-प्रीति सिन्हा, डीपीओ

रिसर्च को बढ़ावा देने के लिए लांच किया नया सिस्टम

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। प्रदेश सरकार ने यूपी प्रोमोट फार्मा काउंसिल के तहत उप्र इंट्रीग्रेटेड मेडिकल रिसर्च एप्लिकेशन सिस्टम लांच किया है, जिसमे सभी सरकारी व निजी मेडिकल कालेज को रजिस्टर करना अनिवार्य है। इस संबंध में लखनऊ के एसजीपीजीआईएमएस के सभागार में यूपी श्रुति (आईएमआरएएस) वर्कशॉप हुई, जिसमे जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज के डॉक्टर भी शामिल हुए।

जीएसवीएम प्राचार्य प्रो.संजय काला ने बताया कि इसका उद्देश्य पोर्टल पर प्रिंसिपल इंवेस्टीगेटर्स, जिसमे जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज के 171 डाक्टर है, उनको अपना प्रोफाइल और जो रिसर्च कार्य पब्लिश आदि किये जा रहे हैं, उनको अपलोड करना है। साथ ही इंस्टीट्यूशनल एथिकल कमेटी की डिटेल्स भी अपलोड करना हैं। कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य सभी प्रदेश के मेडिकल कालेजों को एक प्लेटफार्म पर ला कर समय-समय पर विभिन्न रिसर्च के लिए सरकार द्वारा बनाई गयी गाइड लाइन के तहत डेवलप करना है, ताकि सारे प्रदेश के मेडिकल कालेज एक ही मानकीकृत प्रकार से रिसर्च कर सके। नई दवाईयों, उपकरणों व तकनीकी से सम्बन्धित शोध को बढ़ावा मिले और मेडिकल के क्षेत्र को शोध को बढ़ावा मिले।

आयकर संशोधनों के बारे में बताया

कार्यालय संवादाता, कानपुर

चार्टर्ड अकाउंटेंट स्टडी सर्कल बैठक का उद्घाटन करते अतिथि। अमृत विचार

अमृत विचार। द इंस्टीट्यूट आफ चार्टर्ड अकाउंटेंट आफ इंडिया की सेंट्रल इंडिया रीजनल काउंसिल (सीआईआरसी) के अंतर्गत केकास सीपीई स्टडी सर्कल की पहली बैठक में आयकर संशोधनों के बारे में बताया गया। बैठक खलासी लाइन स्थित हरिहर नाथ शास्त्री स्मारक भवन में हुई। चार्टर्ड अकाउंटेंट्स व व्यापारियों ने हिस्सा लिया।

कार्यक्रम का मुख्य विषय आयकर अधिनियम, 2025 एवं 1961 के अंतर्गत पेनल्टी एवं अभियोजन रहा। सीए राजीव मेहरोत्रा ने हालिया संशोधनों, पेनल्टी प्रावधानों और अभियोजन प्रक्रिया की जटिलताओं के बारे में बताया। दूसरे सत्र में कंपनी सेक्रेटरी आदेश टंडन ने सीसीएफएस योजना पर बताया कि इस योजना के तहत विलंबित फाइलिंग पर लगने वाला शुल्क 10 फीसदी कम कर दिया गया है। कहा कि पहले 73,000 की पेनाल्टी जो अब घटाकर 7,300 कर दी गई है। इसी के साथ फाइलिंग करने पर कंपनियों को कानूनी कार्रवाई से पूर्ण छूट (इम्युनिटी) मिलेगी। यह योजना 15 अप्रैल से 15 जुलाई तक लागू रहेगी। तीसरे सत्र में सीए अजीत पांडिया ने लाइफ इन क्वेस्ट ऑफ हैप्पीनेस पर बात करते हुए कहा कि व्यापारियों व सीए को जीवन में संतुलन और मानसिक शांति बनाए रखनी चाहिए। कार्यक्रम में रीजनल चेयरमैन सीए अंकुर गोयल, सीए सुधींद्र जैन, सीए दीप कुमार मिश्रा, सीए राहुल चंद्रा, सीए शाश्वत गुप्ता आदि रहे।

12वीं के होनहार

- आद्या सेंगर 97% सनशाइन पब्लिक स्कूल, केशव नगर
- प्रियांशु गुप्ता 95% सनशाइन पब्लिक स्कूल, केशव नगर
- वैष्णवी कन्गना सोनकर 95% कैम्ब्रिज हाईस्कूल, सिविल लाइंस
- दर्शिका सिंह 95.5 यूनाईटेड पब्लिक स्कूल
- इशी गुप्ता 92.25% यूनाईटेड पब्लिक स्कूल
- सौम्या गुप्ता 94.5% यूनाईटेड पब्लिक स्कूल
- लक्ष्य गुप्ता 93.25% यूनाईटेड पब्लिक स्कूल

- आदित्य भाटिया 91% भगवंती एजुकेशन सेंटर
- अपेक्षा धीमान 96% भगवंती एजुकेशन सेंटर
- आयुष कुमार शाक्य 95% भगवंती एजुकेशन सेंटर
- श्रुति शुक्ला 95% भगवंती एजुकेशन सेंटर
- योगेश चौबे 97% कामद साइनिंग स्टार एकेडमी
- भुनेश राव 94% कामद साइनिंग स्टार एकेडमी
- कनक अग्रवाल 98.75% मर्सी मेमोरियल स्कूल

- आर्यन साहू 98.8% शिवा जी ग्लोबल अकादमी
- आयुष साहू 98.6% शिवा जी ग्लोबल अकादमी
- दिव्या यादव 92.2% शिवा जी ग्लोबल अकादमी
- दिव्यांशी पाण्डेय 94.5% गुरु हरराय अकादमी
- अनुष्का चतुर्वेदी 93.75% गुरु हरराय अकादमी
- अरनव द्विवेदी 98.25% मर्सी मेमोरियल स्कूल
- अमोल गुप्ता 96.75% मर्सी मेमोरियल स्कूल

10वीं के मेधावी

- अनिकेत दुबे 93.8% द चिन्टल्स स्कूल रतनलाल नगर
- इशिका गुप्ता 96% यूपी किराना सेवा समिति, किदवई नगर
- हृदयेश सिंह 96% डॉ. बृज किशोरी दुबे मेमोरियल विद्यालय
- अगमान गुप्ता 91.75% शिवा जी ग्लोबल एकेडमी घाटमपुर
- समीक्षा कटियार 91.75% शिवा जी ग्लोबल एकेडमी घाटमपुर
- अभिरती बाजपेई 98% वीरेन्द्र स्वरूप किदवई नगर
- हर्ष दिवाकर 95% कामद शाइनिंग स्टार्स एकेडमी, विश्व बैंक बर्रा

12वीं के मेधावी

डॉ. वीरेन्द्र स्वरूप एजुकेशन सेंटर

- कृष तयाल 99%
- मौलिक मित्तल 98.75%
- सानिध्या शुक्ला 98.5%
- कनिष्का सिंह 98.25%

स्वराज इंडिया पब्लिक स्कूल, काकादेव

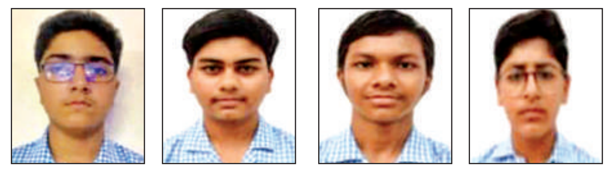

- भावी अरोड़ा 97.8%
- यश निगम 97.0%
- यशवर्धन कुशवाहा 97.0%
- देवांग मेहरा 96.8%

सेंट थॉमस स्कूल, किदवई नगर

- अपूर्व राय 96.25%
- रीद्दिम शर्मा 97.25%
- तन्मय मिश्रा 97.25%
- इफरा शमीम 95.25%

मदर टेरेसा मिशन हायर सेकेण्डरी स्कूल, किदवई नगर

- हितेश पाल 98.5%
- अभिषेक चतुर्वेदी 98.25%
- आस्था उत्तम 98.25%
- प्राची वर्मा 98.25%

सेंट एलॉयाशियस, कैंट

- प्रियांश कमार 97.75%
- केशव शर्मा 97.75%
- ओम चतुर्वेदी 96.25%
- बसर खान 95.50%

यूपी किराना सेवा समिति विद्यालय, किदवई नगर

- कृष्णा मिश्रा 96.75%
- श्लोक चौखानी 96.5%
- सौम्या गुप्ता 95.75%
- स्वास्तिक मिश्रा 95.5%

सीवी रमन इंटरनेशनल स्कूल, पनकी

- सक्षम सिंह 96.5 %
- काजल पाल 94%
- कामाख्या पाल 93.25%

केडीएमए वर्ड स्कूल, केशव नगर

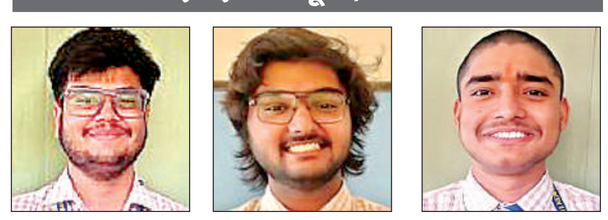

- वंश गौतम 97.4 %
- सारांश रस्तोगी 97%
- गिरीराज 96.4%

अमृत विचार
क्लासीफाइड
विज्ञापन हेतु अमृत विचार कार्यालय में सम्पर्क करें

NOTICE

Lila vati mother of No 6499053-X Rank, L/NK CHEFCOM Ravi shanker unit 5003ASCBN C/O 99APO PERMANENT Residence village Aliyapur Post office maitha distrct kanpur dehat utter pradesh 208001 Declaredthat in my sons Army record my name is mantion as Lila wati but my correct name is Lila vati.

NOTICE

RAM SANEHI FATHER OF NO 6499053-X LINK Chefcom Ravi shanker unit 5003ASCBN C/O 99APO Permanent residence village Aliyapur, Post office maitha Distrct kanpur dehat utter pradesh 208001 Declared that my sons Army record my name is mantion as RAM SENEHI BUT MY CORRECT NAME IS RAM SANEHI.

सूचना

मेरा बीटीसी 4th सेमेस्टर 2018 साल का अंकपत्र जिसका अनुक्रमांक नंबर 181200393 है। वास्तव में कही खो गया है। **चर्चिल गुप्ता पत्नी विकास गुप्ता निवासी-स्टेट बैंक के पीछे किशोर गंज -बिधूना, औरैया।**

सूचना

मेरे पुत्र के जन्म प्रमाण-पत्र में त्रुटिवश उसका नाम आरव सिंह (AARAV SINGH) अंकित हो गया, जबकि उसका सही नाम विहान सिंह (VIHAAN SINGH) है। शपथी के पुत्र के जन्म प्रमाण पत्र में सही नाम विहान सिंह (VIHAAN SINGH) अंकित किया जाए। **अवनीश सिंह पुत्र नरेन्द्र सिंह निवासी 76 सेक्टर ए, वर्ल्ड बैंक बर्रा, कानपुर।**

आईसीएसई बोर्ड: आनंदी ने हाईस्कूल और सूरज ने इंटरमीडिएट में किया जिला टॉप

सफल होने पर खुशी मनाते सर सैय्यद के मेधावी।

सफलता मिलने पर खुशी से उछलते जेएन शाह के छात्र-छात्राएं। ● अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता उन्नाव

अमृत विचार: काउंसिल फॉर द इंडियन स्कूल सर्टिफिकेट एग्जामिनेशन (सीआइएससीई) द्वारा गुरुवार को घोषित किए गए आईसीएसई कक्षा 10 व आईएससी कक्षा 12 के परीक्षा परिणामों में जिले के विद्यार्थियों ने अपनी मेधा का परचम लहराया है। परीक्षा परिणाम घोषित होते ही सफल परीक्षार्थियों के चेहरे खिल उठे और विद्यालयों में जश्न का माहौल देखने को मिला।

आईसीएसई कक्षा 10 के परिणामों में सेंट लॉरेंस स्कूल के छात्रों का शानदार प्रदर्शन रहा। विद्यालय की आनंदी निगम ने 98.20 प्रतिशत अंक प्राप्त कर सर्वोच्च स्थान बनाया। वहीं, इसी स्कूल के आयुष शुक्ला व जेएन शाह मेमोरियल पब्लिक स्कूल की पावनी गुप्ता 97.80 प्रतिशत अंक लाकर संयुक्त रूप से दूसरे स्थान पर रहीं। सेंट लॉरेंस स्कूल के ही अभिनव त्रिवेदी 97.60 प्रतिशत अंक के साथ तीसरे स्थान पर रहे। आईएससी कक्षा 12 में मेधावियों ने कड़ी प्रतिस्पर्धा पेश की। सेंट लॉरेंस स्कूल के सूरज साहू ने 99.25 प्रतिशत अंकों के साथ जिले में प्रथम स्थान प्राप्त किया। सेंट ज्यूड्स कॉलेज के शिवम यादव 97 प्रतिशत अंक के साथ दूसरे स्थान पर रहे। जबकि सेंट लॉरेंस स्कूल के ही शांतनु पांडेय ने 96.75 प्रतिशत अंक के साथ तीसरा स्थान पाया। परिणामों की घोषणा के बाद स्कूलों में प्रधानाचार्यों व शिक्षकों ने मेधावियों को बधाई दी। अभिभावकों ने भी बच्चों की सफलता पर हर्ष व्यक्त करते हुए एक-दूसरे का मुंह मीठा कराया। इस दौरान स्कूलों में बच्चों ने पहुंचकर मनाया सफलता का जश्न।

हाईस्कूल व इंटर के टॉपर सेंट ज्यूड्स कॉलेज उन्नाव

अखंड प्रताप सिंह 97% हाईस्कूल
शिवम यादव 97% इंटरमीडिएट

शुक्लागंज के छात्रों का शानदार प्रदर्शन

आप्ती 99.4% आयुष्मान 97% आदिश्री 95.6% मान्या मिश्रा 94%

शुक्लागंज, उन्नाव: गुरुवार को घोषित आईसीएसई बोर्ड परीक्षा परिणाम में नगर के छात्र-छात्राओं ने शानदार प्रदर्शन कर क्षेत्र का नाम रोशन किया। उच्च अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों ने भविष्य में इंजीनियर, डॉक्टर, आईएएस और पीसीएस बनकर देश सेवा का संकल्प जताया। गोपीनाथपुरम निवासी अतुल कुमार श्रीवास्तव की बेटी आप्ती श्रीवास्तव ने हाईस्कूल में 99.4 प्रतिशत अंक हासिल कर उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। उन्होंने अपनी सफलता का श्रेय मां दीपाली श्रीवास्तव, गुरुजनों और परिवार को दिया तथा आईआईटी करके देश सेवा करने की इच्छा जताई। बाला जी गली निवासी कानपुर जिला कोर्ट के रीडर गोविंद सिंह के पुत्र आयुष्मान सिंह ने 97 प्रतिशत अंक प्राप्त किए। ऋषि नगर की आदिश्री त्रिपाठी ने 95.6 प्रतिशत अंक हासिल कर परिवार का मान बढ़ाया। वहीं सुभाष नगर निवासी राहुल मिश्रा की बेटी मान्या मिश्रा ने इंटरमीडिएट में 94 प्रतिशत अंक प्राप्त किए। उन्होंने अपनी सफलता का श्रेय पिता, मां अनुपमा मिश्रा और शिक्षकों को दिया। विद्यार्थियों की इस उपलब्धि से परिवार और क्षेत्र में खुशी का माहौल है।

काउंसिल फॉर द इंडियन स्कूल सर्टिफिकेट एग्जामिनेशन द्वारा गुरुवार को घोषित किए गए आईसीएसई कक्षा 10 व आईएससी कक्षा 12 के परीक्षा परिणामों में जिले के स्कूल

हाईस्कूल के टॉपर सेंट लॉरेंस स्कूल उन्नाव

आनंदी 98.2% आयुष 97.8% अभिनव 97.60% कृष्णा 97.60%

इंटरमीडिएट के टॉपर सेंट लॉरेंस स्कूल उन्नाव

सूरज 99.25% शांतनु 96.75% मो. जैद खान 96.50% तनिष्क 96.25%

हाईस्कूल के टॉपर सर सैय्यद पब्लिक स्कूल उन्नाव

प्रिंस राजपूत 96.20% अक्षत 93.20% उत्कर्ष 92% अलीशा नूर 91.60%

इंटरमीडिएट के टॉपर सर सैय्यद पब्लिक स्कूल उन्नाव

अंश 94.50% ग्रेसी 93.25% निरबा 92.50% समर फारूकी 91.50%

हाईस्कूल टॉपर जेएनशाह मेमोरियल पब्लिक स्कूल उन्नाव

पावनी गुप्ता 97.8% श्लोक पांडेय 95.2% सोनू वर्मा 94.8%

इंटर टॉपर जेएनशाह मेमोरियल पब्लिक स्कूल उन्नाव

मान्या कनौजिया 96.2% शौर्य शाश्वत सिंह 93.5% आशीष यादव 92%

आरडीएस के छात्र चमके, काव्या ने 96.5 प्रतिशत अंकों के साथ क्षेत्र का नाम किया रोशन

शिक्षकों के साथ मौजूद छात्र-छात्राएं।

बांगरमऊ, उन्नाव: बांगरमऊ स्थित आरडीएस मेमोरियल पब्लिक स्कूल के विद्यार्थियों ने मेधा का परचम लहराया है। परिणाम घोषित होते ही विद्यालय परिसर में खुशी की लहर दौड़ गई। इंटर की छात्रा काव्या सिंह ने 96.5 प्रतिशत अंक लाकर न केवल विद्यालय में टॉप किया बल्कि पूरे क्षेत्र को गौरवान्वित किया। इनके साथ संगम पटेल 91.5 प्रतिशत व वेदांत तिवारी 90.75 प्रतिशत ने भी शानदार प्रदर्शन किया। हाई स्कूल में कामिल ने 91.4 प्रतिशत, कुशांक गुप्ता ने 90.4 प्रतिशत व सुधीर ने 89.6 प्रतिशत अंक पाकर प्रतिभा साबित की। इस उपलब्धि पर प्रबंधक पीके सैनी व डॉयरेक्टर रजनी सैनी ने बच्चों को बधाई देते हुए इसे शिक्षकों के मार्गदर्शन और छात्रों के कड़े अनुशासन का प्रतिफल बताया। शिक्षक अनुपम शुक्ला, राकेश कुमार और प्रतिभा पांडेय सहित समस्त स्टाफ ने बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

चलती कार में ट्रक से गिरा लकड़ी का बोटा चालक की मौत

औरास-उन्नाव, अमृत विचार: फतेहपुर चौरासी थानाक्षेत्र के अब्दुलापुर गांव निवासी अंजनी विश्वकर्मा (45) पुत्र राम स्वरूप वर्तमान में फतेहपुर चौरासी के चकलवंशी मोहल्ला में परिवार के साथ रहते थे। बुधवार को वह पत्नी रेखा, बेटे शिवम, अंकुश व बेटी वैष्णवी के साथ कस्बा औरास के माता भुईया मंदिर में देररात एक शादी समारोह में शामिल होने गए थे। जहां से लौटते समय औरास थानाक्षेत्र के चकलवंशी मार्ग स्थित इनायतपुर पुल के पास सामने से यूकेलिप्टस के बोटे लादकर आ रहे ट्रक से एक भारी बोटा अचानक उसकी कार के आगे शीशे पर गिर गया। इसमें अंजनी गंभीर घायल हो गए। पत्नी व बच्चों को भी चोट आई। सभी को औरास सीएचसी लाया गया। जहां डॉक्टर ने अंजनी को मृत घोषित कर दिया।

सड़क हादसों में दो युवकों समेत चार की मौत

-सदर व अजगैन कोतवाली, औरास व मौरावां थानांतर्गत हुए हादसे, पुलिस ने शव पोस्टमार्टम को भेजे

कार्यालय संवाददाता उन्नाव

अमृत विचार: जिले के अलग-अलग थानाक्षेत्रों में हुए सड़क हादसों में अधेड़, महिला व दो युवकों की मौत हो गई। इसकी खबर मिलते ही मृतकों के परिजनों में कोहराम मच गया। सूचना पर पहुंची संबंधित क्षेत्रों की पुलिस ने जांच कर शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है।

सदर कोतवाली क्षेत्र के सिविल लाइन मोहल्ला निवासी रजोल उर्फ अनुराग (45) पुत्र अशोक अवस्थी बुधवार शाम पत्नी उषा व बेटी राधा के साथ औरास थानाक्षेत्र के गांव बलसिंह खेड़ा अपने छोटे साले रामजी की वैवाहिक वर्षगांठ पर आयोजिय कार्यक्रम में शामिल कस्बा औरास के एक मैरिज लॉन जा रहे थे। तभी संडीला-चकलवंशी मार्ग पर कस्बा स्थित पीएनबी के पास सामने से आई बाइक ने उसकी बाइक में टक्कर मार दी। इसमें रजोल, ऊषा व राधा गंभीर घायल हो गए। परिजनों ने उन्हें सीएचसी औरास पहुंचाया। जहां से डॉक्टर ने रजोल को गंभीर हालत में ट्रामा सेंटर लखनऊ रेफर किया। जहां देररात इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। इसकी खबर मिलते ही परिजनों में चीख-पुकार मच गई। साले मुनेश शुक्ला पुत्र कैलाश नाथ ने औरास थाना पहुंचकर माखी थानाक्षेत्र के कोरारी खुर्द गांव निवासी बाइक चालक महेंद्र पुत्र बेचेलाल के विरुद्ध तहरीर दी है। एसओ संजीव कुशवाहा ने बताया कि लखनऊ में पोस्टमार्टम कराया जा रहा है। तहरीर व पीएम रिपोर्ट के आधार रिपोर्ट दर्ज की जाएगी।

कल्पना की फाइल फोटो। अंजनी का फाइल फोटो। औरास में क्षतिग्रस्त हुई कार।

डंपर की टक्कर से लोडर सवार ससुर की मौत, दामाद घायल

उन्नाव: अजगैन कोतवाली क्षेत्र के गांव एतबारपुर निवासी छंगा रावत (55) पुत्र स्व. हीरालाल खेती कर परिवार पालता था। बुधवार को वह पालतू मवेशियों के चारा रखने के लिए झाल खरीदने दामाद अनिल पुत्र छेदीलाल निवासी गुरुसहायखेड़ा अजगैन के साथ कानपुर जाने को घर से निकला था। इसके लिए नवाबगंज से ससुर-दामाद एक लोडर में बैठ गए। कानपुर में जाजमऊ चौराहा पर डंपर ने लोडर में टक्कर मार दी। इसमें छंगा गंभीर घायल हो गया। वहीं दामाद को भी चोटें आई। कानपुर में अस्पतालों की जानकारी न होने पर परिजन उन्हें जिला अस्पताल उन्नाव लाए। जहां इलाज के दौरान देररात छंगा की मौत हो गई। इसकी खबर मिलते ही पत्नी प्रेमवती, बेटे शैलेन्द्र व गुड्डू बेहाल हो गए। सदर कोतवाली पुलिस ने अस्पताल के मेमो पर शव का पोस्टमार्टम कराया है।

अंबिका स्कूल में इन्वेस्टिचर सेरेमनी का समापन

अंबिका के शपथ ग्रहण के दौरान मौजूद छात्र।

शुक्लागंज उन्नाव, अमृत विचार: राजमार्ग स्थित अंबिका प्रसाद मेमोरियल पब्लिक स्कूल में गुरुवार को गरिमामय इन्वेस्टिचर सेरेमनी का आयोजन हुआ। इसका उद्देश्य नव-निर्वाचित छात्र परिषद को उनके दायित्वों से अवगत कराना व नेतृत्व क्षमता का विकास करना रहा। इसमें स्कूल कैप्टन, वाइस कैप्टन, स्पोर्ट्स, एनसीसी, स्काउट एंड गाइड, कल्चरल व इको कैप्टन सहित हाउस कैप्टन और प्रिफेक्ट्स को बैज पहनाकर शपथ दिलाई गई। मुख्य अतिथि फ्लाइट लेफ्टिनेंट बलबीर सिंह ने कहा कि नेतृत्व जिम्मेदारी, अनुशासन व टीम भावना का प्रतीक है। उन्होंने छात्रों को देशप्रेम व कर्तव्यनिष्ठा से कार्य करने को प्रेरित किया। प्रबंधक अजय त्रिवेदी ने कहा कि विद्यालय विद्यार्थियों में नेतृत्व व नैतिक मूल्यों के विकास के लिए प्रतिबद्ध है। कार्यक्रम में शिक्षक, अभिभावक व छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। इस अवसर पर कार्तिकेय, दिनेश त्रिवेदी, अनुराज श्रीवास्तव, हरि राठौर, सौरभ जायसवाल, समस्त शिक्षकगण एवं अभिभावक उपस्थित रहे।

सड़क हादसे में युवक व महिला की मौत

उन्नाव, अमृत विचार: सदर कोतवाली क्षेत्र के गांव बक्खाखेड़ा निवासी पृथ्वीपाल पुत्र मनोहर गुरुवार रात करीब 9 बजे दही-पुरवा मार्ग पर बाइक से आ रहा था। तभी क्षेत्र के गांव दरोगाखेड़ा के पास अज्ञात वाहन ने उसकी बाइक में टक्कर मार दी। इससे उसकी मौत हो गई। खबर मिलते ही पत्नी संगीता बदहवास है। एसओ ज्ञानेंद्र सिंह ने बताया कि वाहन का पता लगाया जा रहा है। शव मोर्चरी भेजा है। वहीं लखनऊ-कानपुर हाइवे पर वाहन की टक्कर दही थानाक्षेत्र के इब्राहिम बाग निवासी मायावती (45) पत्नी सोहन की मौत हो गई। अस्पताल के मेमो पर पुलिस ने शव मोर्चरी भेजे है।

पीएम हाउस में घुसकर की तोड़फोड़

कार्यालय संवाददाता उन्नाव

अमृत विचार: पोस्टमार्टम हाउस में शव के साथ आए लोगों ने जमकर उत्पात मचाते हुए तोड़फोड़ की। इस दौरान वहां मौजूद स्टाफ व डॉक्टर ने खुद को कमरे में बंद कर लिया। उत्पात के दौरान लोगों ने गंगाघाट कोतवाली के एक दरोगा से भी अभद्रता की। सूचना पर सदर कोतवाली व गंगाघाट का फोर्स पहुंचा तब जाकर हंगामा शांत हुआ।

बता दें कि बीती बुधवार रात गंगाघाट कोतवाली क्षेत्र के पिपरी गांव के मोड़ पर हुए सड़क हादसे में क्षेत्र के कुवरिया खेड़ा गांव निवासी रामू (40) की मौत हो गई थी। पुलिस ने शव मोर्चरी भेजा था। गुरुवार दोपहर मोर्चरी में परिजनों सहित आधा सैकड़ा से अधिक लोग मौजूद थे। चर्चा है कि इस दौरान एक दरोगा ने रामू के पास से शराब बरामद होने की बात कही। इससे परिजनों व उसके साथ मौजूद लोगों में आक्रोश फैल गया। वे लोग शव दिखाने की जिद करते हुए जबरन पोस्टमार्टम हाउस में घुस गए और हंगामा करते हुए वहां तोड़फोड़ शुरू कर दी। इससे वहां दरवाजे में लगे कांच टूट गए। डॉ. अमन अहमद रिजवी व फार्मासिस्ट अमित ने खुद को कमरे में बंद कर जान बचाई। आक्रोशित लोगों ने उक्त दरोगा से भी अभद्रता का प्रयास किया। हालांकि दरोगा ने इससे इनकार किया है। सूचना पर अस्पताल चौकी इंचार्ज अंजनी सिंह फोर्स के साथ पहुंचे। कुछ देर में सदर कोतवाली प्रभारी चंद्रकांत मिश्रा अतिरिक्त फोर्स के साथ पहुंचे। इसके बाद लोग शांत हुए। सीओ सिटी दीपक यादव ने पोस्टमार्टम हाउस का निरीक्षण किया। पोस्टमार्टम हाउस कर्मियों ने इसकी सूचना सीएमओ को दी है।

पीएम हाउस पर आक्रोश जताते परिजन। ● अमृत विचार

- **शव दिखाने की जिद पर किया जमकर हंगामा**

खिलाड़ियों पर हुई पुरस्कारों की बरसात

कार्यालय संवाददाता, उन्नाव

अमृत विचार: बाईपास स्थित स्पोर्ट्स स्टेडियम में 3 दिनों से चल रही सातवीं जिला बैडमिंटन चैंपियनशिप का गुरुवार को समापन समारोह आयोजित हुआ। इसमें विभिन्न आयु वर्गों के विजेताओं को मेडल व प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम में नगर पालिकाध्यक्ष पति प्रवीण मिश्रा 'भानु' ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन कर कहा कि खेल हो या शिक्षा, हमेशा अपनी क्षमताओं को बढ़ाते हुए लक्ष्य निर्धारित करना चाहिए। जिला क्रीड़ाधिकारी मुकेश कुमार सब्बरवाल ने कहा कि मल्टी परपज हॉल बनने के बाद जिले में बैडमिंटन का भविष्य उज्जवल हुआ है। प्रतियोगिता में लखनऊ पब्लिक स्कूल को सर्वाधिक मेडल जीतने पर विशेष सम्मान दिया गया। अंडर-11 में अभय वर्मा बालक में व तृप्ती शुक्ला बालिका में विजेता रहे। अंडर-13 व 15 में आदित्य प्रजापति ने दोनों वर्गों के बालक वर्ग में दबदबा बना जीत हासिल की। अंडर-17 में चंद्रवीर सिंह ने बालक व दिव्या वर्मा ने बालिका ने जीत दर्ज की। अंडर-19 में प्रख्यात सिन्हा व मीनाक्षी कुशवाहा अपने-अपने वर्ग में चैंपियन बने। मेंस सिंगल में प्रशांत चौहान व विमेंस सिंगल में अलंकृति अवस्थी ने बाजी मारी।

खिलाड़ियों के साथ मौजूद अधिकारी व अतिथि। ● अमृत विचार

- **सातवीं जिला बैडमिंटन चैंपियनशिप का समापन**

मजदूर दिवस पर पेट की आग बुझाने का संघर्ष

लकड़ियां बटोरकर ई-रिक्शा में लादतीं महिलाएं।

शुभम निगम, उन्नाव, अमृत विचार: आज जब दुनिया 'मजदूर दिवस' पर श्रमिकों के सम्मान व अधिकारों का उत्सव मना रही है। तब शहर में सड़क की यह तस्वीर जमीनी हकीकत को आइना दिखा रही है। चिलचिलाती धूप व भीषण गर्मी में सिर पर लकड़ियों का गट्ठर ढोती ये महिलाएं व ई-रिक्शा पर मेहनत करते युवा इस बात का प्रमाण हैं कि उनके लिए विश्राम एक सपना है। मजदूर दिवस के शोर के बीच इन दिहाड़ी मजदूरों के लिए छुट्टी का कोई अस्तित्व नहीं है। इनके लिए हर दिन एक नई चुनौती है। जहां पेट भरने की जद्दोजहद अधिकारों की बातों पर भारी पड़ती है। यह दृश्य याद दिलाता है कि श्रम कानूनों व सरकारी योजनाओं का लाभ आज भी समाज के अंतिम पायदान पर खड़े इस मेहनतकश वर्ग तक पूरी तरह नहीं पहुंच सका है। इनके लिए पसीने की हर बूंद ही उनकी असली पहचान और संघर्ष की गाथा है।

डाउन लाइन पर 40 एचबीम स्लीपर डाले गए

संवाददाता शुक्लागंज उन्नाव, अमृत विचार: रेलवे पुल की डाउन लाइन पर चल रहे मरम्मत कार्य में गुरुवार को तेजी देखने को मिली। अधिकारियों की निगरानी में सुबह 10:15 से शाम 5:45 बजे तक मेगा ब्लॉक लेकर 40 एचबीम स्लीपर डाले गए। 2 अप्रैल से जारी इस अभियान के तहत जर्जर ट्रफ व पुराने स्लीपर हटाकर नए एचबीम स्लीपर लगाए जा रहे हैं। गुरुवार को रेल कर्मियों ने पुल के मध्य भाग से शुक्लागंज की ओर डाउन ट्रैक पर पड़ी गिट्टियां हटाईं। अधिकारियों के अनुसार कार्य को निर्धारित समय में पूरा करने के लिए लगातार निगरानी में तेजी से काम कराया जा रहा है। इसी दौरान गंगाघाट रेलवे स्टेशन के पास डाउन लाइन की मेन ट्रैक पर सीमेंटेड स्लीपर बदलने का कार्य भी किया गया, जिससे ट्रैक की मजबूती और सुरक्षा सुनिश्चित हो सके।

बुद्ध पूर्णिमा को लेकर घाटों की कराई सफाई

शुक्लागंज उन्नाव, अमृत विचार: बुद्ध पूर्णिमा स्नान को देखते हुये पालिका ने गुरुवार को नगर के सभी घाटों की सफाई कराई। जहां पालिका द्वारा घाटों का समतलीकरण भी कराया गया। इसके साथ सुरक्षा व्यवस्था को देखते हुए पुलिस प्रशासन भी घाटों पर मुस्तैद रहेगा। बुद्ध पूर्णिमा को देखते हुये गुरुवार को पालिकाध्यक्ष कौमुदी पांडे व ईओ मुकेश मिश्रा के निर्देश पर एसवीएम प्रभारी अनूप शुक्ला ने नगर के घाटों का जायजा लिया। इसके बाद पुराने यातायात पुल, रेलवे पुल से लेकर बालूघाट तक अतिरिक्त सफाई कर्मी लगाकर घाटों की सफाई कराई गई। इसके साथ स्नानार्थियों के लिए सभी घाटों पर चेंजिंग रुम, पानी का टैंकर, मोबाइल टॉयलेट आदि की व्यवस्था की गई है। वहीं गहरे पानी में कोई न जाए इसके लिये गोताखोर व नावें भी लगवाई गई हैं। वहीं सुरक्षा व्यवस्था देख कोतवाली प्रभारी अजय सिंह ने बताया कि सभी घाटों पर पुलिस तैनात रहेगी।

गुत्थी उलझी — उन्नाव के दही थानाक्षेत्र की युवती ने युवक पर दर्ज कराई थी आईटी एक्ट में रिपोर्ट

पेड़ के नीचे पड़ा मिला युवक का शव, हत्या का आरोप

कार्यालय संवाददाता उन्नाव

अमृत विचार: दही थानाक्षेत्र के बंदरहा गांव के पास प्रतापगढ़ निवासी युवक का शव पड़ा मिला। युवक की अजगैन क्षेत्र की एक युवती से निकटता थी। बाद में युवती ने उस पर आईटी एक्ट का मुकदमा दर्ज कराया था। गुरुवार को पहुंची मां ने उसकी पहचान के बाद बेटे की हत्या किए जाने की तहरीर दी। इस पर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज की है। वहीं पुलिस के मुताबिक शुक्रवार को शव का पोस्टमार्टम होगा।

बता दें कि प्रतापगढ़ जिला के बखतनपुर थानाक्षेत्र के वीरापुर गांव निवासी अखिलेश गौतम (20) पुत्र सुरेश कुमार 28 अप्रैल को देररात नौकरी करने की बात कहकर घर से निकला था। चर्चा रही कि युवक की अजगैन कोतवाली क्षेत्र के एक गांव निवासी युवती से सोशल मीडिया के माध्यम से दोस्ती हो गई थी। युवक के पास युवती की कुछ आपत्ति जनक फोटो व चैट भी थीं। जिससे वह ब्लैकमेल कर रहा था और पैसे की मांग करता था। इससे परेशान युवती ने अजगैन कोतवाली में युवक व अन्य दो लोगों पर 19 मार्च को रिपोर्ट भी दर्ज करवाई थी। लेकिन इसके बाद भी युवक नहीं माना तो युवती ने युवक को मिलने बुलाया। जिस पर 29 अप्रैल को देरशाम वह आया और युवती अपने पिता, भाई व अन्य रिश्तेदारों के साथ सोनिक रेलवे क्रासिंग पहुंची।

अखिलेश का फाइल फोटो।

सूत्र बताते हैं कि वहां से कोल्डड्रिंक लेने के बाद सभी दही थानाक्षेत्र के बंदरहा गांव पहुंचे। जहां सोनिक निवासी हरि प्रसाद के खेत में लगे नीम के पेड़ के नीचे कोल्डड्रिंक में जहरीला पदार्थ मिलाकर अखिलेश को पिला दिया। इससे उसकी मौत हो गई। बुधवार रात लोगों ने युवक को नीम के पेड़ के नीचे पड़ा देखा तो सोनिक ग्राम प्रधान पति राजकुमार सिंह ने पुलिस को इसकी सूचना दी। सीओ सिटी ने घटनास्थल पहुंचकर जांच की और फॉरेंसिक टीम से साक्ष्य इकत्र करवाकर शव मर्चरी भेज दिया। युवक के पास पड़ी मिली पालीथीन में मार्कशीट से उसके पते की जानकारी होने पर प्रतापगढ़ पुलिस से संपर्क कर वहां के ग्राम प्रधान के माध्यम से परिजनों को सूचना दी। इस पर परिजन पहले मौत की बात मानने से इनकार कर रहे थे। बाद में मां रेखा व अन्य परिजन गुरुवार शाम मोर्चरी पहुंचे और बेटे की पहचान की। अखिलेश 4 भाइयों में बड़ा था। एसओ दही ज्ञानेंद्र सिंह ने बताया शुक्रवार को शव का पोस्टमार्टम कराया जाएगा। मां ने हत्या का आरोप लगा तहरीर दी है। रिपोर्ट दर्ज हुई है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने पर मौत का कारण स्पष्ट होगा।

स्पीड ब्रेकर पर बाइक सवार महिला गिरी, मौत

उन्नाव, अमृत विचार: मौरावां थानाक्षेत्र के हिलौली गांव के मोहल्ला अभई सागर निवासी कल्पना (24) पति राहुल कुमार के साथ मायके पुरवा कोतवाली क्षेत्र के मंगतखेड़ा गांव गई थी। जहां वह अपनी सहेली काजल की शादी में शामिल होकर देररात ससुराल लौट रही थी। तभी मौरावां थानाक्षेत्र के हिलौली मार्ग पर चन्द्रिकाबक्स खेड़ा गांव के सामने स्पीड ब्रेकर पर बाइक अचानक अनियंत्रित हो गई और पीछे बैठी कल्पना उछलकर सड़क पर गिरकर गंभीर घायल हो गई। सूचना पर पहुंचे परिजन उसे पीएचसी लाए। जहां डाक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। इसकी खबर से परिजनों में चीख पुकार मच गई। वहीं पोस्टमार्टम हाउस में मिले कल्पना के पिता पप्पूलाल ने शक जताया कि ससुरालियों की मारपीट से बेटी की मौत हुई है। उसका आरोप था कि पति अक्सर उसे पीटता था। पुलिस ने उसे पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर कार्रवाई का आशवासन दिया।

अमृत विचार

शुक्रवार, 1 मई 2026

अब तक के सभी समाजों का इतिहास वर्ग संघर्ष का इतिहास है।

-कार्ल मार्क्स, जर्मन दार्शनिक

विकास का महामार्ग

उत्तर प्रदेश का गंगा एक्सप्रेस वे केवल 594 किमी लंबा राजमार्ग नहीं, बल्कि राज्य की आर्थिक संरचना को पुनर्परिभाषित करने की महत्वाकांक्षी परियोजना है। इसे एक ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने के लक्ष्य की धुरी कहना अतिशयोक्ति नहीं, परंतु यह तभी संभव होगा, जब सड़क निर्माण के साथ-साथ औद्योगिक, सामाजिक और संस्थागत सुधार समान गति से और साथ-साथ आगे बढ़ें। मेरठ से प्रयागराज तक 12 जिलों को जोड़ने वाला यह एक्सप्रेसवे यूपी के पश्चिमी, मध्य व पूर्वी हिस्सों को एक आर्थिक गलियारे में बदलने की क्षमता रखता है।

पहले जहां इन क्षेत्रों के बीच यात्रा में 13 से 14 घंटे लगते थे, अब यह दूरी 6 से 7 घंटे में सिमट सकती है। 120 किमी प्रति घंटे की डिजाइन गति केवल यात्रियों की सुविधा नहीं बढ़ाएगी, बल्कि लॉजिस्टिक्स लागत को घटाकर व्यापार की प्रतिस्पर्धात्मकता भी बढ़ाएगी। तेजी से माल की ढुलाई होने से कृषि उत्पाद, डेयरी, हस्तशिल्प और लघु उद्योगों को नए और बड़े बाजार मिलेंगे। यह कहना भी सर्वथा उचित है कि यह परियोजना उत्तर प्रदेश के बदलते विकास मॉडल की अभिव्यक्ति है। जो राज्य कभी पलायन और अवसरहीनता के लिए जाना जाता था, वह अब निवेश आकर्षित करने की दिशा में सक्रिय है। एक्सप्रेसवे के किनारे प्रस्तावित औद्योगिक क्षेत्रों— जिनमें लॉजिस्टिक्स पार्क, वेयरहाउसिंग, खाद्य प्रसंस्करण और एमएसएमई क्लस्टर शामिल हो सकते हैं— स्थानीय अर्थव्यवस्था को नई ऊर्जा देंगे, हालांकि इन क्षेत्रों में वास्तविक निवेश और रोजगार सृजन इस बात पर निर्भर करेगा कि भूमि, बिजली, श्रम और नीति स्थिरता कितनी प्रभावी ढंग से उपलब्ध कराई जाती है। धार्मिक और पर्यटन दृष्टि से भी यह परियोजना महत्वपूर्ण है। मेरठ से प्रयागराज, जो कुंभ और संगम के कारण वैश्विक पहचान रखता है का सीधा जुड़ाव तीर्थ यात्रियों के लिए वरदान होगा, परंतु टोल शुल्क का सवाल यहां प्रासंगिक है। यदि टोल अत्यधिक हुआ, तो आम यात्रियों के लिए यह सुविधा सीमित हो सकती है, इसलिए टोल नीति में संतुलन आवश्यक है, ताकि लागत वसूली और सामाजिक समावेशन दोनों साथ चल सकें।

रणनीतिक दृष्टि से शाहजहांपुर के पास 3.5 किमी की हवाई पट्टी इस परियोजना को विशेष बनाती है। आपातकालीन या युद्ध की स्थिति में यह लड़ाकू विमानों के लिए आपातकालीन वैकल्पिक रनवे के रूप में काम कर सकती है, जिससे हिंडन, आगरा और बरेली एयरबेस को लाभ पहुंचेगा, युद्ध या ऐसी स्थितियों में इन सैन्य एयर बेस पर दबाव कम होगा और सामरिक लचीलापन बढ़ेगा। जहां तक इस एक्सप्रेस वे की लागत का प्रश्न है, इसके निर्माण में करीब 37,350 करोड़ रुपये, यानी लगभग 63 करोड़ रुपये प्रति किलोमीटर खर्च हुए हैं। पहली नजर में अधिक लग सकता है, लेकिन भूमि अधिग्रहण, उच्च गुणवत्ता निर्माण, पुलों, इंटरचेंज और सुरक्षा मानकों को ध्यान में रखें, तो यह लागत राष्ट्रीय औसत के अनुरूप ही है। असली सवाल लागत नहीं, बल्कि निवेश पर मिलने वाले सामाजिक-आर्थिक प्रतिफल का है। वस्तुतः गंगा एक्सप्रेसवे उत्तर प्रदेश के लिए 'सड़क' से अधिक 'संभावनाओं का मंच' है। यह विकास का गेटवे तभी बनेगा, जब इसके किनारे उद्योग, कौशल और निवेश की वास्तविक धारा बहे।

प्रसंगवश

गौतम बुद्ध एवं उनके समकालीन मत

जिस वक्त सिद्धार्थ ने प्रव्रज्या ली, उस समय मानसिक जगत में बहुत उथल-पुथल मची हुई थी। देश में अलग-अलग दर्शन की बासठ परंपराएं विद्यमान थीं। इनमें से कम से कम छः ध्यान देने योग्य थीं। इन दार्शनिक परंपराओं में से पहली परंपरा के मुखिया का नाम पूर्ण-काश्यप था। इनका मत अक्रियावाद कहलाता था। उनका विचार था कि 'कर्म' का 'आत्मा' पर किसी भी तरह से कोई प्रभाव नहीं पड़ता। दूसरी परंपरा नियतिवाद के नाम से जानी जाती थी। इसके मुख्य उपदेशक मक्खली गोसाल थे। इनका मत 'भाग्यवादी' या 'पूर्व निश्चयवादी' था। इनके अनुसार न कोई कुछ कर सकता है और न होने से रोक सकता है।

तीसरी परंपरा 'उच्छेदवाद' के नाम से जानी जाती थी। इसके प्रस्तुतकर्ता अजित केसकंबल थे। इनका मत 'सर्वनाशवाद' का था। इनके अनुसार यज्ञ, होम बेकार हैं। कर्मफल जैसी कोई चीज नहीं होती, जिन्हें 'आत्मा' भोग सके या उसे भुगतने पड़े। चौथी परंपरा 'अन्योन्यवाद' कहलाती थी। इस मत के मुखिया पकुध कच्चायन थे। इनके अनुसार प्राणी सात तत्वों- पृथ्वी, जल, तेज, वायु, सुख, दुःख और आत्मा के समुच्चय से मिलकर बना है। ये सारे तत्व स्वतः निर्मित हैं और नित्य हैं। इनका किसी भी तरह से नाश नहीं हो सकता है। पांचवी परंपरा 'विक्षेपवाद' के नाम से जानी जाती थी। इसके प्रवर्तक संजय बेलठ्ठिपुत्त थे। इनके दर्शन में घोर संदेहवाद था।

डॉ. सुभाष चंद्र

उप पुस्तकालयाध्यक्ष

छठी परंपरा 'चातुर्याम संवरवाद' के नाम से जानी जाती थी। इसके प्रमुख निगण्ठनाथ पुत्त थे, जो उस समय जीवित थे, जब गौतम प्रकाश की खोज में रत थे। इनका मानना था कि 'आत्मा' को अपने पूर्व जन्मों के कर्म तथा वर्तमान जन्म के कर्मों के परिणाम स्वरूप ही पुनर्जन्म ग्रहण करना पड़ता है, इसलिए इन्होंने सलाह दी थी कि तपश्चर्या के द्वारा बुरे कर्मों को समाप्त कर देना चाहिए।

बुद्ध ने अपने समकालीन दार्शनिकों के मतों को स्वीकार नहीं किया। बुद्ध का उनकी शिक्षाओं को अस्वीकार करना सकारण था। बुद्ध का कहना था यदि पूर्ण-काश्यप के सिद्धांत को माना जाए, तब तो कोई कुछ भी बुरा कर सकता है, किसी को भी हानि पहुंचा सकता है, एक, दूसरे की हत्या कर सकता है और उस पर किसी भी प्रकार का सामाजिक उत्तरदायित्व नहीं होगा। यदि मक्खली गोसाल का सिद्धांत ठीक मान लिया जाए, तो मनुष्य भाग्य का गुलाम हो जाएगा तथा वह किसी भी तरह से अपने को बंधनों से मुक्त नहीं कर सकेगा।

यदि अजित केसकंबल का सिद्धांत ठीक मान लिया जाए तो इंसान के लिए खाने, पीने और मौज करने के अलावा कोई कार्य शेष नहीं रहता। यदि संजय बेलठ्ठिपुत्त का सिद्धांत सत्य मान लिया जाए तो मनुष्य केवल जल की तरह यों ही बहता रहेगा तथा उसका जीवन निरूद्देश्य हो जाएगा। यदि निगण्ठनाथ पुत्त का मत सही मान लिया जाए तो मनुष्य का जीवन कायक्लेश और तपश्चर्या के अधीन हो जाएगा, जिससे उसकी इच्छाओं और मूल भावनाओं का सर्वथा निच्छेद हो जाएगा।

इसीलिए इन दार्शनिकों का कोई भी मत बुद्ध को उपयुक्त प्रतीत नहीं हुआ और आपने अन्यत्र ही कहीं से प्रकाश पाने की उम्मीद रखी। बुद्ध के अनुसार चार आर्य सत्य हैं। पहला- दुःख है, दूसरा दुःख का कारण है, तीसरा दुःख के कारण का निवारण है तथा चौथा दुःख निवारण का मार्ग है। चारों आर्य सत्य से निजात पाने के लिए बुद्ध ने आष्टांगिक मार्ग का अनुसरण बताया था। वे हैं सम्यक दृष्टि, सम्यक संकल्प, सम्यक वचन, सम्यक कर्म, सम्यक आजीविका, सम्यक व्यायाम, सम्यक स्मृति और सम्यक समाधि। बुद्ध के अनुसार इसी मार्ग के अनुसरण से मानव का कल्याण संभव है। (यह लेखक के निजी विचार हैं।)

एग्जिट पोल्स: कहीं हैट्रिक तो कहीं सत्ता परिवर्तन के आसार

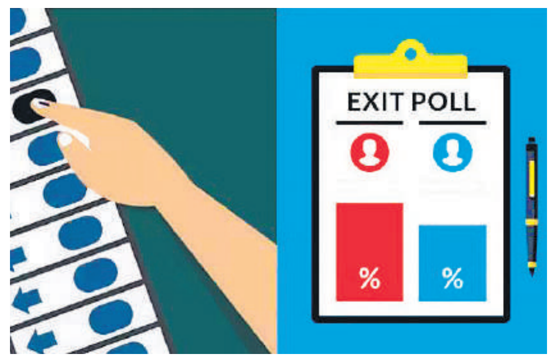

योगेश कुमार गोयल

वरिष्ठ पत्रकार

पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, असम, केरल और पुडुचेरी, इन पांच महत्वपूर्ण राज्यों/केंद्रशासित प्रदेशों में विधानसभा चुनावों की मतदान प्रक्रिया पूरी होने के साथ ही भारतीय लोकतंत्र के महापर्व का एक महत्वपूर्ण अध्याय संपन्न हो गया है। अब जनता का जनादेश ईवीएम में सुरक्षित है और पूरे देश की नजर चार मई को आने वाले अंतिम परिणामों पर टिकी है, लेकिन परिणामों से पहले, विभिन्न सर्वेक्षण एजेंसियों के 'एग्जिट पोल' ने राजनीतिक गलियारों में हलचल तेज कर दी है। इन आंकड़ों ने कहीं जश्न का माहौल बना दिया है, तो कहीं रणनीतियों पर फिर से विचार करने को मजबूर कर दिया है। ये एग्जिट पोल्स न केवल संभावित परिणामों का संकेत देते हैं, बल्कि भारतीय लोकतंत्र की जटिलताओं, क्षेत्रीय राजनीतिक समीकरणों और मतदाताओं की बदलती प्राथमिकताओं को भी उजागर करते हैं, हालांकि एग्जिट पोल्स को लेकर हमेशा एक सावधानी भी जुड़ी रहती है कि ये अंतिम परिणाम नहीं, बल्कि एक अनुमान मात्र होते हैं। फिर भी इन अनुमानों के जरिए हम राजनीतिक रुझानों और संभावित सत्ता संतुलन को समझने की कोशिश कर सकते हैं।

पश्चिम बंगाल की 294 सीटों पर हुआ मुकाबला इस साल का सबसे दिलचस्प चुनाव रहा है। यहां बहुमत के लिए 148 सीटों की आवश्यकता है। एग्जिट पोल के आंकड़ों पर नजर डालें, तो अपने एग्जिट पोल में चाणक्य स्ट्रैटेजीज ने भाजपा को 150-160, टीएमसी को 130-140, कांग्रेस को शून्य तथा अन्य को 6-10 सीटें दी हैं। केवल पीपुल्स पल्स का एग्जिट पोल ऐसा सामने आया है, जिसमें टीएमसी की सत्ता वापसी का अनुमान लगाया गया है। इस एग्जिट पोल में टीएमसी को 117-187, भाजपा 95-110, कांग्रेस 1-3, लेफ्ट 0-1 तथा अन्य को शून्य सीटें मिलने का अनुमान है। पीपुल्स पल्स को छोड़कर बंगाल के सभी एग्जिट पोल्स राज्य में सत्ता परिवर्तन की ओर इशारा कर रहे हैं। भाजपा को यहां स्पष्ट बहुमत मिलता दिख रहा है। 'प्रजापोल' जैसे सर्वेक्षण तो भाजपा को 200 के पार ले जा रहे हैं। यदि ये आंकड़े सही साबित होते हैं, तो यह भारतीय राजनीति के इतिहास में एक बड़ा उलटफेर होगा। भाजपा का ध्रुवीकरण और 'परिवर्तन' का नारा जमीनी स्तर पर काम करता दिख रहा है, जबकि टीएमसी के लिए सत्ता विरोधी लहर और भ्रष्टाचार के आरोप बड़ी चुनौती बन गए हैं।

> एग्जिट पोल्स को लेकर हमेशा एक सावधानी भी जुड़ी रहती है कि ये अंतिम परिणाम नहीं, बल्कि एक अनुमान मात्र होते हैं। आज के दौर में एग्जिट पोल सूचना से ज्यादा मनोरंजन का हिस्सा बन गए हैं।

असम की 126 सीटों पर मतदान नौ अप्रैल को ही संपन्न हो गए थे। यहां बहुमत का आंकड़ा 64 है। यहां हिमंत बिस्वा सरमा का नेतृत्व और विकास के साथ-साथ पहचान की राजनीति का मेल भाजपा के लिए 'विनिंग फॉर्मूला' साबित होता दिख रहा है। असम में सभी एग्जिट पोल्स एक स्वर में भाजपा की प्रचंड जीत की भविष्यवाणी कर रहे हैं। यहां भाजपा गठबंधन न केवल सत्ता बचाए रखने में सफल दिख रहा है, बल्कि उसकी सीटें पिछली बार के मुकाबले बढ़ने का अनुमान है। कांग्रेस गठबंधन यहां काफी पिछड़ता नजर आ रहा है। एग्जिट पोल्स के अनुसार, भाजपा गठबंधन को 68 से लेकर 100 सीटों तक मिलने का अनुमान है, जबकि कांग्रेस गठबंधन 22-36 सीटों तक सीमित दिख रहा है।

केरलम की 140 सीटों पर भी नौ अप्रैल को मतदान हुआ था और यहां सत्ता की चाबी पाने के लिए 71 सीटों की जरूरत है। केरलम का रिवाज रहा है कि यहां हर पांच साल में सत्ता बदलती है, जिसे पिछले चुनाव में वामपंथी मोर्चे (एलडीएफ) ने तोड़ा था, लेकिन इस बार के एग्जिट पोल्स संकेत दे रहे हैं कि जनता फिर से 'यूडीएफ' (कांग्रेस गठबंधन) की ओर लौट रही है। पिनाराई विजयन की सरकार को तगड़ा झटका लगने का अनुमान है। यहां पर एग्जिट पोल्स अपेक्षाकृत एकमत दिखाई देते हैं और पिनाराई विजयन के नेतृत्व वाला एलडीएफ 49-65 सीटों तक सिमटता दिख रहा है, जबकि यूडीएफ को 70-90 सीटों के बीच स्पष्ट बढ़त मिलती दिख रही है।

तमिलनाडु की 234 सीटों पर 23 अप्रैल को मतदान हुआ था और यहां बहुमत का आंकड़ा 118 है। तमिलनाडु में मुकाबला हमेशा की तरह दो द्रविड़ दिग्गजों के बीच है। यहां एमके स्टालिन के नेतृत्व वाला डीएमके गठबंधन बढ़त बनाता दिख रहा है, हालांकि एआईएडीएमके गठबंधन भी कुछ पोल्स में कड़ी टक्कर देता नजर आ रहा है, लेकिन बहुमत के जादुई आंकड़े के करीब फिलहाल डीएमके ही दिख रही है। स्टालिन के नेतृत्व में डीएमके गठबंधन को 122-160 सीटें मिलने का अनुमान है, जबकि एआईएडीएमके गठबंधन 65-110 सीटों के बीच रह सकता है।

पुडुचेरी की 30 सीटों पर एक्सिस माई इंडिया का पोल भाजपा गठबंधन (16-20 सीटें) को स्पष्ट बहुमत दे रहा है, जबकि कांग्रेस गठबंधन 6-8 सीटों पर सिमटता दिख रहा है। यह संकेत देता है कि छोटे, लेकिन रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण इस केंद्रशासित प्रदेश में भाजपा अपनी स्थिति मजबूत कर सकती है।

यद्यपि एग्जिट पोल एक रोमांचक तस्वीर पेश करते हैं, लेकिन इनकी विश्वसनीयता पर हमेशा प्रश्नचिह्न लगा रहता है। इतिहास गवाह है कि एग्जिट पोल कई बार पूरी तरह धराशायी हुए हैं। हाल के वर्षों में हरियाणा, महाराष्ट्र (जहां महायुति की जीत का अंतर पोल्स से कहीं ज्यादा था) और झारखंड (जहां एनडीए की हार हुई) के नतीजों ने दिखाया है कि साइलेंट वोटर की नब्ज पकड़ना सर्वे एजेंसियों के लिए कितना कठिन है। इन सर्वे की अपनी सीमाएं भी हैं। दरअसल एग्जिट पोल एक बहुत छोटे 'सैंपल साइज' पर आधारित होते हैं। करोड़ों मतदाताओं वाले राज्यों में कुछ हजार लोगों की राय पूरे प्रदेश का प्रतिनिधित्व नहीं कर सकती। कई बार मतदाता अपना असली झुकाव नहीं बताते या मतदान केंद्र से बाहर निकलते समय दबाव महसूस करते हैं। आज के दौर में एग्जिट पोल सूचना से ज्यादा मनोरंजन का हिस्सा बन गए हैं। (यह लेखक के निजी विचार हैं।)

आमने

पीएम नरेंद्र मोदी ने सत्ता में आते ही महिलाओं के नाम जनधन खाते खोले, तो सपा के लोगों ने मजाक उड़ाते हुए कहा कि कहां हैं 15 लाख रुपये, जबकि इन्हीं अकाउंट में कोविड के दौरान महिलाओं को शासन की सहायता दी गई। सपा के लोग महिलाओं के सम्मान के प्रति कभी संवेदनशील नहीं हैं।

-योगी आदित्यनाथ
मुख्यमंत्री, उत्तर प्रदेश

सामने

सदन का विशेष सत्र बुलाया गया, तो उम्मीद थी कि मुख्यमंत्री जी नारी सशक्तिकरण पर अपनी बात रखेंगे, पर उन्होंने यहां प्रवचन किया। यही बातें मुख्यमंत्री ने राज्यपाल के अभिभाषण पर कहीं। यही बातें मुख्यमंत्री ने बजट भाषण में कहीं। मुख्यमंत्री ने यहां भी वही पुराना कैसेट जारी कर दिया।

-संग्राम यादव
सपा विधायक

मजदूर दिवस: श्रमिक अधिकार व खोता बचपन

संध्या राजपुरोहित

लेखिका

हर वर्ष पहली मई को अंतर्राष्ट्रीय मजदूर दिवस मनाया जाता है। यह दिन श्रमिकों के अधिकारों, उनके सम्मान और उनके संघर्षों को याद करने का अवसर है, किंतु इसी अवसर पर यह प्रश्न और तीखा हो उठता है कि क्या हमने उन बच्चों को देखा है, जिनका बचपन मजदूरी के बोझ तले दब गया है? मध्य प्रदेश, जहां देश की बड़ी आदिवासी आबादी निवास करती है, इस प्रश्न को और गहराई देता है। झाबुआ, अलीराजपुर, धार, डिंडोरी, मंडला और बड़वानी जैसे जिलों में बचपन अक्सर समय से पहले ही वयस्कता का बोझ उठाने लगता है। बच्चे परिवार की आय में हाथ बंटाने के लिए खेतों में काम करते हैं, जंगल से संसाधन जुटाते हैं, या शहरों में जाकर निर्माण स्थलों पर मजदूरी करते हैं।

इस समस्या की गंभीरता केवल अनुभवजन्य नहीं, बल्कि आंकड़ों में भी स्पष्ट दिखाई देती है। यूनिसेफ और अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन की संयुक्त रिपोर्ट बताती है कि दुनिया भर में लगभग 16 करोड़ बच्चे बाल श्रम में संलग्न हैं, जिनमें से लगभग आधे खतरनाक परिस्थितियों में काम करते हैं। देश में 2011 की जनगणना के अनुसार पांच से 14 वर्ष आयु वर्ग के एक करोड़ से अधिक बच्चे किसी न किसी रूप में श्रम में लगे थे और विशेषज्ञ मानते हैं कि वास्तविक संख्या इससे अधिक हो सकती है।

हालिया अभियानों और सरकारी आंकड़ों के अनुसार 2023–24 के दौरान देशभर में 44,000 से अधिक बच्चों को बाल श्रम से मुक्त कराया गया, जिनमें बड़ी संख्या आदिवासी और वंचित वर्गों से संबंधित थी। मध्य प्रदेश में भी 2024 के दौरान रायसेन जिले से 50 से अधिक आदिवासी बच्चों को जबरन मजदूरी से छुड़ाया जाना इस समस्या की जड़ों की गहराई को उजागर करता है।

> बच्चों की मजबूरी कई बार उन्हें खतरनाक परिस्थितियों में काम करने पर विवश कर देती है। कुछ बच्चे पटाखा फैक्ट्री में लगाए जाते हैं, तो कई बच्चे खेतों में मजदूरी करते हैं।

आर्थिक दृष्टि से देखें तो यह समस्या केवल बाल श्रम नहीं, बल्कि जीविका संकट का परिणाम है। राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण और विभिन्न सामाजिक-आर्थिक अध्ययनों से यह स्पष्ट होता है कि आदिवासी समुदायों में गरीबी का स्तर राष्ट्रीय औसत से अधिक है। सीमित कृषि भूमि, जंगल आधारित आजीविका का कमजोर होना और रोजगार के अवसरों का अभाव परिवारों को मजबूर कर देता है कि वे बच्चों को भी कमाने के लिए आगे बढ़ाएं।

आदिवासी समुदायों की आर्थिक स्थिति प्रायः कमजोर होती है। ये लोग वनों, पहाड़ों और दूरस्थ क्षेत्रों में निवास करते हैं, जहां बुनियादी सुविधाओं की भारी कमी होती है। इन समुदायों की आजीविका मुख्यतः कृषि, वनोपज संग्रह, और दिहाड़ी मजदूरी पर निर्भर होती है। जलवायु परिवर्तन, जंगलों की कटाई और औद्योगिक विकास के कारण आदिवासियों की पारंपरिक जीविका के स्रोत नष्ट होते जा रहे हैं। इस कारण परिवार की आर्थिक स्थिति दयनीय हो जाती है और बच्चों को भी कम उम्र में ही श्रम कार्यों में लगना पड़ता है।

बच्चों की यह मजबूरी कई बार उन्हें खतरनाक परिस्थितियों में काम करने पर विवश कर देती है। कुछ बच्चे पटाखा फैक्ट्री में लगाए जाते हैं, तो कई बच्चे खेतों में मजदूरी करते हैं। वहीं कुछ निर्माण स्थलों, ईंट-भट्टों और खदानों में काम करने को मजबूर हो जाते हैं। कई बार वे घरेलू नौकर के रूप में शहरी परिवारों में काम करने के लिए भेज दिए जाते हैं, जहां उनके साथ दुर्व्यवहार और शोषण की घटनाएं आम होती हैं।

कई बार उन्हें न्यूनतम मजदूरी से भी कम पैसे दिए जाते हैं और उनके काम के घंटों की कोई सीमा नहीं होती। उनके साथ दुर्व्यवहार भी किया जाता है और वे कानूनी सुरक्षा से वंचित रह जाते हैं। इस प्रकार बचपन की मासूमियत श्रम के कठोर बंधनों में जकड़ जाती है। मौसमी पलायन इस समस्या को और जटिल बना देता है। मध्य प्रदेश के आदिवासी इलाकों से हर वर्ष हजारों परिवार गुजरात, महाराष्ट्र और अन्य राज्यों की ओर पलायन करते हैं। श्रम विभाग और विभिन्न सामाजिक संगठनों की रिपोर्ट्स बताती हैं कि इन परिवारों के साथ जाने वाले बच्चे अक्सर स्कूल से कट जाते हैं और मजदूरी में शामिल हो जाते हैं। इस प्रकार शिक्षा का अधिकार कागजों तक सीमित रह जाता है।

शिक्षा के संदर्भ में स्थिति चिंताजनक है। आदिवासी बहुल जिलों में ड्रॉपआउट दर भी सामान्य से अधिक पाई गई है, विशेषकर प्राथमिक से माध्यमिक स्तर पर। शिक्षा से यह दूरी पीढ़ी-दर-पीढ़ी चलने वाले गरीबी के चक्र को मजबूत करती है। वे अपने माता-पिता की तरह असंगठित श्रम में फंस जाते हैं। स्वास्थ्य के स्तर पर भी इसके गंभीर परिणाम सामने आते हैं। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण (NFHS-5) के अनुसार मध्य प्रदेश में बच्चों में कुपोषण की दर राष्ट्रीय औसत से अधिक है। जब कुपोषित बच्चे कठोर श्रम में लगते हैं, तो उनका शारीरिक और मानसिक विकास और अधिक प्रभावित होता है। (यह लेखिका के निजी विचार हैं।)

सोशल फोरम

घर जो कभी सोता नहीं था

लखनऊ के पुराने मोहल्ले कैसरबाग में, पीपल वाले चौराहे से दो गलियां छोड़कर, एक हवेली खड़ी थी, जिसे सब 'जागता घर' कहते थे। 187 साल पुरानी, तीन मंज़िला, 14 कमरों की हवेली। उसकी खिड़कियों से रात के तीन बजे भी पीली रोशनी छनकर सड़क पर गिरती थी। लोग कहते थे कि जब पूरा शहर सो जाता है, तब भी वो घर जागता रहता है। हवेली के आखिरी वारिस थे रघुवीर बाबू। 78 साल की उम्र, कमर झुकी हुई। उनकी दिनचर्या उल्टी थी। जब मोहल्ले में सब्ज़ी वाले की आवाज़ गूंजती, रघुवीर बाबू सोने जाते। जब रात 11 बजे गलियां सुनसान हो जातीं, वो लालटेन जलाकर जाग जाते।

रश्मि त्रिपाठी

ब्लॉगर

हवेली में घड़ी नहीं थी। रघुवीर बाबू कहते, 'घड़ी का क्या है, वो तो वक़्त को कैद करती है। ये घर वक़्त को जीता है।' रात भर वो क्या करते थे? कभी छत पर बैठकर तारों की गिनती। कभी नीचे तहखाने में अपने दादा के ज़माने के खत पढ़ते। कभी रसोई में आधी रात खिचड़ी चढ़ा देते और कहते, 'हो सकता है कोई मुसाफिर भूखा गुज़र जाए।'

1931 की बात है। रघुवीर बाबू के दादा, ठाकुर शिव प्रताप सिंह, अंग्रेज़ों के खिलाफ पर्चे छापते थे। हवेली का तहखाना क्रांतिकारियों का अड्डा था। रात-रात भर मशीन चलती, पर्चे छपते और जवान लड़के आते-जाते। एक रात अंग्रेज़ सिपाहियों ने छापा मारा। शिव प्रताप ने सबको पिछले दरवाज़े से निकाल दिया, खुद पकड़े गए। जाते-जाते उन्होंने अपनी पत्नी से सिर्फ इतना कहा था, 'चिराग जलता रहना चाहिए। जब तक एक भी क्रांतिकारी बाहर है, ये घर सो नहीं सकता।' उस दिन से हवेली का चिराग नहीं बुझा। शिव प्रताप नौ साल बाद जेल से लौटे, मगर घर की आदत बदल चुकी थी। दिन में सोना, रात में जागना। वो कहते थे, 'रात ईमानदार होती है बेटा। दिन में तो सब मुखौटा पहन लेते हैं।'

ये आदत उनके बेटे को लगी, और बेटे से रघुवीर बाबू को।

2020 आया। लखनऊ बदल रहा था। बिल्डर हवेली के चक्कर काटने लगे। 'बाबू, 12 करोड़ देंगे। क्या करोगे इस भूतहा घर में?' हवेली नहीं बिकी। आज 2026 है। रघुवीर बाबू अब नहीं हैं। पर हवेली वहीं है। अब अविनाश और उनकी पत्नी वहां रहते हैं। उन्होंने हवेली को 'रात लाइब्रेरी' बना दिया है। रात 10 बजे से सुबह पांच बजे तक उसके दरवाज़े खुले रहते हैं। छात्र आते हैं पढ़ने। लेखक आते हैं लिखने। कोई मुसाफिर आता है तो खिचड़ी मिलती है। और हाँ, UPSC वाले लड़के तो वहीं सोते-बैठते हैं।

-फेसबुक वॉल से

सामयिकी

अमेरिका-ईरान तनाव का भारतीय शादियों पर प्रभाव

वर्तमान समय में पश्चिम एशिया में अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ता तनाव केवल उस क्षेत्र तक सीमित नहीं है, बल्कि इसका प्रभाव भारत जैसे देशों पर भी स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है। खासकर भारतीय शादियों पर इसका सीधा असर पड़ रहा है, जो पहले से ही महंगाई और बढ़ते खर्चों के दबाव में हैं। इस तरह के अंतर्राष्ट्रीय तनाव का सबसे बड़ा असर तेल और गैस की आपूर्ति पर पड़ता है। भारत अपनी ऊर्जा जरूरतों का बड़ा हिस्सा विदेशों से आयात करता है, इसलिए जब वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल और एलपीजी की आपूर्ति प्रभावित होती है, तो उसका असर घरेलू बाजार पर भी दिखाई देता है। शादी-विवाह के मौसम में यह समस्या और गंभीर हो जाती है।

शादी समारोहों में बड़ी मात्रा में भोजन तैयार किया जाता है, जिसके लिए गैस सिलेंडरों की आवश्यकता अधिक होती है। कई क्षेत्रों में एलपीजी सिलेंडरों की कमी की शिकायतें सामने आती हैं। इससे कैटरिंग व्यवसाय और हलवाइयों को काफी परेशानी होती है। कई बार समय पर सिलेंडर न मिलने से भोजन व्यवस्था प्रभावित हो जाती है, जिससे पूरे आयोजन पर असर पड़ता है।

धनीश शर्मा

लेखक

महंगाई का असर केवल गैस तक सीमित नहीं रहता। तेल की कीमतों में वृद्धि से परिवहन महंगा होता है, जिसका सीधा असर सब्जियों, खाद्य सामग्री, टेंट, सजावट, बैंड-बाजा और अन्य सेवाओं पर पड़ता है। परिणामस्वरूप शादी का कुल खर्च काफी बढ़ जाता है। इसका सबसे अधिक प्रभाव मध्यम वर्गीय परिवारों पर पड़ता है, जिनके लिए शादी का बजट संभालना चुनौती बन जाता है।

खाड़ी में तनाव के असर से सोना और चांदी के दाम लगातार बढ़ते जा रहे हैं। प्रतिदिन इनके भाव में होने वाली वृद्धि का सीधा असर भारतीय शादियों पर भी पड़ रहा है। हमारे समाज में विवाह के दौरान आभूषणों का विशेष महत्व होता है, खासकर लड़की पक्ष के लिए। अधिकांश परिवार अपनी बेटी की शादी में सोने-चांदी के गहने देना सामाजिक जिम्मेदारी और सम्मान से जोड़कर देखते हैं, लेकिन जब बाजार में सोने-चांदी के दाम आसमान छूने लगते हैं, तो इसका सबसे अधिक आर्थिक दबाव लड़की वालों पर पड़ता है। कई बार रिश्ते तय होने के बाद विवाह की तारीख आने तक कीमतें इतनी बढ़ जाती हैं कि पहले बनाया गया बजट पूरी तरह बिगड़ जाता है। इससे परिवारों को अतिरिक्त कर्ज लेना पड़ता है या अन्य जरूरी खर्चों में कटौती करनी पड़ती है। महंगाई का यह बोझ शादी जैसे शुभ अवसर को भी तनावपूर्ण बना देता है।

इन परिस्थितियों में अब कई लोग सादगीपूर्ण शादी की ओर भी बढ़ रहे हैं। वे अनावश्यक खर्चों को कम कर रहे हैं और अपनी आर्थिक क्षमता के अनुसार ही आयोजन कर रहे हैं। इससे आर्थिक बोझ कम होता है और समाज में एक सकारात्मक संदेश भी जाता है।

अंतर्राष्ट्रीय तनाव का असर अब हमारी सामाजिक परंपराओं तक पहुंच चुका है। शादी जैसे पारिवारिक और सांस्कृतिक आयोजनों पर भी वैश्विक राजनीति का प्रभाव दिखाई देने लगा है, हालांकि भारतीय समाज में ऐसे लोग भी हैं, जो दिखावे के साथ करोड़ो रुपये विवाह में खर्चा करने में पीछे नहीं हैं, जिससे मिडिल क्लास के लोगों के घरों में होने वाले वैवाहिक कार्यक्रम में उसका असर साफ दिखाई देता हैं। आपसी होड़ में विवाह का बजट पॉकेट के बाहर हो जाता है, जिससे मिडिल क्लास के कई परिवार कर्जो में डूब जाते हैं ये भी भारतीय समाज की कड़वी सच्चाई है। (यह लेखक के निजी विचार हैं।)

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक त्रिनाथ शुक्ला द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, प्लाट नं.-42, निकट बद्री नगर,इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज, लखनऊ-226008 (उ.प्र.) से मुद्रित एवं 117/एल/320-ए, नवीन नगर काकादेव, कानपुर नगर 208001 (उ.प्र.) से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक- दिग्विजय सिंह*** 0512-2548300 (कार्यालय), ईमेल- editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2022/85730 *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी।(नोट-सभी विवादों का न्यायक्षेत्र कानपुर होगा)।

ऐसे हुआ ब्लेड का आविष्कार

शेविंग के इतिहास में 19वीं सदी का दौर एक बड़ा बदलाव लेकर आया। 1800 के मध्य में पुरुषों के बीच क्लीन शेव के साथ मूंछें रखने का ट्रेंड तेजी से लोकप्रिय होने लगा, लेकिन उस समय आज जैसे आधुनिक ब्लेड उपलब्ध नहीं थे। शुरुआती दौर में लोग कांसे या धातु की गोल, तेज वस्तुओं से शेव करते थे। बाद में 1890 के आसपास स्ट्रेट रेजर का चलन बढ़ा, जिन्हें टिकाऊ और प्रभावी माना जाता था, लेकिन इन्हें इस्तेमाल करना आसान नहीं था और धार बार-बार तेज करनी पड़ती थी।

इसी समस्या ने अमेरिकी आविष्कारक किंग कैंप जिलेट को नया समाधान खोजने के लिए प्रेरित किया। पेशे से ट्रैवलिंग सेल्समैन रहे जिलेट को 1895 में शेविंग करते समय यह अहसास हुआ कि रेजर की धार जल्दी खत्म हो जाती है। उन्होंने ऐसा पतला, सस्ता और आसानी से बदला जा सकने वाला ब्लेड बनाने का विचार किया। शुरुआत में मैसाचुसेट्स इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी के वैज्ञानिकों ने इसे असंभव माना, लेकिन बाद में आविष्कारक विलियम निकर्सन की मदद से कई वर्षों की मेहनत के बाद यह सपना साकार हुआ। 1903 में पहला सेफ्टी रेजर बाजार में आया और 1904 में इसका पेटेंट कराया गया। प्रथम विश्व युद्ध के दौरान कंपनी ने अमेरिकी सैनिकों को शेविंग किट उपलब्ध कराई, जिससे इसकी लोकप्रियता तेजी से बढ़ी। सैनिकों द्वारा लाखों ब्लेड और रेजर के उपयोग ने कंपनी को वैश्विक पहचान दिलाई। आगे चलकर जिलेट ने मल्टी-ब्लेड तकनीक, डिस्पोजेबल रेजर और आधुनिक ग्रूमिंग प्रोडक्ट्स के जरिए बाजार में अपनी मजबूत पकड़ बनाई। 2005 में प्रॉक्टर एंड गैंबल द्वारा अधिग्रहण के बाद यह ब्रांड आज भी शेविंग इंडस्ट्री का अग्रणी नाम बना हुआ है।

वैज्ञानिक के बारे में

किंग कैंप जिलेट का जन्म 5 जनवरी 1855 को अमेरिका के विस्कॉन्सिन राज्य में हुआ था। उनके पिता एक हार्डवेयर व्यापारी थे, जिससे उन्हें बचपन से ही व्यवसाय और तकनीक में रुचि मिली। युवावस्था में वे एक ट्रैवलिंग सेल्समैन के रूप में काम करते थे, जिसने उन्हें लोगों की जरूरतों को समझने का अवसर दिया। वे केवल आविष्कारक ही नहीं, बल्कि एक विचारक भी थे और समाज सुधार से जुड़े विचार रखते थे। उन्होंने "The Human Drift" नामक पुस्तक भी लिखी। 1932 में उनका निधन हुआ, लेकिन उनके आविष्कार ने उन्हें अमर बना दिया।

गिद्धों की अद्भुत जीवन रक्षा तकनीक

गिद्ध एक ऐसा पक्षी है, जिसे अक्सर उपेक्षा की दृष्टि से देखा जाता है, लेकिन वही प्रकृति का सबसे कुशल सफाईकर्मी है। अपनी अद्भुत पाचन शक्ति, अनोखी जीवन रक्षा तकनीक और सामाजिक व्यवहार से गिद्ध पर्यावरण को स्वच्छ और संतुलित बनाए रखते हैं। आसमान में अथाह ऊंचाइयों पर हवा में तैरते, धरती पर पसरे सन्नाटे के साक्षी गिद्धों को देखकर मन में आकर्षण नहीं, बल्कि एक प्रकार की उपेक्षा का भाव ही पैदा होता है। उनका गंजा सिर, भारी सशक्त चोंच और मृत जीवों पर निर्भर जीवनशैली उन्हें 'अप्रिय' पक्षियों की पंक्ति में खड़ा कर देती है। किंतु यदि हम प्रकृति को उसके वास्तविक स्वरूप में समझने का प्रयास करें, तो यही गिद्ध हमें पृथ्वी के सबसे महत्वपूर्ण और कुशल सफाईकर्मी के रूप में दिखाई देते हैं, ऐसे प्रहरी जो बिना किसी पहचान या प्रशंसा के हमारे पर्यावरण को संतुलित बनाए रखने में सहायक होते हैं।

डॉ. कैलाश चन्द सैनी
वन्यजीव लेखक, जयपुर

जटायु और संपाती का गौरव

भारतीय संस्कृति और रामायण के अमर प्रसंगों में गिद्ध केवल पक्षी नहीं, बल्कि उच्च आदर्शों और त्याग के प्रतीक के रूप में प्रतिष्ठित हैं।

शौर्य और त्याग का प्रतीक

जब रावण माता सीता का हरण कर ले जा रहा था, तब वृद्ध जटायु ने ही अपनी क्षीण होती शक्ति की परवाह किए बिना उसका मार्ग रोका और वीरतापूर्वक युद्ध किया। यह केवल संघर्ष नहीं, बल्कि नारी-सम्मान की रक्षा का अद्वितीय उदाहरण था। भगवान राम द्वारा जटायु का अंतिम संस्कार स्वयं करना, इस पक्षी की श्रेष्ठता और त्याग का प्रमाण है। संपाती दूरदृष्टि का अद्भुत उदाहरण जटायु के ज्येष्ठ भ्राता संपाती ने अपनी असाधारण तीक्ष्ण दृष्टि से हजारों मील दूर लंका में सीता जी की उपस्थिति को पहचान लिया था। यह प्रसंग गिद्धों की उस विलक्षण दृष्टि-क्षमता की ओर संकेत करता है, जिसे आज का आधुनिक विज्ञान भी स्वीकार करता है। गिद्ध 3-4 किलोमीटर की ऊंचाई से भी धरती पर पड़े 3 फुट के मवेशी को भी देख लेता है।

पैरों पर विसर्जन: जीवन बचाने की एक अनूठी तकनीक

पहली नजर में यह व्यवहार विचित्र लगता है कि गिद्ध अपने ही पैरों पर मूत्र विसर्जन करते हैं, लेकिन यह कोई असामान्य आदत नहीं, बल्कि उनके लिए एक अत्यंत उपयोगी वैज्ञानिक प्रक्रिया है, जिसे यूरोहाइड्रोसिस कहा जाता है। गिद्धों के पास पसीने नि:सृत करने वाली ग्रंथियां नहीं होतीं। भीषण गर्मी में, जब अधिकांश जीव पसीने के माध्यम से शरीर का तापमान नियंत्रित करते हैं, ऐसे में पैरों पर तरल का विसर्जन 'वाष्पीकरण द्वारा शीतलन' का कार्य करता है, जो उनके शरीर को ठंडा रखता है।

प्राकृतिक सैनिटाइजर

सड़े-गले मांस के संपर्क में रहने से उनके पैरों पर अनेक हानिकारक जीवाणु चिपक जाते हैं। इनके मूत्र में उपस्थित अम्लीय तत्व इन जीवाणुओं को नष्ट कर देते हैं, जिससे संक्रमण का खतरा समाप्त हो जाता है। यह प्रक्रिया उन्हें एक प्रकार की प्राकृतिक रोग-प्रतिरोधक सुरक्षा प्रदान करती है।

सामाजिक सूचना तंत्र और ऊंची उड़ान

गिद्धों की उड़ान अद्वितीय है। वे हवा की गर्म धाराओं का उपयोग करते हुए बिना पंख फड़फड़ाए घंटों तक आकाश में मंडराते रहते हैं, जिससे ऊर्जा की अत्यधिक बचत होती है। इनका सामाजिक व्यवहार भी अत्यंत रोचक है। एक गिद्ध जब मृत पशु देखता है, तो किसी ऊंचे वृक्ष पर बैठकर विशेष प्रकार से 'चैंव-चैंव' की आवाज निकालते हुए गर्दन घुमाकर कुछ संकेत करता है। इस संकेत में यह सूचना होती है कि मरे हुए पशु की किस्म, स्थान और कितने गिद्धों के लिए भोजन उपलब्ध है। इस आवाज को जो भी दूसरा गिद्ध सुनता है, वह उसी तरह का संकेत अपने पीछे वाले गिद्धों के लिए भी कर देता है। भोजन की मात्रा के अनुसार गिद्ध एकत्र होने पर सबसे पहले खबर देने वाले को आगे चलने का सम्मान देते हैं, क्योंकि उसे उस पशु के मांस का सबसे नरम भाग खाने का अधिकार होता है। ऐसी सामाजिकता और न्यायप्रिय उदारता यदि मनुष्यों में भी होती, तो समाज में लूट-खसोट न होती।

सुदृढ़ पाचन शक्ति: प्रकृति की जैविक प्रयोगशाला

गिद्धों का पाचन तंत्र किसी चमत्कार से कम नहीं। उनके पेट में मौजूद प्रबल अम्ल एंथ्रेक्स, हैजा और बोटुलिज्म जैसे खतरनाक बैक्टीरिया को भी नष्ट कर देता है। वास्तव में, वे प्रकृति की जैविक प्रयोगशाला हैं, जो मृत शवों का निस्तारण कर पर्यावरण को संक्रमण मुक्त बनाए रखते हैं।

पारिस्थितिकी संकट और संरक्षण

भारत में एक समय गिद्धों की संख्या में तीव्र गिरावट देखी गई, जिसका मुख्य कारण पशुओं में प्रयुक्त दवा दर्द निवारक दवा डाइक्लोफेनाक था। इस दवा के अवशेष वाले मृत पशुओं को खाने से गिद्धों की मृत्यु होने लगी। गिद्धों की कमी से पर्यावरण में सड़न और आवारा कुत्तों की संख्या बढ़ी, जिससे यह स्पष्ट हो गया कि वे केवल एक पक्षी नहीं, बल्कि एक संपूर्ण पारिस्थितिकी तंत्र के अभिन्न रक्षक हैं।

उपेक्षा से उपयोगिता की ओर

गिद्ध हमें यह गहरा संदेश देते हैं कि प्रकृति में कोई भी जीव अनावश्यक नहीं होता। उनका हर व्यवहार चाहे वह कितना ही असामान्य क्यों न लगे जीवन के संतुलन के लिए जरूरी होता है। वे गंदगी के बीच रहकर भी संसार को स्वच्छ बनाते हैं और मृत्यु के बीच रहकर भी जीवन की रक्षा करते हैं। वास्तव में, गिद्ध केवल सफाईकर्मी नहीं, बल्कि प्रकृति के ऐसे नेकनीयत रखने वाले नायक हैं, जो बिना किसी पहचान के हमारी पृथ्वी को सुरक्षित और पर्यावरण को स्वस्थ बनाए रखने में निरंतर लगे हुए हैं।

मरीन लाइफ

जाइंट आइसोपोड : गहरे समुद्र का अद्भुत सफाईकर्मी

विशाल आइसोपोड (Giant Isopod) समुद्र की गहराइयों में पाया जाने वाला एक बेहद अनोखा और रहस्यमय जीव है, जो देखने में जमीन पर पाए जाने वाले कीड़ों या जूं जैसे जीवों से मिलता-जुलता लगता है, लेकिन आकार में उनसे कहीं अधिक बड़ा होता है। सामान्यतः जहां स्थलीय कीट छोटे होते हैं, वहीं यह समुद्री जीव लगभग 16 इंच तक लंबा हो सकता है, जो इसे अपने वर्ग के जीवों में खास बनाता है। यह मुख्य रूप से समुद्र तल यानी डीप-सी (Deep Sea) में रहता है, जहां सूरज की रोशनी तक नहीं पहुंच पाती और तापमान बेहद कम होता है। इतनी कठिन परिस्थितियों में जीवित रहना ही इसे एक अद्भुत जीव बनाता है। विशाल आइसोपोड का शरीर कठोर खोल से ढका होता है, जो इसे बाहरी खतरों से

बचाता है और इसके कई पैर होते हैं, जिनकी मदद से यह समुद्र की सतह पर धीरे-धीरे चलता है। यह जीव मांसाहारी प्रवृत्ति का होता है, लेकिन खुद शिकार करने की बजाय यह अधिकतर समुद्र में मरे हुए जीवों को खाकर जीवित रहता है, जिसे "स्कैवेंजिंग" कहा जाता है। समुद्र की गहराइयों में भोजन की कमी होती है, इसलिए यह जीव लंबे समय तक बिना खाए भी रह सकता है और जब इसे भोजन मिलता है, तो यह एक साथ अधिक मात्रा में खा लेता है।

इसकी सूंघने की क्षमता बहुत तेज होती है, जिससे यह दूर से ही मरे हुए जीवों का पता लगा लेता है। वैज्ञानिकों के लिए यह जीव खास रुचि का विषय है, क्योंकि यह हमें समुद्र के गहरे और कम खोजे गए हिस्सों के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी देता है। इसके अध्ययन से यह भी पता चलता है कि पृथ्वी पर जीवन कितनी कठिन परिस्थितियों में भी संभव है। विशाल आइसोपोड न केवल समुद्री पारिस्थितिकी तंत्र का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है, बल्कि यह प्रकृति की अद्भुत विविधता और अनुकूलन क्षमता का भी बेहतरीन उदाहरण प्रस्तुत करता है। इसके अलावा, यह जीव अत्यधिक दबाव (pressure) वाली परिस्थितियों में भी आसानी से जीवित रह सकता है, जहां सामान्य जीवों का टिक पाना कठिन होता है। इसकी धीमी जीवनशैली और ऊर्जा बचाने की क्षमता इसे लंबे समय तक जीवित रहने में मदद करती है। वैज्ञानिकों का मानना है कि यह जीव लाखों वर्षों से लगभग उसी रूप में मौजूद है, जिससे यह 'जीवित जीवाश्म' (living fossil) जैसा प्रतीत होता है। गहरे समुद्र में इसकी उपस्थिति यह दर्शाती है कि प्रकृति ने हर परिस्थिति के अनुसार जीवन को ढालने की अद्भुत क्षमता विकसित की है।

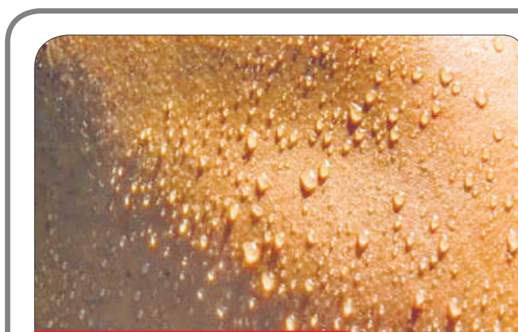

वैज्ञानिक फैक्ट

क्यों आता है हमें पसीना

पसीना आना एक सामान्य शारीरिक प्रक्रिया है, जो हमारे शरीर को स्वस्थ और संतुलित बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। जब शरीर का तापमान बढ़ता है, तो उसे नियंत्रित करने के लिए शरीर पसीना छोड़ता है। यह प्रक्रिया शरीर की प्राकृतिक कूलिंग सिस्टम की तरह काम करती है।

मानव शरीर में लाखों स्वेद ग्रंथियां होती हैं, जो त्वचा के माध्यम से पसीना बाहर निकालती हैं। जब हम गर्म वातावरण में होते हैं, व्यायाम करते हैं या तनाव महसूस करते हैं, तो हमारा मस्तिष्क शरीर को ठंडा रखने के लिए इन ग्रंथियों को सक्रिय कर देता है। पसीना त्वचा पर आकर वाष्पित होता है, जिससे शरीर का तापमान कम हो जाता है। सौभाग्य से, शरीर में तापमान को महसूस करने और नियंत्रित करने के लिए बहुत ही परिष्कृत तंत्र मौजूद हैं। जैसे ही आपके शरीर का आंतरिक तापमान बढ़ने लगता है, आपका हाइपोथैलेमस (आपके मस्तिष्क का एक छोटा सा क्षेत्र) आपके पूरे शरीर में फैली हुई एक्राइन पसीना ग्रंथियों को बताता है कि पसीना उत्पन्न करके आपको ठंडा करने का समय आ गया है।

हालांकि शरीर को ठंडा करना सिर्फ पसीने के टपकने जितना आसान नहीं है। इस प्रक्रिया के लिए पसीने का कुछ हिस्सा त्वचा से वाष्पित होना जरूरी है। ऐसा इसलिए है, क्योंकि पसीने के जरिए शरीर को ठंडा करने की प्रक्रिया भौतिकी के एक सिद्धांत पर आधारित है, जिसे 'वाष्पीकरण की ऊष्मा' कहा जाता है। पसीने को त्वचा से वाष्पित करने के लिए ऊर्जा की आवश्यकता होती है और वह ऊर्जा ऊष्मा है। शरीर की अतिरिक्त ऊष्मा पसीने की बूंदों को वाष्प में परिवर्तित करने में उपयोग होने लगती है, जिससे आपको ठंडक महसूस होने लगती है।

पसीना आने के कई कारण हो सकते हैं। सबसे आम कारण है गर्मी या शारीरिक गतिविधि। इसके अलावा, भावनात्मक स्थिति जैसे डर, घबराहट या तनाव भी पसीना बढ़ा सकते हैं। आपने अक्सर देखा होगा कि परीक्षा या इंटरव्यू के समय हाथों में पसीना आने लगता है। यह भी शरीर की प्रतिक्रिया ही है। पसीने का एक और महत्वपूर्ण काम शरीर से विषैले तत्वों (toxins) को बाहर निकालना है। पसीने में ज्यादातर पानी और नमक होता है, लेकिन यह शरीर की सफाई में भी मदद करता है। कुछ लोगों को जरूरत से ज्यादा पसीना आता है, जिसे 'हाइपरहाइड्रोसिस' कहा जाता है। यह एक मेडिकल स्थिति हो सकती है, जिसमें व्यक्ति को बिना किसी खास कारण के भी अत्यधिक पसीना आता है। ऐसे मामलों में डॉक्टर से सलाह लेना जरूरी होता है। पसीने से कभी-कभी बदबू भी आती है, जो सीधे पसीने की वजह से नहीं, बल्कि त्वचा पर मौजूद बैक्टीरिया के कारण होती है। जब ये बैक्टीरिया पसीने के साथ प्रतिक्रिया करते हैं, तब गंध उत्पन्न होती है। पसीना आना कोई बीमारी नहीं, बल्कि शरीर की एक जरूरी प्रक्रिया है। यह हमें गर्मी से बचाता है, शरीर का तापमान नियंत्रित रखता है और स्वास्थ्य बनाए रखने में सहायक होता है। इसलिए पसीने को लेकर घबराने की जरूरत नहीं, बल्कि इसे शरीर की एक प्राकृतिक और लाभदायक क्रिया के रूप में समझना चाहिए।

इलाज में सहायक मस्तिष्क कोशिकाओं की आणविक क्रियाएं

आसान नहीं है दर्द को दूर करना। बिछुड़ने के गम और कारोबारी घाटे से अथवा चोट या घाव लगने के दर्द की न्यूरो-फिजियोलॉजी को समझना आसान बिल्कुल नहीं है। आयुर्वेद और भारत की लोकचिकित्सा में बहुत से दर्द निवारक तो बताए गए हैं, लेकिन अवसाद और इससे पैदा दर्द की मॉलिक्यूलर बायोलॉजी बिल्कुल अलग है। मध्यकाल में युद्धों के दौरान लगे घावों से पैदा दर्द के अहसास को दूर करने के लिए योद्धा लोग अक्सर अफीम को साथ रखते थे ताकि वे इसकी कुछ मात्रा के सेवन एक दवा के रूप में कर सकें। इनकी फार्माकोलॉजी और रासायनिक एवं इनके एक्टिंग मैकेनिज्म पर भी बहुत काम हुआ है। लोगों को अफीम के बारे में अमूमन मालूमात हैं, जो एक दर्दनिवारक नशीला पदार्थ है। शरीर विज्ञानियों ने शरीर के भीतर ही छिपे हुए कुदरती दर्दनिवारकों (बॉडीज ऑन नेचुरल ऑपिओइड्स) का पता लगाया है। इन सबको एंटागोनिस्ट कहा जाता है, जो मॉडर्न फार्माकोलॉजी की एक टर्म है। बात अफीमचियों द्वारा नशे के रूप में अफीम का सेवन करने की नहीं है। मॉडर्न क्लिनिकल फार्माकोलॉजी एक और विधा है, जिसमें दवा के असर को जीवों में देखा जाता है। सभी जीव इन कुदरती या शरीर द्वारा बनाए गए दर्द निवारकों को सिंथेसायिज करके लैब में बनाकर देखा जाता और फार्मूला सिद्ध होने के बाद इसे ड्रग इंडस्ट्री द्वारा बड़े स्तर पर एक प्रोडक्ट या दवा के रूप में उपलब्ध कराया जा सकता है। गोली या पेय के प्रति सभी लोग एक जैसी प्रतिक्रिया नहीं देते। दर्द निवारक की अधिक मात्रा, जैसे कि एस्पिरिन में मौजूद एक्टिव पुनर्प्राप्त रसायन एसिटिल सैलीसाइलिक एसिड जिसे सैलीसाइलिक एसिड से हासिल किया जाता है। इसके मॉलिक्यूल प्रोस्टाग्लैंडीन के स्राव को रोकते हैं, जो कि दर्द की अनुभूति के लिए एक मध्यस्थ कुदरती द्रव है।

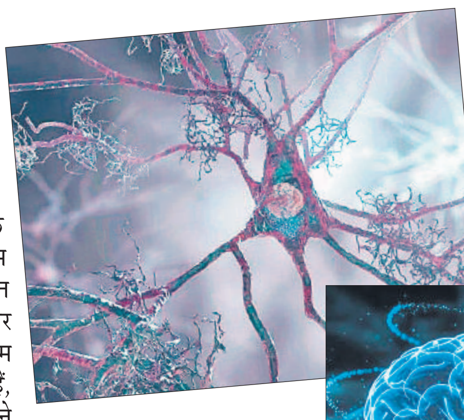

रणबीर सिंह
विज्ञान लेखक

प्रोस्टाग्लैंडिन लिपिड यौगिक होते हैं, जो ऊतक क्षति या संक्रमण वाले स्थानों पर स्थानीय रूप से उत्पन्न होते हैं। ये रासायनिक संदेशवाहक के रूप में कार्य करते हैं और सूजन, रक्त प्रवाह और प्रजनन जैसी शारीरिक प्रक्रियाओं को नियंत्रित करते हैं।

पारंपरिक हार्मोनों के विपरीत, प्रोस्टाग्लैंडिन आवश्यकता पड़ने पर शरीर में संश्लेषित होते हैं और आमतौर पर अपने उत्पादन स्थल के निकट ही कार्य करते हैं, साथ ही इनका अर्द्ध-जीवनकाल बहुत कम होता है। एस्पिरिन के काम करने के तरीके में साइक्लोऑक्सीजिनेज एंजाइमों, खास तौर पर साइक्लोऑक्सीजिनेज-1 और साइक्लोऑक्सीजिनेज-2 को हमेशा के लिए रोकना शामिल है। यह रुकावट एराकिडोनिक एसिड को प्रोस्टाग्लैंडीन और थ्रोम्बोक्सेन में बदलने से रोकती है। ये दोनों कई शारीरिक प्रक्रियाओं में शामिल होते हैं। साइक्लोऑक्सीजिनेज-1 के एक्टिव हिस्से में मौजूद एक सेरीन अवशेष को एसिटाइलेट करके, एस्पिरिन प्लेटलेट्स में थ्रोम्बोक्सेन ए-2 के बनने को रोक देती है, जिससे प्लेटलेट्स का जमा होना और खून के थक्के बनना कम हो जाता है। इसलिए हृदयाघात से पीड़ितों को एस्पिरिन की मामूली सी मात्रा नियमित तौर से लेने की सलाह दी जाती है। यह हमेशा रहने वाला असर प्लेटलेट की 7 से 10 दिनों तक की जिंदगी तक बना रहता है। एस्पिरिन द्वारा साइक्लोऑक्सीजिनेज-13 को रोकने की वजह से ही इसमें सूजन-रोधी, दर्द-निवारक और बुखार-रोधी गुण भी होते हैं। कम मात्रा में लेने पर, एस्पिरिन मुख्य रूप से प्लेटलेट्स में मौजूद साइक्लोऑक्सीजिनेज-1 पर असर डालती है, जिससे दिल की बीमारियों से सुरक्षा मिलती है, लेकिन ज्यादा मात्रा में लेने पर, यह साइक्लोऑक्सीजिनेज-2 को भी रोकती है, जिससे इसके सूजन-रोधी और दर्द-निवारक असर और भी बढ़ जाते हैं।

प्रख्यात विज्ञान पत्रिका साइंस में छपी एक स्टडी के मुताबिक, साइंटिस्ट्स ने ब्रेन की एक ऐसी प्रक्रिया को ईजाद किया है, जिससे मालूम होता है कि कुछ लोगों में क्रोनिक दर्द से डिप्रेशन क्यों होता है, लेकिन दूसरों में नहीं। ये नतीजे इस सोच को चुनौती देते हैं कि लंबे समय तक दर्द से डिप्रेशन होना तय है। जानवरों पर स्टडी के साथ-साथ इंसानों में बड़े पैमाने पर ब्रेन इमेजिंग का इस्तेमाल करके, टीम ने पाया कि लगातार दर्द हिप्पोकैंपस में धीरे-धीरे बदलाव लाता है। यह ब्रेन का एक हिस्सा जो याददाश्त में अपनी भूमिका के लिए सबसे ज्यादा जाना जाता है। ये बदलाव इस बात पर असर डालते हैं कि कोई व्यक्ति समय के साथ डिप्रेशन में जाता है या इमोशनली मजबूत रहता है।

यूनिवर्सिटी ऑफ वारविक के प्रोफेसर जियानफेंग फेंग ने बताया है कि क्रोनिक दर्द अक्सर डिप्रेशन या एंग्जायटी में बदल जाता है, लेकिन अब तक हम यह नहीं समझ पाए हैं कि ऐसा कुछ लोगों के साथ क्यों होता है और दूसरों के साथ नहीं। शोध के नतीजों से पता चलता है कि हिप्पोकैंपस एक कंट्रोल सेंटर की तरह काम करता है, जो ब्रेन को लंबे समय तक दर्द के प्रति इमोशनल रिस्पॉन्स को रेगुलेट करने में मदद करता है। डिप्रेशन होना इस बात पर निर्भर करता है कि यह सिस्टम समय के साथ कैसे रिस्पॉन्स देता है।

एडल्ट्स को प्रभावित करता क्रोनिक दर्द

क्रोनिक दर्द दुनियाभर में 20 प्रतिशत से ज्यादा एडल्ट्स को प्रभावित करता है और यह एंग्जायटी और डिप्रेशन से बहुत ज्यादा जुड़ा हुआ है, लेकिन लगातार दर्द वाले कई लोगों में ये दिक्कतें कभी नहीं होतीं और इस अंतर के पीछे के बायोलॉजिकल कारण अभी भी साफ नहीं है। इसका पता लगाने के लिए, रिसर्चर्स ने यूनाइटेड किंगडम के बायोबैंक समेत बड़े पॉपुलेशन डेटासेट से ब्रेन स्कैन की जांच की। जिन लोगों को क्रोनिक दर्द था और जिनमें डिप्रेशन नहीं हुआ, उनका हिप्पोकैंपल वॉल्यूम थोड़ा बड़ा था और इस हिस्से में एक्टिविटी ज्यादा थी। उन्होंने कुछ सीखने और याद रखने वाले कामों में भी बेहतर परफॉर्म किया, जिससे पता चलता है कि ब्रेन शुरू में लगातार दर्द के हिसाब से ढल सकता है। इसके उलट, जिन लोगों को क्रोनिक दर्द और डिप्रेशन दोनों थे, उनमें हिप्पोकैंपल वॉल्यूम कम था, एक्टिविटी में रुकावट थी और कॉग्निटिव परफॉर्मेंस खराब थी। लंबे समय के डेटा से पता चला कि ये अंतर एक साथ दिखने के बजाय धीरे-धीरे सामने आते हैं।

बाजार	सेंसेक्स ↓	निफ्टी ↓
बंद हुआ	76,913.50	23,997.55
गिरावट	582.86	180.10
प्रतिशत में	0.75	0.74

सोना 1,54,800 प्रति 10 ग्राम

चांदी 2,42,700 प्रति किलो

अमृत विचार
कानपुर, शुक्रवार, 1 मई 2026
www.amritvichar.com

बिजनेस ब्रीफ

फोनपे के पंजीकृत उपयोगकर्ताओं की संख्या 70 करोड़ के पार

नई दिल्ली। ऑनलाइन भुगतान मंच फोनपे पर 29 अप्रैल 2026 तक कुल पंजीकृत उपयोगकर्ताओं की संख्या 70 करोड़ के आंकड़े को पार कर गई है। कंपनी ने कहा कि यह उपलब्धि भारत में उसके व्यापक पहुंच और भुगतान तथा वित्तीय सेवाओं के क्षेत्र में उसके डिजिटल मंच के विस्तार को दर्शाती है। यह उपभोक्ताओं के बढ़ते भरोसे, और भरोसेमंद डिजिटल भुगतान अनुभव पर कंपनी के लगातार ध्यान को भी प्रतिबिंबित करती है। कंपनी के अनुसार, पहले 10 लाख उपयोगकर्ताओं तक पहुंचने में उसे 136 दिन लगे थे, जबकि अब इतने ही नए उपयोगकर्ता जोड़ने में लगभग छह दिन लगते हैं।

20 एकड़ का परिसर बनाएगी इन्फोसिस

अमरावती। सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र की प्रमुख कंपनी इन्फोसिस ने विशाखापत्तनम में 20 एकड़ में स्थायी परिसर स्थापित करने की योजना की घोषणा की है, जो इस क्षेत्र की आर्थिक एवं प्रौद्योगिकी संभावनाओं में उसके विश्वास को दर्शाता है। कंपनी की बृहस्पतिवार को जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, यह सुविधा 7,000 पेशेवरों का संभालने की क्षमता के हिसाब से तैयार की जाएगी। इसमें कहा गया कि पिछले दो वर्ष में बंदरगाह शहर विशाखापत्तनम में इन्फोसिस की वृद्धि तेज रही है जहां कर्मचारियों की संख्या 250 से बढ़कर 1,900 हो गई है। निकट भविष्य में अतिरिक्त 750 पद सृजित होंगे।

सुनील राव बने रोब्लॉक्स भारत इकाई के नए एमडी

नई दिल्ली। गेमिंग कंपनी रोब्लॉक्स ने सुनील राव को भारत इकाई का प्रबंध निदेशक (एमडी) नियुक्त किया है। कंपनी ने गुरुवार को यह जानकारी दी। राव देश में रोब्लॉक्स के वरिष्ठ प्रतिनिधि एवं बाजार प्रमुख के रूप में कार्य करेंगे। वे स्थानीय दलों और भागीदारों के साथ मिलकर भारत में कंपनी की रणनीति के दैनिक क्रियान्वयन की जिम्मेदारी संभालेंगे। राव मई में कंपनी से जुड़ेंगे।

बड़े शहरों में 20% तक बढ़े फ्लैट के दाम

नई दिल्ली। बढ़ती निर्माण लागत के बीच देश के सात प्रमुख शहरों में जनवरी-मार्च तिमाही में फ्लैट के दाम सालाना आधार पर आठ से लेकर 20 प्रतिशत तक बढ़ गए। संपत्ति सलाहकार फर्म जेएलएल इंडिया ने गुरुवार को जारी रिपोर्ट में कहा कि बीती तिमाही में फ्लैट की बिक्री आठ प्रतिशत बढ़कर 70,631 इकाई हो गई, जो एक साल पहले 65,222 इकाई थी। वहीं, नए घरों की आपूर्ति 13 प्रतिशत बढ़कर 90,023 इकाई हो गई। गणना में दिल्ली-एनसीआर, मुंबई, बेंगलुरु, पुणे, चेन्नई, हैदराबाद और कोलकाता शामिल हैं।

जन-धन खातों में 64,000 करोड़ की जमा के साथ शीर्ष पर उत्तर प्रदेश

देशभर में जन-धन खातों में कुल जमा राशि का 18 प्रतिशत है यूपी के खातों में

नई दिल्ली, एजेंसी

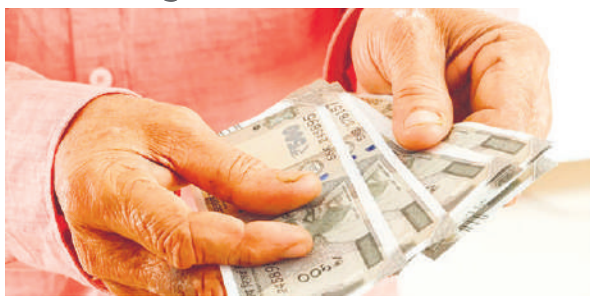

- बिजनेस कॉरेस्पोंडेंट नेटवर्क का संचालन करने वाली बीएलएस ई-सर्विसेज ने जारी किए आंकड़े
- दो दूसरे नम्बर पर हैं बिहार और पश्चिम बंगाल, जहां 30,000-30,000 करोड़ रुपये जमा हैं

वित्तीय समावेश को बढ़ावा देने वाली प्रधानमंत्री जन-धन योजना (पीएमजेडीवाई) के तहत खुले खातों और जमा राशि के मामले में उत्तर प्रदेश देश में सबसे आगे है। राज्य में इस साल अप्रैल तक 10.32 करोड़ जन-धन खातों में करीब 64,000 करोड़ रुपये जमा हैं, जो कुल जमा का लगभग 18 प्रतिशत है। एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है।

बैंक प्रतिनिधि (बिजनेस कॉरेस्पोंडेंट) नेटवर्क का संचालन करने वाली बीएलएस ई-सर्विसेज लिमिटेड की तरफ से जारी आंकड़ों के अनुसार, देशभर में जन-धन खातों में कुल जमा राशि अप्रैल 2026 तक बढ़कर लगभग 3.07 लाख करोड़ रुपये हो गई है।

आंकड़ों के अनुसार, आठ अप्रैल 2026 तक जन-धन खातों की कुल संख्या बढ़कर 58.06 करोड़ हो गई जो अप्रैल 2025 में 55.28 करोड़ और अप्रैल 2024 में 52.01 करोड़ थी। जमा राशि में भी इसी अनुपात में बढ़ोतरी देखी गई है।

अप्रैल 2024 के 2.34 लाख करोड़ रुपये से बढ़कर यह अप्रैल 2026 में 3.07 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गई है।

प्रधानमंत्री जन धन योजना, भारत सरकार का एक प्रमुख वित्तीय कार्यक्रम है। इसके तहत शून्य राशि यानी बिना किसी रकम के बैंक खाते खोले जाते हैं। इसका उद्देश्य हर परिवार को बैंकिंग सेवा से जोड़ना है। रिपोर्ट के अनुसार, उत्तर प्रदेश में खोले गए कुल 10.32 करोड़ जन-धन खातों में करीब 64,000 करोड़ रुपये जमा हैं। यह कुल जमा का लगभग 18 प्रतिशत है। उसके बाद बिहार और पश्चिम बंगाल का स्थान है, जहां क्रमशः 30,000-30,000 करोड़ रुपये जमा हैं।

बीएलएस ई-सर्विसेज के मुख्य परिचालन अधिकारी (सीओओ) लोकनाथ पांडा ने कहा कि बिजनेस कोरेस्पोंडेंट केंद्र अब बैंक शाखाओं के प्रभावी विस्तार के रूप में कार्य कर रहे हैं। इससे न केवल ग्राहकों की भागीदारी बढ़ी है, बल्कि वित्तीय समावेश के प्रति लोगों का भरोसा भी मजबूत हुआ है।

अन्य बड़े राज्यों की स्थिति

राजस्थान (24,000 करोड़ रुपये), महाराष्ट्र (22,000 करोड़ रुपये) और मध्य प्रदेश (19,000 करोड़ रुपये) के साथ कर्नाटक, ओडिशा, झारखंड और गुजरात जैसे राज्यों में भी खातों की सक्रियता में तेजी दर्ज की गई है।

जमा में यह बढ़ोतरी बैंक प्रतिनिधि नेटवर्क में तेजी से विस्तार का नतीजा है। बिजनेस कॉरेस्पोंडेंट सेंटर बैंक का ऐसा सेवा केंद्र होता है जहां बैंक की शाखा न होते हुए भी बैंकिंग सुविधाएं उपलब्ध कराई जाती हैं। इसके कारण बैंकिंग सेवाओं को गांवों और दूर-दराज क्षेत्रों तक पहुंचाने में मदद मिली है।

कच्चे तेल में उबाल से फिसला शेयर बाजार, सेंसेक्स 583 अंक टूटा

मुंबई, एजेंसी

- 1,237.5 अंक तक लुढ़कने बाद दोपहर के सत्र में संभला
- निफ्टी भी 180 अंक गिरकर 23,997.55 अंक पर बंद हुआ

कच्चे तेल के ऊंचे स्तर, कमजोर वैश्विक रुख और विदेशी निवेशकों की बिकवाली के बीच घरेलू शेयर बाजार बृहस्पतिवार को गिरकर बंद हुए। सेंसेक्स करीब 583 अंक नुकसान में रहा जबकि निफ्टी 180 अंक टूट गया। बीएसई का 30 शेयरों वाला मानक सूचकांक सेंसेक्स 582.86 अंक यानी 0.75 प्रतिशत टूटकर 76,913.50 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 1,237.5 अंक तक लुढ़क गया था लेकिन दोपहर के सत्र में कुछ संभल गया। वहीं, एनएसई का 50 शेयरों वाला मानक सूचकांक निफ्टी 180.10 अंक यानी 0.74 प्रतिशत गिरकर 23,997.55 पर बंद हुआ।

एशिया के अन्य बाजारों में दक्षिण कोरिया का कॉस्पी, जापान का निक्की और हांगकांग का हैंग सेंग एक प्रतिशत से अधिक टूटकर बंद हुए, जबकि चीन का शंघाई कंपोजिट मामूली बढ़त के साथ बंद हुआ। यूरोपीय बाजार मिलेजुले रुख के साथ कारोबार कर रहे थे। अमेरिकी बाजार बुधवार को ज्यादातर गिरावट के साथ बंद हुए थे।

बढ़त के साथ बंद हुए शेयर :- सन फार्मा, इन्फोसिस, बजाज फाइनेंस और अदाणी पोर्ट्स के शेयरों में बढ़त दर्ज की गई।

नुकसान में रहे शेयर :- हिंदुस्तान यूनिलीवर, टाटा स्टील, लार्सन एंड टुब्रो, अल्ट्राटेक सीमेंट और महिंद्रा एंड महिंद्रा के शेयर नुकसान में रहे।

स्माल कैप 0.58% और मिडकैप 0.84% फिसला

मझोली कंपनियों का बीएसई मिडकैप सेलेक्ट सूचकांक 0.84 प्रतिशत के नुकसान में रहा जबकि छोटी कंपनियों के स्मालकैप सेलेक्ट सूचकांक में 0.58 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। क्षेत्रवार सूचकांकों में धातु खंड को सर्वाधिक 2.13 प्रतिशत का नुकसान उठाना पड़ा। पीएसयू बैंक खंड में 1.66 प्रतिशत, रियल्टी खंड में 1.44 प्रतिशत और जिंस खंड में 1.36 प्रतिशत की गिरावट देखी गई।

- विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने बुधवार को 2,468.42 करोड़ रुपये मूल्य के शेयरों की शुद्ध बिकवाली की।

लाइवलॉन्ग वेल्थ के संस्थापक एवं शोध विश्लेषक हरिप्रसाद के. ने कहा कि शुरुआत में घबराहट भरी बिकवाली के बाद बाजार में सुधार देखने को मिला। हालांकि पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव ने निवेशकों की धारणा को प्रभावित किया। रेलिगेयर ब्रोकिंग के वरिष्ठ उपाध्यक्ष (अनुसंधान) अजीत मिश्रा ने कहा कि यह गिरावट मुख्य रूप से कच्चे तेल में आए तेज उछाल की वजह से आई।

सरकारी बैंकों में एक साल में हुईं 50 हजार नयी भर्तियां

नई दिल्ली, एजेंसी

सरकारी क्षेत्र के बैंकों के परिचालन को मजबूत बनाने के लिए कर्मचारियों की संख्या पर्याप्त रूप से बढ़ाने की रणनीति के तहत वित्त वर्ष 2025-26 में 50,000 से ज़्यादा उम्मीदवारों का चयन किया गया जो इससे पिछले साल से 33 प्रतिशत अधिक है। ये नियुक्तियां बैंक कर्मी चयन संस्थान (आईबीपीएस) के जरिये की जाती हैं।

वित्त मंत्रालय ने गुरुवार को जारी एक एक विज्ञप्ति में बताया कि उसके वित्तीय सेवा विभाग ने सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों में मानव संसाधन क्षमता को मज़बूत करने के लिए लगातार और लक्षित उपाय किए हैं। ये उपाय कर्मचारियों की संख्या को संतुलित तरीके से बढ़ाने, काम करने के तरीके को बेहतर बनाने और शासन-केंद्रित सुधारों के ज़रिए किए जा रहे हैं। सरकारी बैंकों में संस्थान के जरिये होने वाली ये भर्तियां इसमें शामिल बैंकों के कर्मचारियों से जुड़ी खास ज़रूरतों के हिसाब से होती है। यह केंद्रीकृत और मानकीकृत ढांचा, चयन प्रक्रिया में पारदर्शिता और कुशलता सुनिश्चित करता है।

विज्ञप्ति में सरकारी बैंकों से प्राप्त जानकारी के आधार पर बताया गया है कि 2025-26 में सरकारी बैंकों में कुल 50,552 उम्मीदवारों का चयन हुआ है और उन्हें नौकरी के प्रस्ताव के पत्र जारी किए गए हैं। यह बैंकिंग क्षेत्र की बढ़ती व्यावसायिक ज़रूरतों को पूरा करने के लिए कर्मचारियों की संख्या में हुई एक बड़ी बढ़ोतरी को दिखाता है। वर्ष 2023-24 में यह संख्या 30,827 थी, जो अब बढ़कर 37,860 हो गई।

समाधान योजनाओं को एनसीएलटी की मंजूरी में देरी पर सुप्रीम कोर्ट ने लिया संज्ञान

नई दिल्ली, एजेंसी

कहा-यह गंभीर स्थिति, युद्धस्तर पर नहीं हुआ समाधान तो दिवाला कानून का उदद्देश्य ही विफल हो जाएगा

उच्चतम न्यायालय ने राष्ट्रीय कंपनी विधि न्यायाधिकरण (एनसीएलटी) में समाधान योजनाओं की मंजूरी में हो रही देरी पर स्वतः संज्ञान लेते हुए स्थिति को 'गंभीर' बताते हुए कहा है कि इस समस्या का युद्धस्तर पर समाधान नहीं हुआ तो दिवाला कानून का उद्देश्य ही विफल हो जाएगा।

न्यायमूर्ति जे. बी. पारदीवाला और न्यायमूर्ति के. वी. विश्वनाथन की पीठ ने बुधवार को देशभर की एनसीएलटी पीठों में स्टाफ और बुनियादी ढांचे की कमी को भी रेखांकित किया। इसके साथ ही पीठ ने निर्देश दिया कि मामले को मुख्य न्यायाधीश सूर्य कांत के समक्ष रखा जाए ताकि इसे उचित पीठ को सौंपा जा सके।

शीर्ष अदालत में एनसीएलटी की प्रधान पीठ की तरफ से रखी गई रिपोर्ट के मुताबिक, देशभर में 383 आवेदन समाधान योजनाओं की मंजूरी के लिए लंबित हैं, जिनमें देरी एक महीने से लेकर 700 दिनों से अधिक तक की है।

दिवाला एवं शोधन अक्षमता संहिता (आईबीसी) के तहत किसी ऋणग्रस्त कंपनी को उबारने के लिए कर्ज समाधान योजना पेश की जाती है। इसमें आमतौर पर कंपनी के पुनर्गठन, कर्ज के पुनर्समायोजन या अधिग्रहण के जरिए उसके कारोबार को फिर से पटरी पर लाने की योजना शामिल होती है।

शीर्ष अदालत ने यह आदेश 2023 में राष्ट्रीय कंपनी विधि अपीलीय न्यायालय (एनसीएलएटी) के एक आदेश के खिलाफ दायर दो याचिकाओं की सुनवाई के दौरान दिया। उच्चतम न्यायालय ने 16 अप्रैल को सुनवाई के दौरान एनसीएलटी से देशभर में लंबित मामलों, उनकी अवधि और देरी के कारणों का विवरण मांगा था।

इसके साथ ही भारतीय दिवाला एवं ऋणशोधन अक्षमता बोर्ड को भी मामले में पक्षकार बनाते हुए आवश्यक आंकड़े उपलब्ध कराने का निर्देश दिया गया था।

अब इंडिया पोस्ट पेमेन्ट्स बैंक में स्वयं सहायता समूह खोल सकते हैं बचत खाता

नई दिल्ली, एजेंसी

डाक विभाग के अंतर्गत आने वाले सरकार के पूर्ण स्वामित्व वाले इंडिया पोस्ट पेमेन्ट्स बैंक ने स्वयं सहायता समूह बचत खाता आरंभ करने की गुरुवार को घोषणा की। डाक विभाग का कहना है कि इससे ग्रामीण क्षेत्र में वित्तीय समावेशन बढ़ाना और महिला नेतृत्व वाले स्वयं सहायता समूहों को बल मिलेगा।

आईपीपीबी के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी आर विश्वेश्वरन ने कहा कि बैंक का डोरस्टेप बैंकिंग मॉडल (ऐसी सेवा जिसके तहत बैंक अपने ग्राहकों को बैंक शाखा में आए बिना, उनके घर या कार्यस्थल पर ही बैंकिंग सुविधाएं प्रदान करते हैं) और डिजिटल बुनियादी ढांचे द्वारा हमारा लक्ष्य स्वयं सहायता समूहों को औपचारिक वित्तीय व्यवस्था में अधिक सक्रिय रूप से भाग लेने और सतत आर्थिक विकास को गति देने में सक्षम बनाना है।

इंडिया पोस्ट पेमेन्ट्स बैंक स्वयं सहायता समूह बचत खाता योजना के अंतर्गत न्यूनतम प्रारंभिक जमा राशि तथा मासिक औसत शेष राशि की आवश्यकता नहीं होगी। पर इस सुविधा पर राशि सीमा 2 लाख रुपये लागू होगी। लागू बचत दरों के अनुसार त्रैमासिक ब्याज भुगतान किया जाएगा। नकद जमा और निकासी, प्रति माह खाता विवरण, खाता बंद करने, तथा क्यूआर कार्ड जारी करने जैसी सुविधाओं के लिए कोई शुल्क नहीं लगेगा।

एफडीआई नियमों में ढील पर अधिसूचना जल्द

नयी दिल्ली, एजेंसी

- चीनी हिस्सेदारी वाली विदेशी कंपनियों को होगा फायदा

सरकार 10 प्रतिशत तक चीनी हिस्सेदारी वाली विदेशी कंपनियां के लिए प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) नियमों में ढील से जुड़े फैसले को जल्द अधिसूचित करेगी। एक वरिष्ठ सरकारी अधिकारी ने गुरुवार को कहा कि अधिसूचना विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम (फेमा) के तहत जारी की जाएगी, जिसके बाद संशोधित प्रावधान लागू हो जाएंगे।

मार्च में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 2020 में जारी प्रेस नोट-3 को संशोधित करने की मंजूरी दी थी। इस संशोधन के तहत 10 प्रतिशत तक चीनी हिस्सेदारी वाली विदेशी कंपनियां को विभिन्न क्षेत्रों में स्वचालित मार्ग के तहत भारत में निवेश की अनुमति होगी। हालांकि यह राहत उन संस्थाओं पर लागू नहीं होगी जो चीन/हांगकांग या भारत से भूमि सीमा साझा करने वाले अन्य देशों में पंजीकृत हैं। सरकार ने यह भी निर्णय लिया है कि पूंजीगत वस्तुओं, इलेक्ट्रॉनिक पूंजीगत वस्तुओं, इलेक्ट्रॉनिक घटकों, पॉलिसिलिकॉन और इंगट-वाफर जैसे विनिर्माण क्षेत्रों में आने वाले प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) प्रस्तावों का निपटान 60 दिनों के भीतर किया जाएगा। सरकार के मुताबिक, मंत्रिमंडलीय सचिव की अध्यक्षता वाली समिति द्वारा जिन अन्य क्षेत्रों या गतिविधियों को जोड़ा जाएगा, वे भी इस दायरे में आएंगे।

उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) ने इन बदलावों को अधिसूचित कर दिया है, लेकिन आर्थिक मामलों के विभाग (डीईए) ने अभी तक फेमा कानून के तहत अधिसूचना जारी नहीं की है।

एफडीआई 90 अरब डॉलर के पार जाने की उम्मीद

डीपीआईआईटी के सचिव अमरदीप सिंह भाटिया ने कहा कि समूचे वित्त वर्ष 2025-26 में कुल एफडीआई के 90 अरब डॉलर के पार पहुंच जाने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि सुधारात्मक उपाय, मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) और तेजी से बढ़ती आर्थिक वृद्धि देश को अच्छा निवेश आकर्षित करने में मदद कर रही है।

जल्द ही ऋण गारंटी के साथ बिना कुछ गिरवी रखे मिल सकेगा कर्ज

नई दिल्ली, एजेंसी

- कंपनियों के लिए कर्ज गारंटी को लेकर ईसीएलजीएस जैसी व्यवस्था पर काम जारी

सरकार पश्चिम एशिया संकट के बीच कंपनियों के लिए आपात ऋण सुविधा गारंटी योजना (ईसीएलजीएस) जैसी व्यवस्था शुरू करने पर विचार कर रही है। इसके तहत कर्ज गारंटी और बिना कुछ गिरवी रखे कर्ज उपलब्ध कराया जा सकता है। एक अधिकारी ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी।

सरकार ने 2020 में आत्मनिर्भर भारत अभियान के तहत आपात ऋण सुविधा गारंटी योजना शुरू की थी। इसका उद्देश्य कोविड-19 वैश्विक महामारी से प्रभावित सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उद्यमों (एमएसएमई) और अन्य पात्र इकाइयों को परिचालन दायित्वों को पूरा करने तथा कारोबार फिर शुरू करने में सहायता देना था।

उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग में अतिरिक्त सचिव अतीश कुमार सिंह ने यहां आयोजित 'सीआईआई एमएसएमई लीडरशिप समिट 2026' को संबोधित करते हुए कहा कि ईसीएलजीएस जैसी व्यवस्था लाने पर विचार जारी है जिसमें बिना कुछ गिरवी रखे ऋण, ऋण गारंटी, कर्ज पुनर्गठन और ऋण स्थगन शामिल हो सकती हैं।

कच्चे माल की खरीद के लिए एनएसआईसी (राष्ट्रीय लघु उद्योग निगम लि.) कार्यक्रम के तहत भी काम जारी है। इसके अलावा भारतीय रिजर्व बैंक और अन्य नियामकों से कुछ नियामकीय राहत देने पर भी विचार किया जा रहा है। सिंह ने उद्योग से इन प्रस्तावित उपायों पर प्रतिक्रिया भी मांगी।

पहले लागू आपात ऋण गारंटी योजना में लगभग सभी आर्थिक क्षेत्र शामिल थे और इसके तहत सदस्य ऋण संस्थानों द्वारा दिए गए ऋण पर 100 प्रतिशत गारंटी दी जाती थी।

दस साल, बेमिसाल : यूपीआई बना दुनिया का सबसे बड़ा तत्काल डिजिटल भुगतान मंच

नई दिल्ली, एजेंसी

कहीं से कहीं को तत्काल भुगतान करने की सुविधा मुठ्ठी में पड़े मोबाइल फोन के जरिए आम लोगों तक पहुंचने वाली यूपीआई (यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस) नाम की खोज ने बाजार में अपने 10 साल पूरे कर लिये हैं और देखते ही देखते यह ऐप आधारित भुगतान के क्षेत्र में दुनिया का सबसे बड़ा प्लेटफार्म बन गयी है।

भारतीय रिज़र्व बैंक की देखरेख में नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ़ इंडिया ने 11 अप्रैल 2016 को इसका लोकार्पण किया था। एक दशक में यह भारत में डिजिटल पेमेंट्स के पारिस्थितकी तंत्र की रीढ़ बन गया है। इस तरह की अवधारणा को भारत जैसे देश में आम लोगों द्वारा अपनाये जाने को लेकर पहले की तमाम दुविधाओं और आशंकाओं को गलत सिद्ध करते हुए यूपीआई वित्तीय समावेशन का एक अहम ज़रिया बनकर उभरा है।

वित्त मंत्रालय की रिपोर्ट के अनुसार यूपीआई के जरिये 2016-17 में जहां सिर्फ़ दो करोड़ ट्रांज़ैक्शन हुए थे। वर्ष 2025-26 में यह संख्या 24,162 करोड़ से ज़्यादा, यानी लगभग 12,000 गुना ज्यादा हो गयी। इसी दौरान ट्रांज़ैक्शन का मूल्य भी वित्त वर्ष 2016-17 में सात हजार करोड़ रुपये से तेज़ी से बढ़कर वित्त वर्ष 2025-26 में लगभग 314 लाख करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया।

विकास | 'पहाड़ी क्षेत्रों में मजबूत राष्ट्रीय राजमार्ग बुनियादी ढांचे' पर बोले केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी

हिमालयी क्षेत्र में जलवायु अनुकूल सड़क ढांचे का विकास बड़ी चुनौती

नई दिल्ली, एजेंसी

अब पहाड़ी क्षेत्रों में सड़क निर्माण शुरू करने से पहले ढलानों को मजबूत करना जरूरी किया गया है, ताकि सड़कें लंबे समय तक सुरक्षित और टिकाऊ रह सकें

केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने बृहस्पतिवार को कहा कि भौगोलिक रूप से संवेदनशील हिमालयीय क्षेत्र में जलवायु अनुकूल सड़क बुनियादी ढांचा विकसित करना जटिल भौगोलिक परिस्थितियों, ढलानों की अस्थिरता और बार-बार आने वाली प्राकृतिक आपदाओं के कारण एक बड़ी चुनौती बनी हुई है।

'पहाड़ी क्षेत्रों में मजबूत राष्ट्रीय राजमार्ग बुनियादी ढांचे' विषय पर आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए श्री गडकरी ने कहा कि सरकार वैश्विक सर्वोत्तम गतिविधियों और अत्याधुनिक प्रौद्योगिकियों को अपनाकर इस दिशा में निरंतर प्रयास कर रही है। मंत्री ने बताया कि उत्तराखंड और अरुणाचल प्रदेश में भूस्खलन की समस्या से निपटने के लिए टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड के साथ समझौता किया गया है।

वहीं, सुरंग और सड़क परियोजनाओं के लिए भू-वैज्ञानिक जांच और आंकड़ों के आदान-प्रदान हेतु भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (जीएसआई) के साथ भी सहयोग किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय शिला यांत्रिकी संस्थान (एनआईआरएम) के साथ मिलकर परियोजनाओं की तकनीकी जांच, डिजाइन की पुष्टि, सुरंगों की सुरक्षा जांच और निगरानी जैसे काम किए जा रहे हैं। गडकरी ने बताया कि अब पहाड़ी क्षेत्रों में सड़क निर्माण शुरू करने से पहले ढलानों को मजबूत करना जरूरी किया गया है, ताकि सड़कें लंबे समय तक सुरक्षित और टिकाऊ रह सकें।

उन्होंने यह भी कहा कि भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, रुड़की को पहाड़ी ढलानों की अस्थिरता पर दिशा-निर्देश तैयार करने के लिए सहयोग दिया जा रहा है, जिसमें वास्तविक समय पर निगरानी प्रणाली का उपयोग होगा। उत्तराखंड में चारधाम मार्ग के करीब 100 किलोमीटर हिस्से में भूस्खलन की निगरानी और समय रहते चेतावनी देने के लिए आधुनिक तकनीक आधारित प्रणाली लगाने का भी समझौता किया गया है।

मंत्री ने कहा कि अब सड़क परियोजनाओं की योजना बनाते समय लिडार (लाइट डिटेक्शन एंड रेंजिंग) और यूएवी जैसी तकनीक का उपयोग कर विस्तृत सर्वे किया जा रहा है, ताकि भूस्खलन की संभावनाओं और पुराने आंकड़ों को ध्यान में रखकर बेहतर और सुरक्षित सड़कें बनाई जा सकें।

एफटीए से निर्यात और रोजगार के अवसर बढ़ेंगे: पीयूष गोयल

मुंबई, एजेंसी। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने बृहस्पतिवार को कहा कि पिछले साढ़े तीन वर्षों में भारत द्वारा अंतिम रूप दिए गए मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) घरेलू वस्तुओं को शुल्क-मुक्त पहुंच देने, देश के निर्यात को बढ़ावा देने और लाखों लोगों के लिए रोजगार सृजित करने में मदद करेंगे।

गोयल ने कहा कि भारत और न्यूजीलैंड ने हाल ही में एक व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। इसके तहत न्यूजीलैंड भारत में 20 अरब डॉलर (करीब दो लाख करोड़ रुपये) का निवेश करेगा। गोयल ने मुंबई में संवाददाताओं से कहा, "हम भारतीय उद्योग के लिए नए बाजार खोल रहे हैं और उन्हें प्रोत्साहन देने के लिए कदम उठा रहे हैं...।

वर्ल्ड ब्रीफ

दिल्ली में द्वारका गोल्फ कोर्स के तालाब में तीन बच्चों की डूबकर मौत

नई दिल्ली। द्वारका के सेक्टर 24 इलाके में स्थित एक गोल्फ कोर्स के तालाब में बृहस्पतिवार सुबह आठ से 10 साल की उम्र के तीन बच्चों की डूबने से मौत हो गई। घटना की सूचना मिलने पर द्वारका सेक्टर 23 थाने की पुलिस सुबह मौके पर पहुंची। दमकल विभाग सहित अन्य आपातकालीन सेवाओं को भी बुलाया गया। पुलिस ने बताया, गोल्फ कोर्स परिसर के अंदर तालाब में तीन बच्चों को मृत पाया गया। दमकल विभाग ने शवों को बाहर निकाला। बच्चों के कपड़े किनारे पर मिले, जिससे अनुमान है कि वे नहाने के लिए तालाब में उतरे होंगे। अभी मृतकों की पहचान नहीं हो पाई है। शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। घटनास्थल से साक्ष्य जुटाने के लिए फोरेंसिक टीम को भी बुलाया गया है।

धन शोधन मामले में आई पैक निदेशक विनेश चंदेल को जमानत

नई दिल्ली। दिल्ली की एक अदालत ने पश्चिम बंगाल में कथित कोयला घोटाले से जुड़े धन शोधन मामले में आई पैक के सह संस्थापक और निदेशक विनेश चंदेल को बृहस्पतिवार को जमानत दे दी। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश अमित बंसल ने कहा कि ईडी ने जमानत याचिका का विरोध नहीं किया। न्यायाधीश बंसल ने जमानत देते हुए कई शर्तें भी लगाई हैं। इससे पहले 14 अप्रैल को अदालत ने ईडी को चंदेल से 10 दिनों तक हिरासत में पूछताछ करने की अनुमति दी थी और कहा था कि यह मानने के पर्याप्त कारण हैं कि वह अपराध से अर्जित कई करोड़ रुपये की आय, हेरफेर आदि से जुड़ी गतिविधियों में सक्रिय रूप से शामिल थे। ईडी ने चंदेल को 13 अप्रैल को पूछताछ के बाद गिरफ्तार किया था।

नेपाल में बारिश के बीच जीप खाई में गिरने से 17 लोगों की मौत

काठमांडू। नेपाल के रोल्पा जिले में बृहस्पतिवार को एक जीप पहाड़ी सड़क से फिसलकर लगभग 700 मीटर गहरी खाई में जा गिरी। इस दुर्घटना में 17 लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि यह दुर्घटना थवांग ग्रामीण नगरपालिका के जलजाला क्षेत्र में हुई, जब बारिश के बीच वाहन कीचड़ भरे रास्ते पर फिसल गया और पहाड़ी से नीचे गिर गया। रोल्पा जिला पुलिस कार्यालय के सूचना अधिकारी सुनील थापा के अनुसार, शुक्रवार को जलजाला में आयोजित बैसाख पूर्णिमा उत्सव में भाग लेने जा रहे स्थानीय लोगों ने निजी जीप किराए पर ली थी।

विमान किराए में मनमानी वृद्धि मामले में टालमटोल पर केंद्र को कड़ी फटकार

तीन तारीखों के बाद भी शपथपत्र न देने और बार-बार वक्त मांगने का कारण बताना होगा

नई दिल्ली, एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने देश में निजी एयरलाइनों के विमान किरायों और अन्य शुल्कों में अप्रत्याशित उतार-चढ़ाव को सुव्यवस्थित करने संबंधी नियामक दिशानिर्देशों का अनुरोध करने वाली एक याचिका पर हलफनामा दाखिल नहीं करने को लेकर बृहस्पतिवार को केंद्र सरकार को कड़ी फटकार लगाई। न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ ने सख्त कदम उठाते हुए केंद्र को एक अर्जी के साथ 8 मई तक हलफनामा दाखिल करने को कहा, जिसमें तीन बार समय दिए जाने के बाद भी शपथ पत्र दाखिल न करने की वजह और इसके लिए अतिरिक्त समय मांगने के कारणों का उल्लेख किया गया हो।

पिछले साल 17 नवंबर को, शीर्ष न्यायालय ने सामाजिक कार्यकर्ता एस लक्ष्मीनारायणन की याचिका पर केंद्र और अन्य पक्षों से जवाब मांगा था। लक्ष्मीनारायणन ने नागर विमानन क्षेत्र में पारदर्शिता और यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने वाले एक सशक्त और स्वतंत्र नियामक की मांग की थी। बृहस्पतिवार को याचिकाकर्ता के वकील ने कहा कि केंद्र सरकार की ओर से अभी तक कोई जवाब दाखिल नहीं किया गया है। इस पर केंद्र के वकील ने पश्चिम एशिया में उभरती स्थिति का हवाला दिया। पीठ ने उनसे पूछा, हलफनामा दाखिल करने में आपको क्या दिक्कत आ रही है। केंद्र सरकार के वकील ने कहा कि वे नियम बनाने पर विचार कर रहे हैं। पीठ ने कहा, आप हलफनामा दाखिल करें और सब कुछ रिकॉर्ड पर रखें। आप हलफनामा दाखिल क्यों नहीं कर सकते। केंद्र का यह क्या रुख है। हमने आपको तीन बार समय दिया है।

इस बार भी मांगा तीन सप्ताह का समय, कोर्ट का साफ इन्कार

केंद्र ने हलफनामा दाखिल करने के लिए तीन सप्ताह का समय देने का अनुरोध किया। पीठ ने इससे इन्कार कर दिया कहा, 8 मई को हलफनामा मिल जाना चाहिए। जो कुछ कहना चाहते हैं तभी कहें। अगली 11 मई को होगी।

पिछली सुनवाइयों में सुप्रीम कोर्ट ने मनमानी किराया वृद्धि को बताया था यात्री का शोषण

केंद्र ने 23 फरवरी को उच्चतम न्यायालय को बताया था कि नागर विमानन मंत्रालय याचिका में उठाए गए मुद्दों पर तत्परता से विचार कर रहा है। न्यायालय ने 19 जनवरी को मामले की सुनवाई करते हुए विमान किरायों में होने वाले अप्रत्याशित उतार–चढ़ाव में हस्तक्षेप करने की बात कही थी और त्योहारों के दौरान होने वाली अत्यधिक वृद्धि पर चिंता जताई थी। न्यायालय ने इस वृद्धि को शोषण करार देते हुए केंद्र और नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) से याचिका पर जवाब दाखिल करने को कहा था। इससे पहले पिछले साल नवंबर में, पीठ ने केंद्र सरकार, डीजीसीए और भारतीय विमानपत्तन आर्थिक नियामक प्राधिकरण को नोटिस जारी कर याचिका पर उनकी प्रतिक्रिया मांगी थी।

दावा... अनदेखी की जा रही है किराया बढ़ाने की

याचिका में दावा किया गया था कि सभी निजी एयरलाइनों ने बिना किसी ठोस कारण इकोनॉमी श्रेणी के यात्रियों के लिए नि:शुल्क चेक इन सामान की सीमा 25 किलोग्राम से घटा कर 15 किग्रा कर दी और ऐसा कर पूर्व में टिकट के अंतर्गत आने वाली सेवा को राजस्व का एक नया स्रोत बना दिया गया। याचिका में कहा गया है कि चेक इन के तहत केवल एक सामान की अनुमति देने की नई नीति और इस सेवा का लाभ न उठाने वाले यात्रियों को किसी भी प्रकार की छूट, मुआवजा या लाभ न देना मनमाना और भेदभावपूर्ण है। याचिका में दावा किया गया है कि वर्तमान में किसी भी प्राधिकरण को विमान किराये या अन्य शुल्कों की समीक्षा करने या उन पर सीमा लगाने का अधिकार नहीं है, जिसके चलते एयरलाइंस छिपे हुए शुल्कों और अप्रत्याशित मूल्य निर्धारण के माध्यम से उपभोक्ताओं का शोषण कर रही हैं।

कांग्रेस नेता पवन खेड़ा की अग्रिम ज़मानत याचिका पर फैसला सुरक्षित

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने बृहस्पतिवार को कांग्रेस नेता पवन खेड़ा की उस याचिका पर फैसला सुरक्षित रख लिया, जिसमें उन्होंने असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा की पत्नी पर कई पासपोर्ट और विदेश में अघोषित संपत्तियां रखने के आरोपों से जुड़े मामले में अग्रिम जमानत मांगी है। न्यायमूर्ति जेके महेश्वरी और न्यायमूर्ति एएस चंदुरकर की पीठ ने कांग्रेस नेता की दलीलें सुनने के बाद फैसला सुरक्षित रखा। खेड़ा ने कहा कि यदि उन्हें दर्ज मामले में अग्रिम जमानत नहीं मिलती है तो गिरफ्तारी पूर्व जमानत का पूरा उद्देश्य ही समाप्त हो जाएगा। खेड़ा की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक सिंघवी ने कहा कि उनके खिलाफ लगाए गए आरोप सुनवाई के विषय हैं और उन्हें गिरफ्तार कर अपमानित करना आवश्यक नहीं है। उन्होंने यह भी दलील दी कि उनके खिलाफ लगाई गई धाराओं में से कुछ जमानती हैं, जबकि अन्य में गिरफ्तारी की जरूरत नहीं है।

पुतिन की ट्रंप को चेतावनी ईरान पर दोबारा हमला किया तो पूरी दुनिया भुगतेगी नतीजा

मॉस्को, एजेंसी

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच डेढ़ घंटे से अधिक समय तक फोन पर चली महत्वपूर्ण वार्ता में ईरान संकट, यूक्रेन संघर्ष और रूस-अमेरिका संबंधों सहित कई वैश्विक मुद्दों पर विस्तार से चर्चा हुई। ईरान युद्ध पर बातचीत के दौरान पुतिन ने ट्रंप को स्पष्ट चेतावनी दी कि यदि अमेरिका और इजराइल ईरान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई फिर शुरू करते हैं तो इसके गंभीर परिणाम ईरान या उसके पड़ोसियों तक सीमित नहीं रहेंगे, बल्कि पूरी अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था प्रभावित होगी। उन्होंने विशेष रूप से ईरानी भूमि पर किसी भी जमीनी अभियान को अस्वीकार्य और अत्यंत खतरनाक बताया।

क्रेमलिन के अनुसार पुतिन और ट्रंप की बातचीत सौहार्दपूर्ण, स्पष्ट और व्यावसायिक रही। पुतिन ने ईरान संकट के शांतिपूर्ण समाधान के लिए कूटनीतिक प्रयासों के प्रति रूस की प्रतिबद्धता दोहराई और ईरानी परमाणु कार्यक्रम को लेकर मतभेद कम करने के लिए कई प्रस्ताव रखे। वार्ता की शुरुआत में वॉशिंगटन हिल्टन होटल में ट्रंप पर हुए कथित हमले के प्रयास को लेकर उनके प्रति सहानुभूति भी व्यक्त की। पुतिन ने ईरान और फारस की खाड़ी क्षेत्र पर चर्चा के दौरान ट्रंप के युद्धविराम बढ़ाने के निर्णय का समर्थन किया और कहा कि इससे वार्ता के लिए अधिक अवसर मिलेंगे। उन्होंने कहा कि रूस ईरान, खाड़ी देशों, इजराइल और अमेरिका के साथ परामर्श जारी रखे हुए है। ट्रंप ने यूक्रेन मुद्दे पर शीघ्र युद्धविराम पर बल दिया और कहा कि उनके प्रतिनिधि रूस और यूक्रेन दोनों के साथ संपर्क बनाये रखेंगे।

पुतिन ने इस दौरान दावा किया कि यूक्रेन के खिलाफ युद्ध में रूस को रणनीतिक बढ़त हासिल है लेकिन वह वार्ता के जरिए समाधान को प्राथमिकता देंगे। रूस ने आगामी विजय दिवस समारोह के दौरान संभावित युद्धविराम की इच्छा भी जताई, जिसे ट्रंप ने ऐतिहासिक महत्व वाला कदम बताया। दोनों नेताओं ने आर्थिक और ऊर्जा क्षेत्रों में संभावित सहयोग बढ़ाने पर भी सहमति जतायी। क्रेमलिन के सहयोगी यूरी उशाकोव ने बताया कि यह कॉल पुतिन के अनुरोध पर रूसी पक्ष की ओर से शुरू की गई थी।

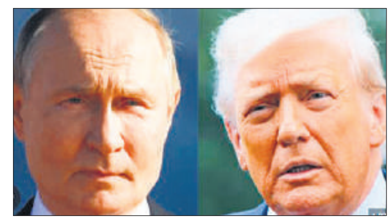

90 मिनट तक चली बातचीत

- दोनों नेताओं ने फोन पर द्विपक्षीय संबंधों के साथ यूक्रेन युद्ध पर भी की लंबी चर्चा

ईरान के समृद्ध यूरेनियम को संभालने की पुतिन की पेशकश ट्रंप ने ठुकराई

वाशिंगटन। ट्रंप ने दावा किया कि पुतिन ने फोन पर हुई बातचीत के दौरान रूस की उस पेशकश को दोहराया, जिसमें वह तीसरे देश के रूप में ईरान के 970 पाउंड समृद्ध यूरेनियम के भंडार को संभालने के लिए तैयार है। ट्रंप ने बताया कि पुतिन ने उनसे कहा, वह इसमें उनकी मदद करना चाहते हैं और वह संवर्धन में शामिल होने के इच्छुक हैं। इस पर उन्होंने उनसे यूक्रेन के साथ युद्ध समाप्त करने को कहा।

जबलपुर के बरगी बांध में क्रूज पलटने से चार लोगों की मौत, 10 लोग लापता

जबलपुर, एजेंसी

- अचानक आंधी आने के बाद हुई दुर्घटना, 29 लोग सवार थे क्रूज में, 15 को बचाया गया

मध्यप्रदेश के जबलपुर जिले में अचानक आई आंधी के कारण 29 लोगों को लेकर जा रहा एक क्रूज बरगी बांध में पलट गया, जिसमें चार लोगों की मौत हो गई जबकि 10 लोग लापता हैं। इसके अलावा 15 लोगों को बचा लिया गया। मुख्यमंत्री मोहन यादव ने मृतकों के परिजनों को चार-चार लाख रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान करने के निर्देश दिए हैं।

बरगी बांध का निर्माण जबलपुर जिले में नर्मदा नदी पर किया गया है। बरगी शहर के पुलिस अधीक्षक अंजुल मिश्रा ने बताया कि लापता लोगों की तलाश में युद्ध स्तर पर अभियानजारी है। जबलपुर के कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक, एसडीआरएफ और अन्य बचाव दल घटनास्थल पर मौजूद हैं और राहत एवं बचाव अभियान जारी है। मुख्यमंत्री यादव ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह, पर्यटन मंत्री धर्मेंद्र सिंह लोधी, संभागीय एसीएस, एडीजी और स्थानीय जनप्रतिनिधियों को बचाव अभियान की निगरानी के लिए घटनास्थल पर पहुंचने का निर्देश दिया गया है।

मध्यप्रदेश विधानसभा में विपक्ष के नेता उमंग सिंघार ने कहा कि जबलपुर के बरगी बांध में क्रूज दुर्घटना की खबर बेहद दुखद और दिल दहला देने वाली है। उन्होंने इस दुर्घटना में जान गंवाने वालों को श्रद्धांजलि अर्पित की और शोक संतप्त परिवारों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की।

हेगसेथ की अमेरिकी कांग्रेस में पेशी, डेमोक्रेट सांसदों ने लगाए ईरान युद्ध पर जनता को गुमराह करने के आरोप

वाशिंगटन, एजेंसी

अमेरिका के रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ की ईरान युद्ध को लेकर जनता को गुमराह करने और वरिष्ठ सैन्य अधिकारियों को हटाने के आरोपों पर यहां प्रतिनिधि सभा की सशस्त्र सेवा समिति की सुनवाई के दौरान बुधवार को डेमोक्रेट सांसदों से तीखी बहस हुई। छह घंटे चली इस सुनवाई में माहौल गरमा गया, जिसमें ट्रंप प्रशासन के 1500 अरब डॉलर के रक्षा बजट पर चर्चा हो रही थी। हेगसेथ 28 फरवरी को शुरू हुए ईरान युद्ध के बाद पहली बार कांग्रेस के सामने पेश हुए।

- ट्रंप के मानसिक स्वास्थ्य पर उठाए सवाल, देश के लिए आपदा बताया

अमेरिकी रक्षा विभाग के मुख्यालय पेंटागन ने युद्ध की लागत 25 अरब डॉलर बताई, लेकिन कई डेमोक्रेट सांसदों ने इस पर संदेह जताया और राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के मानसिक स्वास्थ्य तक पर सवाल उठाए। इस पर हेगसेथ ने पलटवार करते हुए कहा कि ट्रंप विभिन्न पीढ़ियों में सबसे तेज और सूझबूझ वाले कमांडर इन चीफ हैं। उन्होंने डेमोक्रेट सदस्यों से पूछा कि क्या उन्होंने पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडेन की क्षमता पर कभी सवाल उठाया था। ज्वाइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ के अध्यक्ष जनरल डैन केन भी सुनवाई में मौजूद थे। हेगसेथ ने कहा कि इस समय सबसे बड़ा खतरा विपक्षी नेताओं के गैरजिम्मेदार और निराशावादी बयान हैं, जो मिशन की सफलता को नजरअंदाज कर रहे हैं।

युद्ध के बीच वरिष्ठ सैन्य अधिकारियों को हटाने के मुद्दे पर उन्होंने कहा कि नया नेतृत्व लाने के लिए यह जरूरी था। रिपब्लिकन सांसद नैन्सी मेस ने उनके फैसलों का समर्थन किया। वहीं, कैलिफोर्निया के डेमोक्रेट सांसद जॉन गरामेंडी ने ट्रंप प्रशासन की कड़ी आलोचना करते हुए इसे राजनीतिक और आर्थिक आपदा बताया। उन्होंने कहा कि अमेरिका पश्चिम एशिया में एक और युद्ध में फंस गया है। हेगसेथ ने आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि यह दुश्मनों को बढ़ावा देने जैसा है। हेगसेथ बृहस्पतिवार को सीनेट की सशस्त्र सेवा समिति के सामने भी पेश होंगे।

आपकी आवाज ही बन जाती है आपकी दुश्मन

एआई वॉयस क्लोनिंग

कल्पना कीजिए, आपको एक अनजान नंबर से फोन आता है। दूसरी तरफ से आपके बेटे या बेटी की रोने की आवाज आती है जो कह रहे हैं कि वे किसी बड़ी मुसीबत में हैं या पुलिस ने उन्हें पकड़ लिया है। घबराहट में आप पैसे ट्रांसफर कर देते हैं, लेकिन बाद में पता चलता है कि आपका बच्चा तो सुरक्षित था। उसने न कोई अपराध किया था, नहीं उसे पुलिस ने पकड़ा था। यह कोई फिल्मी कहानी नहीं बल्कि डिजिटल अरेस्ट और एआई वॉयस क्लोनिंग का नया और खतरनाक दौर है। अब अपराधी आपके पैसे लूटने के लिए आपकी भावनाओं और तकनीक का भी सहारा ले रहे हैं।

आंकड़े क्या कहते हैं

एक अंतरराष्ट्रीय साइबर सुरक्षा फर्म की रिपोर्ट के अनुसार भारत में लगभग 47 प्रतिशत लोग वॉयस क्लोनिंग स्कैम का शिकार हुए हैं या किसी ऐसे व्यक्ति को जानते हैं जिसके साथ ऐसा हुआ। एआई अब आपकी आवाज के उतार–चढ़ाव और भावनाओं को भी 95 प्रतिशत सटीकता के साथ कॉपी कर सकता है।

डिजिटल अरेस्ट... यह है अपराधियों का नया खेल

- ठगों के हाथ में एआई ने वॉयस क्लोनिंग तकनीक नाम का जादुई हथियार थमा दिया है। एआई की मदद से 30 सेकंड की आवाज का सैंपल लेकर उसकी हूबहू नकल तैयार की जा सकती है। आवाज की चोरी सोशल मीडिया से होती है।
- अपराधी खुद को सीबीआई, पुलिस या नारकोटिक्स विभाग का अधिकारी बताकर वीडियो कॉल करते हैं। वे बैकग्राउंड में असली ऑफिस जैसा सेटअप रखते हैं और पैसे ऐंठने के लिए आपको घंटों कैमरे के सामने रहने को मजबूर करते हैं।
- एआई सिर्फ आवाज ही नहीं, बल्कि वीडियो कॉल पर आपके परिचित का चेहरा भी लगा सकता है, जिससे असलियत को पहचानना लगभग नामुमकिन हो जाता है। कोई भी आसानी से इसके झांसे में आकर अपराध का शिकार हो सकता है।

आपके लिए जरूरी बातें

- पैनिक बटन सिंड्रोम यानी अपराधी आपको सोचने का समय नहीं देते। वे इमरजेंसी और इज्जत का हवाला देकर आपको डराते हैं ताकि आप बिना जांचे–परखे तुरंत पैसे भेज दें।
- हम अपनी हर जानकारी, लोकेशन और वीडियो सार्वजनिक रखते हैं। यह कच्चा माल साबित होता है। आपकी एक रील आपकी आवाज का क्लोन बनाने में मदद करती है।
- भारत में डिजिटल अरेस्ट जैसा कोई कानून नहीं है। कोई भी एजेंसी वीडियो कॉल करके आपको घर में कैद रहने का आदेश नहीं दे सकती, न फोन पर पैसों की मांग करती है।
- मनी ट्रेल का गायब होना, ये ठग आपसे पैसे क्रिप्टोकरेंसी या अनजान म्यूल अकाउंट्स में ट्रांसफर करवाते हैं, जिससे पुलिस के लिए उन्हें ट्रैक करना मुश्किल हो जाता है।

एक्सपर्ट टिप्स

- परिवार के साथ एक गुप्त कोड वर्ड तय करें। अगर कभी कोई इमरजेंसी कॉल आए तो उस कोड वर्ड को पूछें। अगर दूसरी तरफ वाला न बता पाए तो समझ लें कि वह एआई की नकल है।
- क्रॉस–वेरिफिकेशन करें, यानी घबराने के बजाय फोन कॉल को काटें और सीधे उस व्यक्ति को फोन लगाएं जिसके बारे में दावा किया जा रहा है। उनके दोस्तों या साथ रहने वालों से संपर्क करें।
- वीडियो कॉल पर गंभीरता से गौर करें। अगर वीडियो कॉल पर चेहरा थोड़ा धुंधला दिखे या होंठों की मूवमेंट आवाज से मेल न खाए तो कॉल काट दें और सच्चाई का पता लगाने का प्रयास करें।
- आपके साथ ऐसा कुछ होता है तो तुरंत 1930 पर कॉल करें या www.cybercrime.gov.in पर शिकायत दर्ज करें। शुरुआती 1–2 घंटे में पैसे वापस मिलने की संभावना रहती है।

पूर्व एफबीआई निदेशक ने मेरी हत्या के लिए कोड संदेश भेजे

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने गुरुवार को अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर फेडरल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन (एफबीआई) के पूर्व निदेशक जेम्स कोमी की एक पोस्ट को लेकर दावा किया कि कोमी ने उनकी हत्या का खुफिया संदेश साझा किया है। ट्रंप ने ट्रूथ सोशल पर '86 47' वाक्यांश का उल्लेख करते हुए इसे एक माफिया शब्द (मॉब टर्म) बताया।

- ट्रंप ने लगाए आरोप, ट्रुथ सोशल पर साझा किया खुफिया संदेश

उन्होंने दावा किया कि '86' का उपयोग अपराधी हत्या के लिए करते हैं, जबकि '47' का मतलब अमेरिका के 47वें राष्ट्रपति यानी स्वयं ट्रंप हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि जेम्स कोमी ने समुद्र तट पर सीपियों से '86 47' लिखकर उनकी हत्या का संकेत दिया है। गौरतलब है कि '86' शब्द का उपयोग अमेरिका में किसी चीज को हटाने या रद्द करने के लिए किया जाता है। कोमी ने इस तस्वीर को एक राजनीतिक संदेश के रूप में साझा किया था और उन्होंने किसी भी हिंसक इरादे से इन्कार किया है। इस मामले में कोमी पर 28 अप्रैल को राष्ट्रपति के जीवन को खतरे में डालने का आरोप लगाया गया था। उन्होंने 29 अप्रैल को अधिकारियों के सामने आत्मसमर्पण किया, जिसके बाद उन्हें बिना किसी शर्त रिहा कर दिया गया। कोमी ने खुद को निर्दोष बताते हुए इन आरोपों को खारिज किया है। यह कोमी के खिलाफ ट्रंप प्रशासन का दूसरा कानूनी मामला है, इससे पहले 2025 में भी उन पर एक मामला चला था।

कैसा रहेगा आपका आज का दिन

मेष — आज का दिन अच्छा रहेगा। कला या लेखन से जुड़े जातकों को बड़ा मंच मिल सकता है। पुरानी उधारी मिलने से मन प्रसन्न रहेगा।

वृष — आज का दिन करियर में स्थायित्व के लिए महत्वपूर्ण है। आपकी कार्यकुशलता की वरिष्ठों द्वारा प्रशंसा होगी।

मिथुन — आज व्यावसायिक यात्रा के योग हैं। भाई–बहनों से वैचारिक मतभेद सुलझेंगे। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें।

कर्क — आज का दिन बैंकिंग और बीमा क्षेत्र के जातकों के लिए विशेष लाभकारी है। अपनी वाणी के जादू से कठिन कार्य भी करवा लेंगे।

सिंह — आज नेतृत्व क्षमता में निखार आएगा। नई जिम्मेदारी मिल सकती है। जीवनसाथी के साथ सामंजस्य बढ़ेगा।

कन्या — आज कानूनी मामलों में राहत मिलने की संभावना है। मानसिक शांति के लिए योग करें। कोई बड़ी खुशखबरी मिल सकती है।

तुला — आज व्यापार में आधुनिक तकनीक का प्रयोग लाभ देगा। संतान की शिक्षा को लेकर चली आ रही चिंता दूर होगी।

वृश्चिक — आज अचल संपत्ति या वाहन खरीदने के योग बन रहे हैं। माता के साथ भावनात्मक जुड़ाव बढ़ेगा। ऑफिस की राजनीति से खुद को दूर रखें।

धनु — आज पराक्रम और आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। छोटी दूरी की यात्राएं फलदायी रहेंगी। अपने हुनर के प्रदर्शन का भरपूर मौका मिलेगा।

मकर — आज धन संचय के नए रास्ते खुलेंगे। किसी मांगलिक कार्य में धन खर्च होने की संभावना है। सेहत अच्छी रहेगी।

कुंभ — आज जो छात्र विदेश जाने की योजना बना रहे हैं, उन्हें अच्छी खबर मिल सकती है। आपके व्यक्तित्व में सकारात्मक बदलाव होगा।

मीन — आज खर्चों की अधिकता मानसिक तनाव दे सकती है। बाहरी लोगों पर अधिक भरोसा न करें। धार्मिक स्थल की यात्रा मन को सुकून देगी।

आज का पंचांग

-आचार्य मधुरेंद्र पांडेय
astrompandey@gmail.com

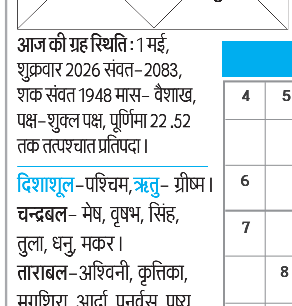

आज की ग्रह स्थिति : 1 मई, शुक्रवार 2026 संवत–2083, शक संवत 1948 मास– वैशाख, पक्ष–शुक्ल पक्ष, पूर्णिमा 22.52 तक तत्पश्चात प्रतिपदा।

दिशाशूल–पश्चिम, **ऋतु**– ग्रीष्म।
चन्द्रबल– मेष, वृषभ, सिंह, तुला, धनु, मकर।
ताराबल–अश्विनी, कृत्तिका, मृगशिरा, आर्द्रा, पुनर्वसु, पुष्य, मघा, उत्तरा फाल्गुनी, चित्रा, स्वाति, विशाखा, अनुराधा, मूल, उत्तराषाढ़ा, धनिष्ठा, शतभिषा, पूर्वाभाद्रपद, उत्तराभाद्रपद।
नक्षत्र–स्वाती 2 मई 04.35 तक तत्पश्चात विशाखा।

सुडोकू - 135 का हल

7	1	6	4	3	2	9	8	5
4	3	8	9	5	7	6	2	1
5	9	2	6	8	1	4	3	7
8	7	1	3	9	5	2	6	4
2	5	3	1	6	4	7	9	8
9	6	4	2	7	8	1	5	3
6	4	5	8	1	9	3	7	2
1	8	9	7	2	3	5	4	6
3	2	7	5	4	6	8	1	9

सुडोकू -136

4	5							
		1		7	2			
6				9			5	3
7			8	6				
	8						3	
	6			5	1			
2	9							5
			6	3				
		6			4		7	8

महत्वपूर्ण घटनाक्रम

कुख्यात अंतर्राष्ट्रीय कला तस्कर सुभाष कपूर और नैन्सी वीनर ने बेचा था अमेरिका में

अमेरिका ने भारत को 1.4 करोड़ डॉलर मूल्य की 650 प्राचीन वस्तुएं लौटाईं

न्यूयॉर्क, एजेंसी

अमेरिका ने भारत को करीब 1.4 करोड़ अमेरिकी डॉलर मूल्य की 657 प्राचीन वस्तुएं लौटाई हैं, साथ ही कहा है कि इस एशियाई देश को चुराई गई कलाकृतियां वापस दिलाने के लिए अभी और काम किया जाना बाकी है। प्राचीन वस्तुएं लौटाने की घोषणा मंगलवार को मैनहट्टन के जिला अटॉर्नी एल्विन ब्रैग ने की।

ये वस्तुएं कई तस्करी गिरोहों की जांच के बाद बरामद की गईं, जिनमें कुख्यात कला व्यापारी सुभाष कपूर और दोषी तस्कर नैन्सी वीनर से जुड़े गिरोह भी शामिल हैं। इन्हें न्यूयॉर्क स्थित भारतीय वाणिज्य दूतावास की दूत राजलक्ष्मी कदम की मौजूदगी में हुए एक कार्यक्रम में भारत को सौंपा गया। ब्रैग ने कहा, भारत की सांस्कृतिक विरासत को निशाना बनाने वाले तस्कर गिरोह का दायरा बहुत बड़ा है, जैसा कि आज 600 से अधिक वस्तुओं की वापसी से स्पष्ट है। भारत को चुराई गई कलाकृतियां लौटाने के लिए अभी और काम किया जाना बाकी है। न्यूयॉर्क में भारत के महावाणिज्य दूत बिनय प्रधान ने मैनहट्टन जिला अटॉर्नी कार्यालय अमेरिकी गृह सुरक्षा मंत्रालय और कानून प्रवर्तन एजेंसियों के सहयोग की सराहना की। कहा, उनकी लगातार सतर्कता के कारण इन सांस्कृतिक रूप से महत्वपूर्ण वस्तुओं की बरामदगी और वापसी संभव हो सकी।

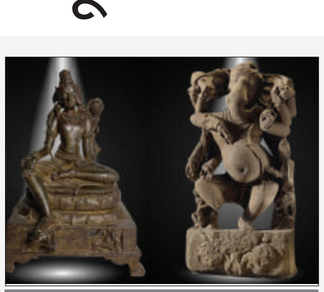

ये हैं प्रमुख कलाकृतियां

- अवलोकितेश्वर की 20 लाख डॉलर मूल्य की कांस्य प्रतिमा शेरों से सजे सिंहासन पर द्विकमल आसन पर विराजमान है। इस पर कारीगर का नाम द्रोणादित्य अंकित है, जो छत्तीसगढ़ के रायपुर के पास सीपुर के निवासी थे। ये प्रतिमा 1939 में लक्ष्मण मंदिर के पास मिली कांस्य प्रतिमाओं के भंडार का हिस्सा थी और 1952 तक रायपुर के महंत घासीदास स्मारक संग्रहालय में शामिल हो गई थी जहां से इसे चुरा लिया गया था।
- एक अन्य कलाकृति लाल बलुआ पत्थर की बुद्ध प्रतिमा है, जिसमें बुद्ध अपना दाहिना हाथ अभय मुद्रा में उठाए खड़े हैं, जो सुरक्षा का संकेत है। इस प्रतिमा के घुटनों के नीचे के पैर टूटे हुए हैं और सिर के पीछे का आभामंडल भी आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त है। संभवत: यह नुकसान उत्तरी भारत से इसे लूटे जाने के दौरान हुआ होगा। करीब 75 लाख डॉलर मूल्य की इस प्रतिमा को कपूर न्यूयॉर्क में तस्करी कर लाया था और इसे एंटीक्विटीज ट्रैफिकिंग यूनिट ने उसकी एक भंडार इकाई से जब्त किया था।

एक अन्य वस्तु नृत्य करते हुए गणेश की बलुआ पत्थर की प्रतिमा है, जिसे कपूर के सहयोगी रंजीत कंवर ने 2000 में मध्य प्रदेश के एक मंदिर से लूटा था। बाद में तस्कर वामन घिया ने इसे न्यूयॉर्क स्थित गैलरी मालिक डोरिस वीनर को बेच दिया था। यह गणेश प्रतिमा 2012 की नीलामी में एक निजी संग्रहकर्ता ने खरीदी थी, जिसने इस वर्ष की शुरू में इसे मैनहट्टन जिला अटॉर्नी कार्यालय को सौंपा।

महाराजा चार्ल्स से भारत को कोहिनूर हीरा लौटाने को कहूंगा : ममदानी

न्यूयॉर्क। न्यूयॉर्क के मेयर जोहरान ममदानी ने कहा कि वह अमेरिका की यात्रा पर आए ब्रिटेन के महाराजा चार्ल्स तृतीय को कोहिनूर हीरा लौटाने के लिए प्रोत्साहित करेंगे। ममदानी ने बुधवार को उनसे मुलाकात करने से पहले यह बात कही। महाराजा दलीप सिंह द्वारा 105.6 कैरेट का कोहिनूर हीरा 1849 में महारानी विक्टोरिया को भेंट किया गया था। इसे 1937 में महारानी ने अपने मुकुट में जड़वाया था। भारत ने भी संकेत दिया है कि वह ब्रिटेन से कोहिनूर हीरे को वापस लाने के तरीकों का पता लगाना जारी रखेगा। कोहिनूर हीरा वर्तमान में लंदन टावर में रखा गया है।

हम वह नहीं कर पाए जिसके लिए मुंबई इंडियंस जानी जाती है। यह सीजन कुछ ऐसा ही रहा है। जब आपको एक-दो मौके मिलते हैं और आप उन्हें लपक लेते हैं, तभी किस्मत और लय बदलती है।
–हार्दिक पंड्या

स्टेडियम

कानपुर नगर, शुक्रवार, 1 मई 2026

अमृत विचार

www.amritvichar.com

IPL 2026

आज के मुकाबले

राजस्थान रॉयल्स
बनाम
दिल्ली कैपिटल्स

समय - शाम 7:30 बजे

गुजरात टाइटंस ने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु से लिया पिछली हार का बदला

आईपीएल-2026 : चार विकेट से हराया, गेंदबाजों ने किया शानदार प्रदर्शन

अहमदाबाद, एजेंसी

बेहतरीन गेंदबाजी के बाद कप्तान शुभमन गिल (43), जॉस बटलर (39) की आतिशी बल्लेबाजी की बदौलत गुजरात टाइटंस ने गुरुवार को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु को 25 गेंदें शेष रहते चार विकेट से हराकर पिछली हार का बदला ले लिया। (पिछले मुकाबले में 24 अप्रैल को बेंगलुरु ने गुजरात को 5 विकेट से हराया था।)

आज यहां गुजरात टाइटंस ने 15.5 ओवर में छह विकेट पर 158 रन बनाकर टूर्नामेंट में अपनी पांचवीं जीत दर्ज की। वहीं यह आरसीबी की तीसरी हार है। राहुल तेवतिया ने 17 गेंदों में चार चौकों की मदद से नाबाद 27 रनों की मैच विजयी पारी खेली। 156 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी गुजरात टाइटंस के लिए साई सुदर्शन और शुभमन गिल की सलामी जोड़ी ने पहले विकेट के लिए 42 रन जोड़। तीसरे ओवर में भुवनेश्वर कुमार ने साई सुदर्शन (छह) को आउट कर इस साझेदारी को तोड़ा। पांचवें ओवर में भुवनेश्वर ने शुभमन गिल को आउट कर गुजरात को दूसरा झटका दिया। गिल ने 18 गेंदों में चार चौके और तीन छक्के उड़ाते हुए 43 रनों की पारी खेली। आठवें ओवर में भुवनेश्वर ने जॉस बटलर को बोल्ड कर पवेलियन भेज दिया। बटलर ने दो चौके और चार छक्के लगाते हुए 39 रन बनाये। वॉशिंगटन सुंदर (12) और शाहरुख खान (आठ) को रोमारियो शेफर्ड ने आउट किया।

मैच के दौरान बातचीत करते गुजरात टाइटंस के कप्तान शुभमन गिल (दाएं) और साई सुदर्शन। एजेंसी

14वें ओवर में जीत की ओर बढ़ रहीं गुजरात को सुयश शर्मा ने जेसन होल्डर को आउट कर आरसीबी को छठा झटका दिया। जेसन होल्डर ने 10 गेंदों में एक छक्का लगाते हुए 12 रन बनाये।

गुजरात टाइटंस ने 15.5 ओवरों में छह विकेट पर 158 रन बनाकर मुकाबला चार विकेट से अपने नाम किया। राशिद खान सात रन बनाकर नाबाद रहे। उन्होंने मैच का विजयी चौका लगाया। आरसीबी के लिए भुवनेश्वर कुमार ने तीन विकेट लिये। रोमारियो शेफर्ड को दो विकेट मिले। सुयश शर्मा ने एक बल्लेबाज को आउट किया।

इससे पहले आज यहां गुजरात टाइटंस के गेंदबाजों ने आरसीबी को 19.2 ओवरों मे 155 रन के स्कोर पर ढेर कर दिया था। गुजरात टाइटंस ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के लिए जेकब बेथेल और विराट कोहली की जोड़ी ने पहले विकेट के लिए 35 रन जोड़े। तीसरे ओवर में मोहम्मद सिराज ने जेकब बेथेल (पांच) रन को आउट कर इस साझेदारी को तोड़ा। अगले ही ओवर में कगिसो रबाड़ा ने विराट कोहली को आउट कर आरसीबी को दूसरा झटका दिया। विराट कोहली ने 13 गेंदों में पांच चौकों और एक छक्के की मदद से 28 रन बनाये। कप्तान रजत पाटीदार (19) को अरशद खान ने आउट किया। इसके बाद गुजरात टाइटंस के गेंदबाजी आक्रमण के आगे आरसीबी की पारी लड़खड़ाती दिखी। जितेश शर्मा (एक), टिम डेविड (नौ), क्रुणाल पांड्या (चार), रोमारियो शेफर्ड (17) रन बनाकर आउट हुये। 14वें ओवर में राशिद खान ने देवदत्त पड़िक्कल को बोल्ड कर पवेलियन भेज दिया।

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु

155/10 (19.2 ओवर)

जैकब बेथेल का राशिद बो सिराज	05
विराट कोहली का राशिद बो रबाडा	28
देवदत्त पडीक्कल बो राशिद	40
रजत पाटीदार का होल्डर बो अरशद	19
जितेश शर्मा का बटलर बो होल्डर	01
टिम डेविड का होल्डर बो राशिद	09
कृणाल पंड्या का होल्डर बो अरशद	04
रोमारियो शेफर्ड का सुदर्शन बो होल्डर	17
वेंकटेश अय्यर का सुदर्शन बो अरशद	12
भुवनेश्वर कुमार नाबाद	15
जोश हेजलवुड रन आउट	00

अतिरिक्त : 05, **विकेट पतन** : 1-34, 2-35, 3-79, 4-80, 5-91, 6-96, 7-126, 8-126, 9-155

गेंदबाजी : सिराज 4-0-38-1, रबाडा 4-0-44-1, होल्डर 4-0-29-2, अरशद 3.2-0-22-3, राशिद 4-0-19-2

गुजरात टाइटंस

158/6 (15.5 ओवर)

साई सुदर्शन का जितेश बो भुवनेश्वर	06
शुभमन गिल का कोहली बो भुवनेश्वर	43
जोस बटलर बो भुवनेश्वर	39
वाशिंगटन सुंदर पगबाधा बो शेफर्ड	12
शाहरूख खान का हेजलवुड बो शेफर्ड	08
राहुल तेवतिया नाबाद	27
जेसन होल्डर का पडिक्कल बो सूयश	12
राशिद खान नाबाद	07

अतिरिक्त : 04, **विकेट पतन** : 1-42, 2-57, 3-92, 4-109, 5-111, 6-141

गेंदबाजी : भुवनेश्वर 4-0-28-3, हेजलवुड 4-0-56-0, सूयश 3.5-0-44-1, शेफर्ड 4-0-30-2

अंक तालिका

	टीम	मैच	जीते	हारे	रद्द	अंक	नेट रन रेट
1.	पंजाब किंग्स	8	6	1	1	13	1.043
2.	रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु	9	6	3	0	12	1.420
3.	सनराइजर्स हैदराबाद	9	6	3	0	12	0.832
4.	राजस्थान रॉयल्स	9	6	3	0	12	0.617
5.	गुजरात टाइटंस	9	5	4	0	10	-0.192
6.	चेन्नई सुपर किंग्स	8	3	5	0	6	-0.121
7.	दिल्ली कैपिटल्स	8	3	5	0	6	-1.060
8.	कोलकाता नाइट राइडर्स	8	2	5	1	5	-0.751
9.	मुंबई इंडियंस	8	2	6	0	4	-0.784
10.	लखनऊ सुपर जाएंट्स	8	2	6	0	4	-1.106

ऑरेंज कैप

- अभिषेक शर्मा हैदराबाद -425 रन
- हेनरिक क्लासेन हैदराबाद-414 रन
- वैभव सूर्यवंशी राजस्थान-400 रन

पर्पल कैप

- भुवनेश्वर कुमार बेंगलुरु-17 विकेट
- इशान मलिंगा हैदराबाद-15 विकेट
- जोफ्रा आर्चर राजस्थान-14 विकेट

मुंबई इंडियंस के बल्लेबाजी कोच पोलार्ड की सलाह- बुमराह के पीछे न पड़ें

मुंबई। मुंबई इंडियन्स के बल्लेबाजी कोच कीरोन पोलार्ड ने कहा कि जसप्रीत बुमराह जैसे दिग्गज तेज गेंदबाज का भी कभी-कभी दिन खराब हो सकता है या उनका सत्र अच्छा नहीं जा सकता। उन्होंने भारत के इस स्टार तेज गेंदबाज को थोड़ी राहत देने की अपील की जिन्होंने इंडियन प्रीमियर लीग में अपना तीसरा सबसे महंगा गेंदबाजी स्पेल डाला। बुमराह ने बुधवार को सनराइजर्स के खिलाफ चार ओवर में 54 रन लुटाए जबकि उन्हें कोई विकेट नहीं मिला। मुंबई इंडियन्स ने रेयान रिकेल्टन के नाबाद 123 रन की मदद से पांच विकेट पर 243 रन बनाए लेकिन सनराइजर्स ने 18.4 ओवर में चार विकेट पर 249 रन बनाकर जीत हासिल की। जब संवाददाताओं ने बुमराह की मौजूदा आईपीएल में गेंदबाजी पर सवाल किए तो पोलार्ड ने कहाजब कोई क्रिकेटर अच्छा प्रदर्शन नहीं कर रहा होता है तो हम हर उस पहलू पर गौर करते हैं कि वह अच्छा क्यों नहीं कर रहा है और जसप्रीत बुमराह के मामले में भी कोई फर्क नहीं है। उन्होंने कहा उन्होंने वर्षों से ऐसा किया है। एक इंसान होने के नाते आपको भी गलतियां करने, दिन खराब होने, सत्र खराब होने या कुछ महीने खराब जाने का हक है। मुझे बस लगता है कि हमें कभी-कभी उन अच्छी चीजों को याद रखना चाहिए जो उन्होंने की हैं। पोलार्ड ने कहा हां, हम वर्तमान में जीने की कोशिश करते हैं और वह उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन नहीं कर पाए हैं लेकिन वह लंबे समय से मुंबई इंडियन्स और भारत के लिए नंबर एक गेंदबाज रहे हैं। कभी-कभी हम क्रिकेटरों को थोड़ी राहत दे सकते हैं क्योंकि हमारी बदकिस्मती है कि हम हमेशा लोगों की नजरों में रहते हैं इसलिए जब हम खराब प्रदर्शन करते हैं तो हमेशा उछाला जाता है। पोलार्ड ने कहा कि इस दाएं हाथ के तेज गेंदबाज को थोड़ी राहत देने से उन्हें लंबे समय में फायदा भी हो सकता है।

हाईलाइट

विश्व टीम टेबल टेनिस में भारत ने स्लोवाकिया को हराया

लंदन। भारत की पुरुष टीम ने यहां आईटीटीएफ विश्व टीम टेबल टेनिस चैंपियनशिप के रोमांचक ग्रुप सात मुकाबले में वापसी करते हुए स्लोवाकिया को 3-2 से हरा दिया। इस जीत के साथ भारत ग्रुप तालिका में शीर्ष पर पहुंच गया और ग्वाटेमाला के खिलाफ अगले मुकाबले से पहले अपनी स्थिति मजबूत कर ली। स्लोवाकिया के खिलाफ मुकाबला उतार-चढ़ाव भरा रहा लेकिन अंत में भारत ने दबाव में धैर्य और दृढ़ता दिखाते हुए जीत हासिल की। स्लोवाकिया ने शुरुआत में ही बढ़त बना ली जब दुनिया के 149वें नंबर के खिलाड़ी लुबोमीर पिस्टेज ने अपने अनुभव का इस्तेमाल करते हुए 51वीं रैंकिंग वाले मानुष शाह को पांच गेम में 11-8, 5-11, 8-11, 11-5, 11-6 से हरा दिया।

एशियाई मुक्केबाजी चैंपियनशिप में भाग लेगा 56 सदस्यीय दल

नई दिल्ली। भारत का 56 सदस्यीय मुक्केबाजी दल शुक्रवार से उज्बेकिस्तान के ताशकंद में होने वाली एशियाई मुक्केबाजी अंडर-15 और अंडर-17 चैंपियनशिप 2026 में अपना अभियान शुरू करने के लिए पूरी तरह तैयार है। भारत इस प्रतिष्ठित आयु-वर्ग टूर्नामेंट में लड़कों और लड़कियों, दोनों ही वर्गों में एक मजबूत और संतुलित टीम के साथ उतर रहा है। भारतीय अंडर-17 टीमों में लड़कों और लड़कियों, दोनों ही वर्गों में 13-13 मुक्केबाज़ शामिल होंगे। ये मुक्केबाज 44–46 किग्रा से लेकर +80 किग्रा तक के अलग वजन वर्गों में प्रतिस्पर्धा करेंगे। प्रत्येक टीम के साथ चार कोच और एक फिजियोथेरेपिस्ट भी होगा।

मैड्रिड ओपन के सेमीफाइनल में पहुंचे यानिक सिनर

मैड्रिड। दुनिया के नंबर वन खिलाड़ी यानिक सिनर मैड्रिड ओपन में राफेल जोडार को 6-2, 7-6 (0) से हराकर के अपने पहले सेमीफाइनल पहुंचे। मैड्रिड में जन्मे जोडार हाल ही में कोंडे डी गोडो (बार्सिलोना ओपन) के सेमीफाइनल में पहुंचने के बाद टूर्नामेंट के सरप्राइज पैकेज में से एक रहे हैं, और उन्हें काजा मैजिका में घरेलू मैदान पर मजबूत सपोर्ट मिला। जोडार ने सिनर के खिलाफ सात ब्रेक पॉइंट बनाए, लेकिन इटैलियन खिलाड़ी ने एक घंटे, 55 मिनट की जीत में उन सभी को बचा लिया, जिससे बुधवार को उनकी जीत का सिलसिला 21 मैचों तक पहुंच गया। बाद में पुरुषों के एक और क्वार्टर फाइनल में, फ्रांस के आर्थर फिल्स ने चेक गणराज्य के जिरी लेहेका को 6-3, 6-4 से हराकर सिनर के खिलाफ सेमीफाइनल में जगह बनाई।

ई-सिगरेट मामले में पराग पर मैच फीस का 25 प्रतिशत जुर्माना

नई दिल्ली, एजेंसी

राजस्थान रॉयल्स के कप्तान रियान पराग पर बृहस्पतिवार को मैच फीस का 25 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया। उन पर यह जुर्माना मुल्लांपुर में पंजाब किंग्स के खिलाफ आईपीएल मैच के दौरान कैमरे पर वेपिंग (ई-सिगरेट) करते पकड़े जाने के बाद खेल की छवि को नुकसान पहुंचाने के आरोप में लगाया गया।

मंगलवार रात रॉयल्स की पारी के दौरान पराग के इस काम की सोशल मीडिया पर काफी आलोचना हुई। पीटीआई को पता चला है कि मैदानी अंपायर तन्मय श्रीवास्तव और नितिन मेनन ने मैच खत्म होने के तुरंत बाद मैच रेफरी अमित शर्मा को इस मामले की शिकायत नहीं की थी। उन्होंने ऐसा तब किया जब उन्होंने इसका वीडियो सबूत देखा। इसके बाद शर्मा ने आईपीएल के नियमों के अनुसार आचार संहिता का उल्लंघन करने के लिए पराग को दोषी पाया। लेवल एक के अपराधों के लिए मैच फीस में से 25 प्रतिशत की कटौती और एक डिमेरिट अंक का प्रावधान है। आईपीएल ने एक बयान में कहा, रियान ने अपराध और मैच रेफरी अमित शर्मा द्वारा दी गई सजा को स्वीकार कर लिया है।बयान के अनुसार आईपीएल की साख को बनाए रखने के लिए बीसीसीआई गलती करने वाली टीम, उसके अधिकारियों और खिलाड़ियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने के लिए दूसरे विकल्पों पर भी विचार कर रहा है।

जब पीटीआई ने बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया से राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ संभावित कार्रवाई के बारे में पूछा तो उन्होंने कहा जैसा कि बयान में साफ-साफ लिखा है हम इस बात पर विचार कर रहे हैं कि टीम के खिलाफ क्या कार्रवाई की जाए। अभी इस पर कोई फैसला नहीं हुआ है। भारत सरकार ने 2019 में ई-सिगरेट पर प्रतिबंध लगा दिया था जिसके तहत इनका उत्पादन, बिक्री और वितरण पूरी तरह से वर्जित है। कानून के अनुसार पहली बार अपराध करने पर दोषी को एक साल तक की जेल और/या एक लाख रुपये तक का जुर्माना हो सकता है।

आईपीएल की आचार संहिता के नियम 2.21 में कहा गया है कि यह नियम उन सभी प्रकार के आचरणों को अपने दायरे में लाने के लिए बनाया गया है जिनसे खेल की छवि को नुकसान पहुंचता है और जिनका उल्लेख आचार संहिता में कहीं और (विशेष रूप से नियम 2.20 में) स्पष्ट रूप से नहीं किया गया है।

दिल्ली को अपने प्रदर्शन में निरंतरता की जरूरत

जयपुर, एजेंसी

दिल्ली कैपिटल्स के पास पिछले कुछ मैच के निराशाजनक नतीजों पर विचार के लिए अधिक समय नहीं है क्योंकि टीम को शुक्रवार को यहां इंडियन प्रीमियर लीग मैच में आत्मविश्वास से भरी राजस्थान रॉयल्स का सामना करना है। अक्षर पटेल की अगुआई वाली दिल्ली की टीम के लिए यह सत्र काफी मुश्किलों भरा रहा है। पिछले दो मैच में टीम के प्रदर्शन में काफी उतार-चढ़ाव देखने को मिला। एक तरफ उन्होंने 250 से अधिक का स्कोर बनाया लेकिन विरोधी टीम ने विश्व रिकॉर्ड बनाते हुए उस लक्ष्य को हासिल कर लिया वहीं दूसरी तरफ वे रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ सिर्फ 75 रन पर ऑल आउट हो गए। इसके अलावा इस महीने की शुरुआत में गुजरात टाइटंस के खिलाफ मिली एक रन की हार ने दिल्ली को भावनात्मक रूप से काफी चोट पहुंचाई है। तीन जीत और चार हार के साथ वे अंक तालिका में सातवें स्थान पर हैं और उन्हें जल्द ही अपने प्रदर्शन में सुधार की जरूरत है।

अभ्यास सत्र के दौरान दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान अक्षर पटेल, मुकेश कुमार और कुलदीप यादव और राजस्थान रॉयल्स के ध्रुव जुरेल और रवि बिश्नोई। एजेंसी

- मजबूत राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ मुकाबला आज

राजस्थान का शीर्ष क्रम है बहुत खतरनाक

राजस्थान का शीर्ष क्रम काफी आक्रामक रहा है। युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी ने बिना किसी डर के जसप्रीत बुमराह, जोश हेजलवुड और पैट कमिंस जैसे विश्व स्तरीय गेंदबाजों का शुरू से ही डटकर सामना किया है तो वहीं यशस्वी जायसवाल भी बेहतरीन लय में नजर आ रहे हैं। अंक तालिका में चौथे स्थान पर काबिज राजस्थान रॉयल्स की टीम पूरे आत्मविश्वास के साथ इस मैच में उतर रही है। हाल ही में उन्होंने पंजाब किंग्स को इस सत्र की पहली हार का स्वाद चखाया था। यह नौ मैच में टीम की छठी जीत थी। राजस्थान के लिए एक और सकारात्मक बात यह है कि धीमी शुरुआत के बाद अब उनका मध्य क्रम भी लय में लौट आया है। इससे उन्हें अधिक संतुलन मिलता है और पूरी पारी में उन्हें रोकना कठिन हो जाता है।दबाव में चल रहे दिल्ली के आक्रमण के खिलाफ राजस्थान की टीम एक बार अच्छा प्रदर्शन करना चाहेगी।दिल्ली के लिए चीजें साफ हैं। बल्लेबाजों को व्यक्तिगत प्रयासों पर निर्भर रहने के बजाय संपूर्ण प्रदर्शन करने की जरूरत है। स्टार्क की वापसी के साथ गेंदबाजों को रन गति पर अंकुश लगाने के तरीके खोजने होंगे, विशेषकर आक्रामक शीर्ष क्रम के खिलाफ।

टीम

राजस्थान रॉयल्स : शुभम दुबे, शिमरोन हेटमायर, यशस्वी जयसवाल, ध्रुव जुरेल, लुआन-ड्रे प्रिटोरियस, रियान पराग, वैभव सूर्यवंशी, डोनोवन फरेरा, रविंद्र जडेजा, जोफ्रा आर्चर, नांद्रे बर्गर, तुषार देशपांडे, क्वेना मफाका, संदीप शर्मा, युद्धवीर सिंह चरक, रवि बिश्नोई, अमन राव पेराला, एडम मिल्ने, कुलदीप सेन, दासुन शनाका, सुशांत मिश्रा, विग्नेश मिश्रा पुथुर, रवि सिंह, ब्रिजेश शर्मा।

दिल्ली कैपिटल्स : अक्षर पटेल (कप्तान), लोकेश राहुल, करुण नायर, डेविड मिलर, पथुम निसांका, साहिल पारख, पृथ्वी साव, अभिषेक पोरेल, ट्रिस्टन स्टब्स, समीर रिजवी, आशुतोष शर्मा, विपराज निगम, अजय मंडल, त्रिपुराना विजय, माधव तिवारी, आकिब डार, नितीश राणा, टी. नटराजन, मुकेश कुमार, दुष्मंता चमीरा, लुंगी एनगिडी, काइल जैमीसन, कुलदीप यादव और मिचेल स्टार्क।

मुरलीधरन की चिंता

श्रीलंका के महान स्पिनर ने कहा-कम उम्र से हुनर न सीखना बड़ी वजह

गेंद को टर्न कराने की कोशिश नहीं कर रहे स्पिनर

मुंबई, एजेंसी

श्रीलंका के महान स्पिनर मुथैया मुरलीधरन का मानना है कि इंडियन प्रीमियर लीग में स्पिन गेंदबाज गेंद को टर्न कराने की कोशिश नहीं कर रहे हैं क्योंकि उन्होंने कम उम्र से ही यह हुनर नहीं सीखा है और टूर्नामेंट के दौरान इस कला को सीखना मुमकिन नहीं है। मुरलीधरन ने कहा कि आजकल स्पिन गेंदबाज गेंद को टर्न कराने और बल्लेबाजों को सोचने पर मजबूर करने की कला नहीं सीखते क्योंकि उनका ध्यान सिर्फ विविधता के जरिए रन रोकने पर रहता है।

मुंबई इंडियंस के खिलाफ बुधवार को सनराइजर्स हैदराबाद की छह विकेट की जीत के बाद मुरलीधरन ने कहा घरेलू क्रिकेट में भी स्पिन गेंदबाजों के लिए हालात ऐसे ही रहे हैं। जब हम क्रिकेट खेलते थे तो एक स्पिनर के तौर पर आपको गेंद को टर्न कराना होता था, यही आपका पहला मकसद होता था। आजकल यह मुख्य बात नहीं रही क्योंकि हर कोई टेस्ट क्रिकेट खेलने के बारे में नहीं सोच रहा है। वे वनडे क्रिकेट खेलने पर अधिक ध्यान दे रहे हैं। उन्होंने कहा कम उम्र में भी वे सिर्फ तेज गेंदबाजी करने और गेंद में विविधता लाने की कोशिश करते हैं, उसे टर्न कराने की नहीं। उन्हें कम उम्र में यह काबिलियत नहीं मिली होती इसलिए वे 18 या 19 साल की उम्र में आकर गेंद को टर्न कराने की कोशिश नहीं कर सकते क्योंकि उनकी मसल मेमोरी पहले से ही वैसी बन चुकी होती हैं।

निष्पक्ष विकेट बनाने पर दिया जोर

मुरलीधरन ने कहा कि बल्ले और गेंद के बीच मुकाबले में संतुलन बनाने का एकमात्र तरीका निष्पक्ष विकेट (जिनसे बल्लेबाजों और गेंदबाजों दोनों को समान मदद मिले) तैयार करना है। उन्होंने कहा अगर हम निष्पक्ष विकेट दे सकें, लेकिन फिर दर्शक ऊबने लगेंगे। क्रिकेट प्रेमी और बहुत कम उम्र के क्रिकेटर, टी20 के चाहने वाले बहुत अधिक मनोरंजन चाहते हैं। वे चौके और छक्के देखना चाहते हैं इसलिए इस टूर्नामेंट को इसी तरह से तैयार किया गया है और एक अतिरिक्त खिलाड़ी को बल्लेबाजी के लिए उतारा जाता है जिससे कि टीम को कम स्कोर पर आउट होने से बचाया जा सके। मुरलीधरन ने कहा यह एक मनोरंजन है।

मुरलीधरन ने कहा जब आप 10, 11 या 12 साल के होते हैं तब गेंद को टर्न कराने की कोशिश करें। हमने इसी तरह सीखा था। बल्लेबाज को छकाने के लिए हमें गेंद को टर्न कराना जरूरी होता है। मुरलीधरन ने कहा कि आईपीएल में स्पिनरों के खिलाफ बल्लेबाजी करना थ्रो-डाउन विशेषज्ञों' के खिलाफ अभ्यास करने जैसा है क्योंकि इसमें बस गेंद की लाइन में आकर उसे जोर से मारना होता है। जब उनसे पूछा गया कि वह और ऑस्ट्रेलियाई दिग्गज शेन वॉर्न बल्लेबाजों के अनुकूल हालात में कैसे खेलते तो मुरलीधरन ने कहा कि वे इतने महंगे साबित नहीं होते। मुरलीधरन ने कहा देखिए हम गेंद को टर्न तो जरूर कराते लेकिन हम कोई बड़ा असर नहीं डाल पाते। शायद हम एक या दो विकेट ही ले पाते। वे (फिर भी) हमारे खिलाफ आसानी से 40 रन बना लेते क्योंकि विकेट इतने अच्छे होते हैं।

उन्होंने कहा शेन वॉर्न भी एक कमाल के खिलाड़ी थे क्योंकि वह गेंद को घुमा सकते थे और चमत्कार कर सकते थे। (लेकिन) खेल अब बदल गया है। हम अलग-अलग दौर की तुलना नहीं कर सकते। जिस तरह से खिलाड़ी बल्लेबाजी करते हैं, खिलाड़ियों की मानसिकता... ये वो चीजें हैं जो बदल गई हैं।

क्वार्टर फाइनल में चीनी ताइपे की मजबूत टीम से आज भिड़ेगा भारत

होर्सेंस (डेनमार्क), एजेंसी

भारत थॉमस कप फाइनल्स के क्वार्टर फाइनल में शुक्रवार को चीनी ताइपे की मजबूत टीम से भिड़ेगा और इस मुकाबले को जीतकर अपने दूसरे खिताब की ओर बढ़ने की कोशिश करेगा।

भारत ने चार साल पहले अभूतपूर्व उपलब्धि हासिल करते हुए थॉमस कप का खिताब जीता था जो बैडमिंटन की विश्व टीम चैंपियनशिप है। इस बार भारत ग्रुप ए में दूसरे स्थान पर रहकर क्वार्टर फाइनल में पहुंचा है और उसका सामना चीनी ताइपे से होगा जिसने अब तक यह टूर्नामेंट नहीं जीता है। भारत ने अपने अभियान की शुरुआत जोरदार तरीके से करते हुए कनाडा को 4-1 से हराया। टीम ने इसके बाद ऑस्ट्रेलिया का 5-0 से शिकस्त दी लेकिन चीन को कड़ी चुनौती पेश करने के बावजूद उसे 2-3 से हार का सामना करना पड़ा। ग्रुप सी में शीर्ष पर रही चीनी ताइपे की टीम काफी मजबूत नजर आ रही है जिसकी अगुवाई दुनिया के नंबर छठे नंबर के एकल खिलाड़ी चोउ टिएन चेन कर रहे हैं। उनके साथ दुनिया के आठवें नंबर के खिलाड़ी और मौजूदा ऑल इंग्लैंड चैंपियन लिन चुन-यी और दुनिया के 21वें नंबर के खिलाड़ी ची यू जेन टीम की एकल चुनौती को बेहद मजबूत बनाते हैं। मौजूदा समय के सबसे आक्रामक खिलाड़ियों में से एक चुन-यी ने पिछले महीने ऑल इंग्लैंड चैंपियनशिप के फाइनल में लक्ष्य सेन को हराकर खिताब जीता था। टीम में 2025 ऑल इंग्लैंड के उपविजेता चिया हाओ ली भी शामिल हैं। युगल में ताइपे के पास चिउ सियांग चीह और वांग ची-लिन की दुनिया की 14वें तथा ली झे-हुई और यांग पो-सुआन की दुनिया की नंबर 16वें नंबर की जोड़ी है। दूसरी ओर भारत की टीम काफी अच्छी लय में नजर आ रही है। उसके एकल और युगल दोनों ही खिलाड़ी शानदार प्रदर्शन कर रहे हैं।

थॉमस कप फाइनल्स